



75
आजादी का
अमृत महोत्सव



वार्षिक रिपोर्ट 2022-2023



जैविक गुणवत्ता पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन NATIONAL SUMMIT ON QUALITY OF BIOLOGICALS

27 जनवरी 2023 | विज्ञान भवन, नई दिल्ली
27 JANUARY 2023 | VIGYAN BHAWAN, NEW DELHI



डॉ. भारती प्रविण पवार
Dr. Bharati Pravin Pawar
जननी जन्मभूमिश्च कर्माणि भवन्ति
Motherland, Birthplace and Karma are what matter
Principal Scientist - Senior PG
Health & Family Welfare, Government of India

राष्ट्रीय जैविक संस्थान

राज्य: राजस्थान, भारत, भारत सरकार
National Institute of Biologicals
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India



राष्ट्रीय जैविक संस्थान NATIONAL INSTITUTE OF BIOLOGICALS

वार्षिक प्रतिवेदन 2022-2023

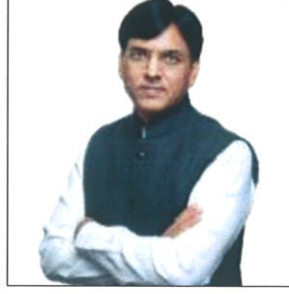


राष्ट्रीय जैविक संस्थान
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार
नोएडा

विषय-सूची तालिका

1. परिचय	3
2. निदेशक के पटल से	4
3. जैविकों की गुणवत्ता पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन पर रिपोर्ट	6
4. प्रो. एस.के. जोशी प्रयोगशाला उत्कृष्टता पुरस्कार	7
5. एनआईबी में गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण पर एक नजर	9
6. एनआईबी की प्रयोगशालाएं	12
7. केंद्रीय सुविधाएं	19
8. सरकारी राजपत्र अधिसूचना(एं)	22
9. गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली	24
10. परस्पर सहयोग	25
11. पीटी/आईएलसी/ईक्यूएएस-राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय आयोजनों में सहभागिता	26
12. विशेषज्ञ समिति की बैठकें	27
13. सम्मेलनों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/सेमिनारों/सीएमई का आयोजन/ सहभागिता/ दिए गए व्याख्यान/प्रशिक्षण	31
14. फार्माकोपिया मोनोग्राफ के विकास में योगदान	34
15. राष्ट्रीय संदर्भ मानक/सेरा प्रदर्शन पैनल तैयार करना और उनकी आपूर्ति करना	35
16. प्रकाशन	36
17. अनुसंधान एवं विकास	38
18. संयुक्त निरीक्षणों के माध्यम से तकनीकी विशेषज्ञता का प्रतिपादन	40
19. एनआईबी में प्रशिक्षण	41
20. एनआईबी की प्रयोगशालाओं का दौरा	46
21. भारत का हीमोविजिलेंस कार्यक्रम	48
22. सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग	50
23. अभियांत्रिकी प्रभाग	51
24. प्रशासनिक कार्य की रिपोर्ट	53
25. राजभाषा प्रकोष्ठ	60
26. आयोजन	61
27. नागरिकों को सशक्त बनाना : सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005	64
28. एनआईबी की लेखा परीक्षा रिपोर्ट	65

राष्ट्रीय जैविक संस्थान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार



डॉ. मनसुख मांडविया
माननीय केन्द्रीय मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार



प्रो. एस.पी. सिंह बघेल
माननीय राज्यमंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार



डॉ. भारती प्रविण पवार
माननीय राज्यमंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

परिचय

राष्ट्रीय जैविक संस्थान(एनआईबी) की स्थापना वर्ष 1992 में की गई थी। एनआईबी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक शीर्ष वैज्ञानिक स्वायत्त संस्थान है। यह संस्थान ए-32, सेक्टर-62, नोएडा, उत्तर प्रदेश में 74,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में स्थित है।

संस्थान औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और नियम 1945 तथा समय-समय पर यथा संशोधित के उपबंधों के तहत जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण जैसे इंसुलिन, एरिथ्रोपोइटिन, रक्त उत्पादों, नैदानिक किटों जैसे एचआईवी, एचबीवी, एचसीवी, चिकित्सीय मोनोक्लोनल एंटीबॉडी जैसे कैंसर के उपचार इत्यादि में उपयोग किए जाने वाले ट्रास्टुजुमैब और रिटुक्सीमैब आदि के प्राथमिक सांविधिक कार्य करता है। इन जैविक उत्पादों का परीक्षण एनआईबी की प्रयोगशालाओं में भारतीय फार्माकोपिया अथवा संबंधित फार्माकोपिया अथवा अंतर्राष्ट्रीय मानदण्डों में निर्धारित सांविधिक मानकों के अनुसार किया जाता है। संस्थान को परिभाषित उद्देश्य के लिए आईएसओ/आईईसी 17025: 2017 के अनुसार एनएबीएल द्वारा मान्यता प्रदान की गई है।

संस्थान के वैज्ञानिक अपने कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं और वे अधिदेशों का पालन करते हुए पूरी बारीकी से कार्य करते हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं :

- भारतीय बाजार में आने वाले जैविकों और जैव-चिकित्सीय उत्पादों, आयातित और देश में निर्मित दोनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना।
- भारतीय फार्माकोपिया में शामिल किए जाने वाले जैविक उत्पादों के लिए विशिष्टताओं को अंतिम रूप देने में सहयोग करना।
- जैविक उत्पादों के लिए राष्ट्रीय संदर्भ मानक तैयार करना।
- जैविक उत्पादों और हीमोविजिलेंस कार्यक्रमों के गुणवत्ता

नियंत्रण की दिशा में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के तकनीकी कार्मिकों को प्रशिक्षित करना।

- प्रौद्योगिकियों के उन्नयन में अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक संस्थानों/संगठनों के साथ सहयोग करना और जैविक और जैव-चिकित्सीय उत्पादों की गुणवत्ता मूल्यांकन के क्षेत्र में की गई वैज्ञानिक प्रगति के साथ पक्तिबद्ध रहना।
- सीडीएससीओ के अधिकारियों के साथ किए जाने वाले जैविक उत्पादों के विनिर्माण परिसरों के संयुक्त निरीक्षण के दौरान तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करना।
- सुरक्षित रक्त आधान प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम को कार्यान्वित करना।

फरवरी, 2006 में निर्मित की गई संस्थान की प्रयोगशाला और पशु गृह सुविधा में जैविक और जैव-चिकित्सीय उत्पादों के परीक्षण के लिए आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों से सुसज्जित 42 बायो सेफ्टी लेवल (बीएसएल)-2 प्रयोगशालाएं हैं। जिनमें 20 वॉक-इन-कोल्ड रूम और 03 वॉक-इन-डीप फ्रीजर (-20 °C) और 64 जैव-सुरक्षा कैबिनेट मौजूद हैं। सभी उपकरण वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) अथवा व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएमसी) के अंतर्गत हैं और इन्हें नियमित रूप से एनएबीएल द्वारा अंशांकन हेतु मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला द्वारा अंशांकित किया जाता है।

संस्थान द्वारा वेतन, रखरखाव, अभिकर्मकों, रसायनों, वैज्ञानिक उपकरणों आदि की खरीद पर किए गए व्यय की भरपाई स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए अनुदानों से की जाती है। जैविकों के परीक्षण से प्राप्त राजस्व को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के पास उपलब्ध भारत की समेकित निधि में जमा किया जाता है।



निदेशक के पटल से

मुझे राष्ट्रीय जैविक संस्थान का वर्ष 2022-23 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है। संबंधित वर्ष के दौरान संस्थान ने जैविक गुणवत्ता नियंत्रण के क्षेत्र में कार्य करने के नए तरीके विकसित करने में उल्लेखनीय प्रगति की है।

अपनी स्थापना के बाद से गत 30 वर्षों में, एनआईबी ने क्रमिक रूप से अपने सुविज्ञ, प्रशिक्षित, सक्षम और अत्यंत प्रेरित कार्मिकों की बढ़ती जैविक गुणवत्ता नियंत्रण के अति विशिष्ट वैज्ञानिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त की है। हमारे दैनिक जीवन पर विज्ञान, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी विकास, वैश्वीकरण का प्रभाव पड़ना अवश्यंभावी और अपरिहार्य है। इसी सोच के साथ, हम अपने राष्ट्र की जन स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए काम करने के अपने उद्देश्य की ओर तेजी से आगे बढ़ना जारी रखे हुए हैं।

एनआईबी की विभिन्न प्रकार के जैविकों का परीक्षण करने की क्षमता में पिछले दशक के दौरान काफी बढ़ोतरी हुई है अर्थात् यह वर्ष 2013-14 के 141 की तुलना में बढ़कर वर्ष 2022-23 में 303 हो गई है। संस्थान ने औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के तहत राज्य चिकित्सा प्रोक्यूरमेंट एजेंसियों से प्राप्त बैचों सहित वर्ष 2022-23 में 2099 जैविक नमूनों के बैचों का मूल्यांकन किया। इन परीक्षित कुल नमूनों में से 3.61 प्रतिशत को मानक गुणवत्ता वाले नहीं (एनएसक्यू) पाया गया, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के संरक्षण और उन्नयन में संस्थान की अहम भूमिका को दर्शाता है।

एनआईबी ने 30 जून, 2022 को "राष्ट्र की सेवा में तीन दशक" थीम के तहत अपने राष्ट्र का आजादी का अमृत महोत्सव समारोह का आयोजन किया। माननीय राज्य मंत्री (एमओएस) डॉ. भारती प्रविण पवार ने इस महत्वपूर्ण समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। श्री राजेश भूषण, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

और डॉ. बलराम भार्गव, सचिव, डीएचआर एवं महानिदेशक, आईसीएमआर तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

एनआईबी की 30वीं वर्षगांठ और भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) की 10वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर, "एनआईबी के 30 साल" विषय पर एक पुस्तिका, राष्ट्रीय रक्त दाता सतर्कता कार्यक्रम (एनबीडीवीपी) के तहत "रक्त दाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग के लिए मार्गदर्शन दस्तावेज" और एनआईबी गतिविधियों पर एक वीडियो माननीय राज्य मंत्री (एमओएस) डॉ. भारती प्रविण पवार द्वारा जारी किया गया। इस अवसर पर 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले और संस्थान की प्रगति में योगदान देने वाले कार्मिकों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया।

एनआईबी ने 27 जनवरी 2023 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में अपने 31वें स्थापना दिवस के अवसर पर जैविक गुणवत्ता पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा वर्चुअल मोड में किया गया। राष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से विचारों के आदान-प्रदान के लिए विभिन्न हितधारकों, नियामकों, उद्योग जगत के व्यक्तियों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को एक एकीकृत मंच प्रदान किया गया जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा की गई कि कैसे जैविकों के गुणवत्ता विनियमन की वर्तमान संभावित बाधाओं को दूर किया जा सकता है। समारोह में गणमान्य व्यक्तियों द्वारा एनआईबी के बारे में एक कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया गया।

इस वर्ष राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) ने 17 से 19 नवंबर, 2022 तक एनआईबी, नोएडा में फेडरेशन ऑफ इंडियन ब्लड डोनर्स ऑर्गनाइजेशन (एफआईबीडीओ) के सहयोग से ब्लडकॉन-2022, राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्घाटन श्री सोम प्रकाश,

माननीय राज्य मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। सम्मेलन के दौरान श्री सोम प्रकाश, माननीय राज्य मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने एनआईबी द्वारा 'रक्त ट्रांसफ्यूजन की उत्तम पद्धतियां— रक्त के तर्कसंगत उपयोग के लिए मार्गदर्शन' विषय पर तैयार की गई पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

प्रशिक्षण के अधिदेश का अनुपालन करते हुए, एनआईबी ने "प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना" के तहत एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए जैविकों की गुणवत्ता नियंत्रण पर राष्ट्रीय कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की अपनी परंपरा को जारी रखा। इस वार्षिक रिपोर्ट की अवधि में छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, असम, मणिपुर के 83 छात्रों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसके अलावा, एनआईबी ने रक्त प्रकोष्ठ—राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से छत्तीसगढ़ राज्य के 41 ब्लड बैंक कार्मिकों के लिए "रक्त सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण" विषय पर 09 से 14 जनवरी 2023 तक छह दिवसीय आवासीय व्यावहारिक (हैंड्स-ऑन) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

जैविकों के क्षेत्र में इस तरह की शैक्षणिक और कौशल विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए, एनआईबी, नोएडा ने बायोफार्मास्यूटिकल्स की गुणवत्ता आश्वासन पर एक

सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने के लिए 17 मई 2022 को डीपीएसआरयू, दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और अगस्त 2022 में पीएचडी कार्यक्रम के लिए छात्रों के पहले बैच का सत्र भी आरंभ किया।

अंत में, मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि एनआईबी ने क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) द्वारा परीक्षण के क्षेत्र में स्थापित प्रतिष्ठित प्रथम प्रोफेसर एस.के. जोशी प्रयोगशाला उत्कृष्टता स्वर्ण पुरस्कार पाने में सफलता दर्ज की। संस्थान को यह पुरस्कार 6 अक्टूबर 2022 को प्रदान किया गया।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, केंद्रीय औषधि मानक और नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अटूट समर्थन और मार्गदर्शन के साथ, हम जैविकों, जन स्वास्थ्य और शैक्षणिक उत्कृष्टता की गुणवत्ता के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ अपनी यात्रा को जारी रखे हुए हैं। ज्ञान साझा करने और नए उत्पादों के मूल्यांकन में योगदान देने की अपनी भावना का निरंतर पालन करते हुए हमें पूरी उम्मीद है कि वर्ष 2023-24 के दौरान हमें प्रगति और समृद्धि के क्षेत्र में अपेक्षानुरूप सफलता मिलेगी।

जैविकों की गुणवत्ता पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन पर रिपोर्ट

राष्ट्रीय सम्मेलन – 2023

एनआईबी ने अपने 31वें स्थापना दिवस के अवसर पर 27 जनवरी 2023 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में जैविकों की गुणवत्ता पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्घाटन माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने वर्चुअल मोड में किया। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ भारती प्रविण पवार ने भी वीडियो संदेश के माध्यम से सम्मेलन को संबोधित किया। श्री राजेश भूषण, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने जैविक गुणवत्ता नियंत्रण के क्षेत्र में वर्तमान पद्धतियों और भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार साझा करते हुए सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने जन स्वास्थ्य के हित में जैविक गुणवत्ता के संबंध में उद्योग, विनियमन, अनुसंधान और अकादमिक कार्यक्षेत्र के बीच सक्रिय सहयोग और सहायता की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. अतुल

गोयल, डीजीएचएस, डॉ. वी. के. पॉल, सदस्य, नीति आयोग और सुश्री एस. अपर्णा, सचिव, फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने तीन सत्रों की अध्यक्षता की। प्रोफसर वाई.के. गुप्ता, अध्यक्ष, एम्स, भोपाल और डॉ. प्रमोद कुमार गर्ग, कार्यकारी निदेशक, टीएचएसटीआई जैसे कई अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों तथा विभिन्न जैविक निर्माताओं, चिकित्सा प्राण एजेंसियों, आईपीसी, सीडीएससीओ आदि की सहभागिता ने भी इस अवसर की शोभा बढ़ाई। सम्मेलन ने विभिन्न हितधारकों, नियामकों, उद्योगों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक एकीकृत मंच प्रदान किया ताकि जैविकों के गुणवत्ता विनियमन में वर्तमान में आने वाली संभावित बाधाओं का समाधान किया जा सके। कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों द्वारा एनआईबी के बारे में एक कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया गया।



प्रोफेसर एस.के. जोशी प्रयोगशाला उत्कृष्टता पुरस्कार

एनआईबी ने प्रतियोगिता के कई दौर क्वालीफाई करने के बाद भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) द्वारा परीक्षण के क्षेत्र में स्थापित प्रतिष्ठित प्रोफेसर एस.के. जोशी प्रयोगशाला उत्कृष्टता स्वर्ण पुरस्कार जीतने में सफलता पाई। एनआईबी को यह पुरस्कार 6 अक्टूबर 2022 को प्रदान किया गया जो इस संगठन द्वारा प्रदान किया गया प्रथम पुरस्कार है। सितंबर 2021 में क्यूसीआई द्वारा शुरू किया गया यह देश का अपनी तरह का पहला प्रयोगशाला उत्कृष्टता पुरस्कार है। यह

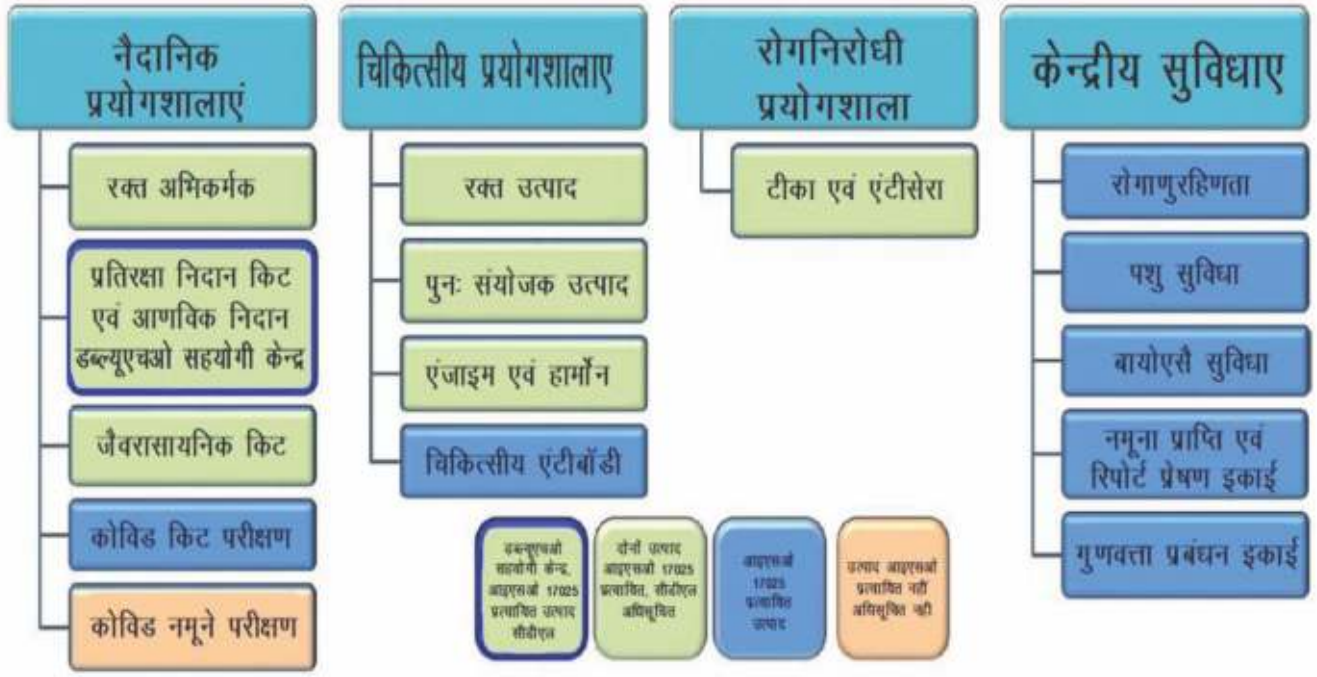
पुरस्कार उन प्रयोगशालाओं (परीक्षण, चिकित्सा और अंशांकन) को सम्मान देने के लिए है जिन्होंने गुणवत्ता सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त की हैं और अपनी सर्वोत्तम पद्धतियों के लिए अपने क्षेत्र में बेंचमार्क स्थापित किया है। एनआईबी यह सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है कि गुणवत्ता युक्त जैविक स्वास्थ्य प्रणाली तक पहुंचे ताकि सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रधान मंत्री के मिशन को मजबूती प्रदान की जा सके।





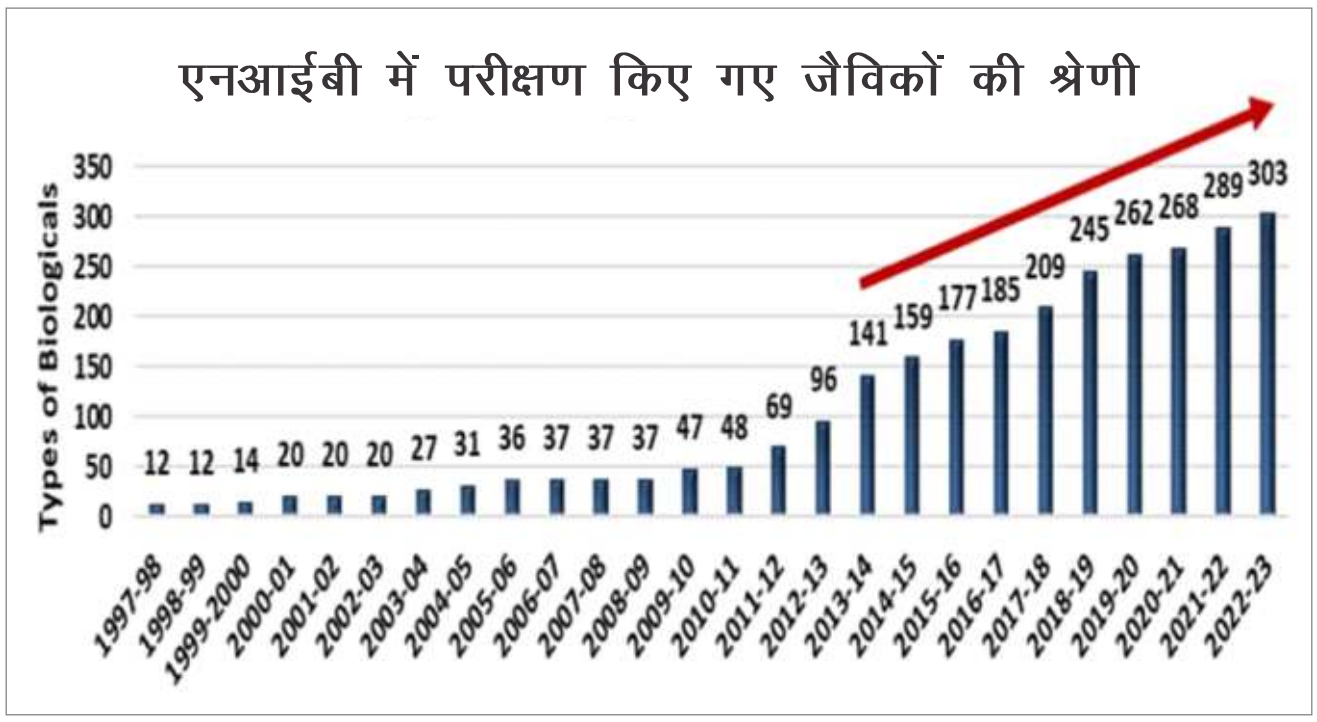
वैज्ञानिक कार्यकलाप –
जैविकों की गुणवत्ता
के आश्वासन से
सार्वजनिक स्वास्थ्य
का संरक्षण

एनआईबी में गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण पर एक नजर



जैविकों का गुणवत्ता नियंत्रण मूल्यांकन

पिछले 26 वर्षों के दौरान एनआईबी में परीक्षण किए गए जैविकों की कुल संख्या में काफी वृद्धि हुई है।



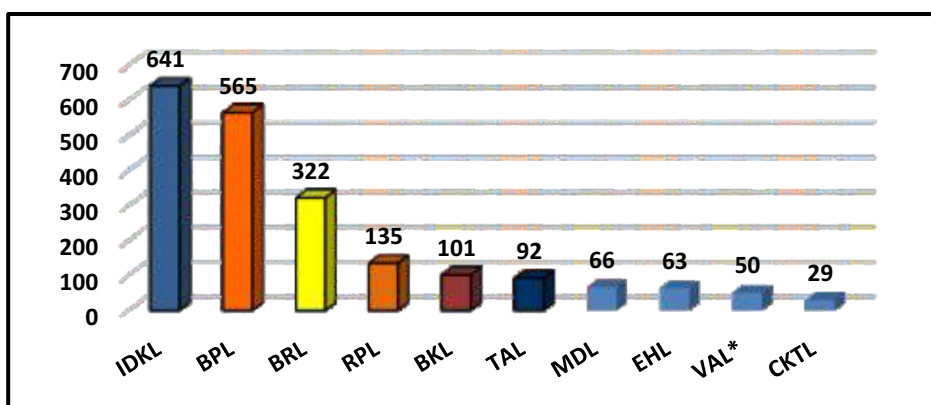
एनआईबी में विभिन्न प्रकार के जैविकों का परीक्षण करने की उपलब्ध क्षमता

परीक्षण किए गए जैविकों की श्रेणी	जैविकों की संख्या
1. रक्त समूहन रीजेंट्स	98
2. इम्यूनोडायग्नोस्टिक एवं मोलिक्यूलर डायग्नोस्टिक किट्स	69
3. कोविड-19 किट्स	12
4. बायोकेमिकल्स किट्स	3
5. रक्त उत्पाद	25
6. रिकम्बिनेंट उत्पाद	37
7. चिकित्सीय एंटीबॉडी	25
8. एंजाइम्स एवं हार्मोस	20
9. वैक्सीन	14
कुल	303

प्राप्त नमूने

वित्त वर्ष 2022-23 में परीक्षण उद्देश्य के लिए विभिन्न उत्पाद श्रेणियों (चित्र 1) (सरकारी नमूने, सर्वेक्षण नमूने, सेवा नमूने,

मानकीकरण के लिए नमूने सहित) के तहत कुल 2099 नमूने (सीडीएल, कसौली के अलावा समानांतर परीक्षण के लिए प्राप्त 35 नमूनों सहित) प्राप्त हुए हैं। कुल नमूनों में से 303 नमूने विभिन्न राज्य चिकित्सा प्राण एजेंसियों से प्राप्त हुए थे।



आईडीकेएल	इम्यूनोडायग्नोस्टिक किट लैब
बीपीएल	रक्त उत्पाद लैब
बीआरएल	रक्त अभिकर्मक लैब
आरपीएल	पुनः संयोजक उत्पाद लैब
बीकेएल	जैव रसायनिक किट
टीएएल	चिकित्सीय एंटीबॉडी लैब
एमडीएल	आणविक नैदानिक किट
ईएचएल	एंजाइम और हार्मोन लैब
वीएएल	वैक्सीन और एंटीसेरा लैब
सीकेटीएल	कोविड किट परीक्षण लैब

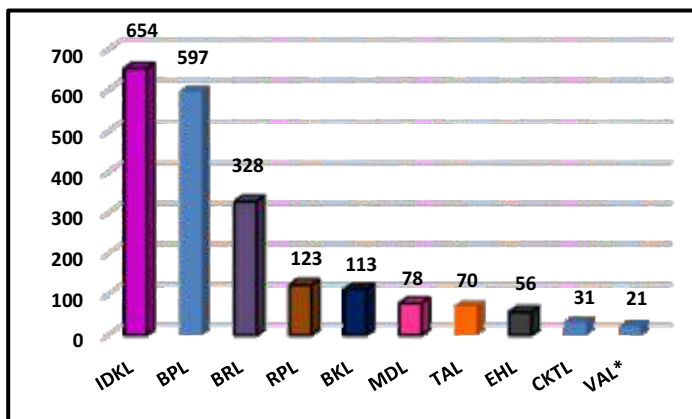
चित्र : 1 – वित्तीय वर्ष 2022-23 में एनआईबी को प्राप्त हुए नमूनों की कुल संख्या और उनका विभिन्न श्रेणियों/प्रयोगशालाओं में वितरण

*वीएएल (सीडीएल, कसौली के साथ समानांतर परीक्षण के लिए प्राप्त 35 नमूनों को छोड़कर)

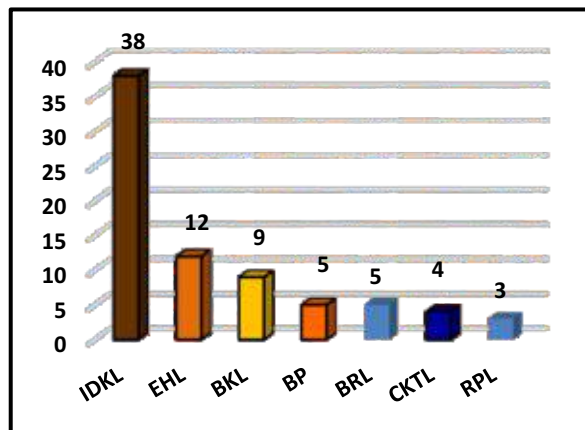
जारी की गई परीक्षण रिपोर्ट

वित्तीय वर्ष 2022-23 में कुल 2101 (सीडीएल, कसौली के साथ समानांतर परीक्षण के लिए प्राप्त 30 नमूनों सहित सीडीएससीओ को रिपोर्ट की गई परीक्षण रिपोर्ट सहित) परीक्षण रिपोर्ट जारी की गई (चित्र 2)। जारी की गई इन कुल रिपोर्टों में से, वर्ष 2022-23 में 76 नमूने अर्थात् 3.61 प्रतिशत

नमूने “गुणवत्तानुरूप नहीं” (एनएसक्यू) पाए गए (चित्र 3) जो पिछले वर्ष 2021-22 (4.30 प्रतिशत) की तुलना में कम है। परीक्षण के बाद “गुणवत्तानुरूप नहीं” नमूनों की रिपोर्ट करना भारत सरकार के लक्ष्य “स्वस्थ भारत” के जन स्वास्थ्य के संरक्षण और उन्नयन में संस्थान की भूमिका को प्रदर्शित करता है।



चित्र : 2 प्रयोगशाला वार जारी की गई रिपोर्ट *वीएल (सीडीएल, कसौली के साथ समानांतर परीक्षण के लिए प्राप्त 30 नमूनों को छोड़कर)



चित्र : 3 प्रयोगशाला वार जारी की गई एनएसक्यू रिपोर्ट की संख्या

#

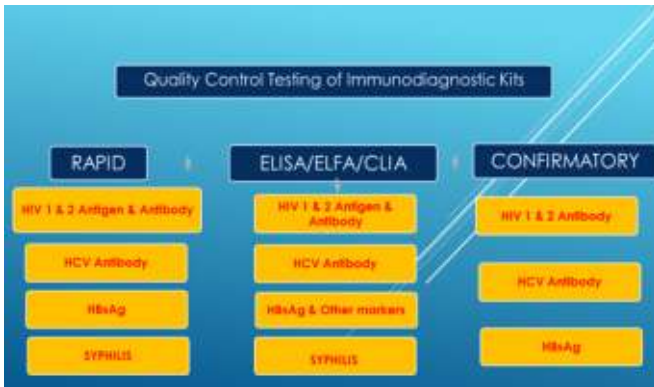
आईडीकेएल	इम्यूनोडायग्नोस्टिक किट लैब
बीपीएल	रक्त उत्पाद लैब
बीआरएल	रक्त अभिकर्मक लैब
आरपीएल	पुनः संयोजक उत्पाद लैब
बीकेएल	जैव रसायनिक किट
टीएएल	चिकित्सीय एंटीबॉडी लैब
एमडीएल	आणविक नैदानिक किट
ईएचएल	एंजाइम और हार्मोन लैब
वीएएल	वैक्सीन और एंटीसेरा लैब
सीकेटीएल	कोविड किट परीक्षण लैब

एनआईबी की प्रयोगशालाएं

जैविकों का गुणवत्ता नियंत्रण मूल्यांकन एनआईबी की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में किया जाता है।

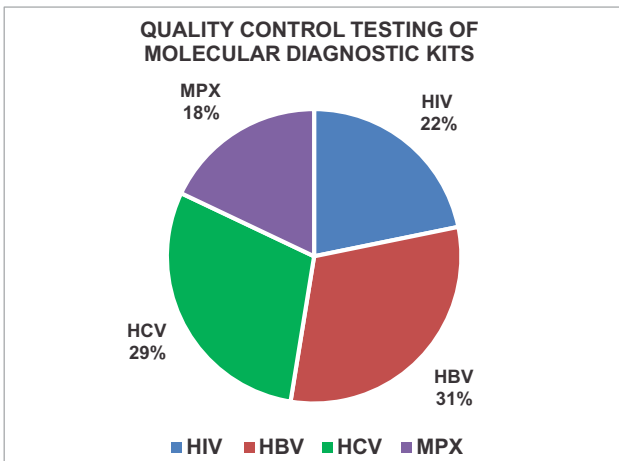
इम्यूनोडायग्नोस्टिक किट प्रयोगशाला (आईडीकेएल)
एचआईवी, एचसीवी, एचबीएसएजी और सिफलिस इन-विट्रो डायग्नोस्टिक एसेज के गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एक डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र और इन-विट्रो डायग्नोस्टिक्स के लिए पूर्व-योग्यता कार्यक्रम हेतु सहायक प्रकोष्ठ है। यह एचआईवी, एचसीवी, एचबीएसएजी और सिफलिस के लिए

स्वदेशी रूप से निर्मित और आयातित किटों जैसे रैपिड, एलिसा, कन्फर्मेटरी, सीएलआईए और ईएलएफए किटों का गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण करती है। प्रयोगशाला को स्वदेशी और आयातित इम्यूनोडायग्नोस्टिक एवं मोलेकुलर किटों के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण के लिए प्लाज्मा पैनेल तैयार करने हेतु एचआईवी, एचबीवी, एचसीवी और सिफलिस के संक्रामक प्लाज्मा बैग की आवश्यकता होती है। इस संबंध में डीसीजी(आई) ने विभिन्न रक्त बैंकों/अस्पतालों को एनआईबी को संक्रामक प्लाज्मा बैग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।



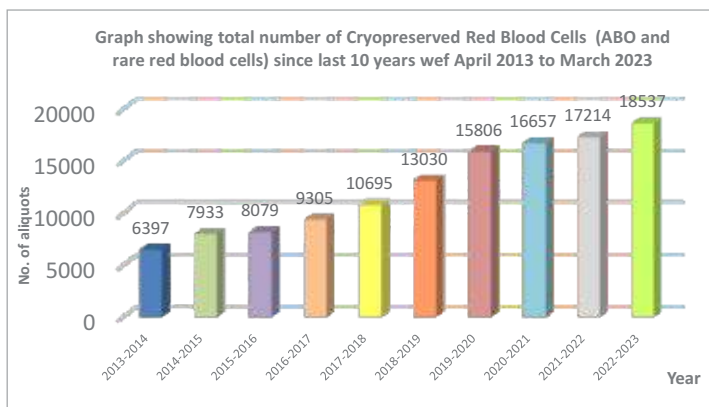
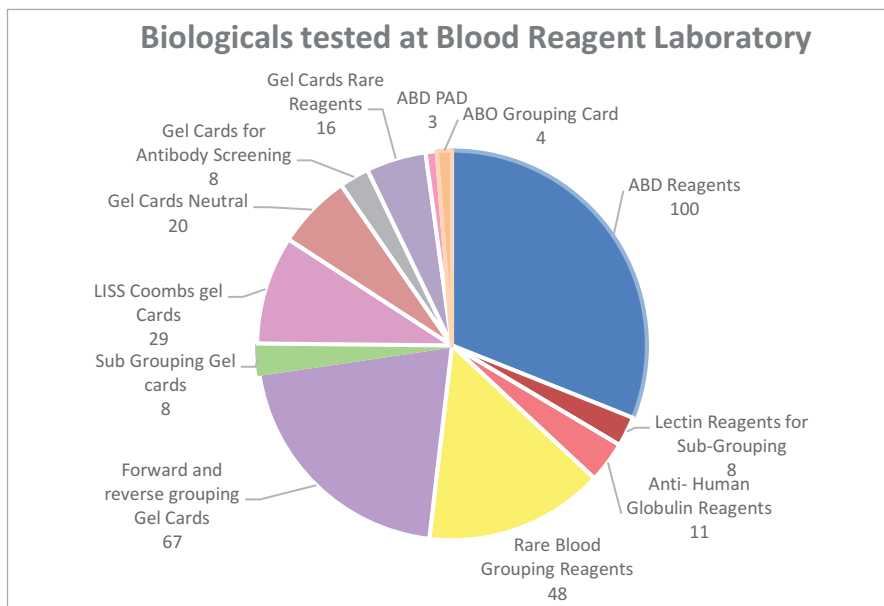
आणविक नैदानिक किट प्रयोगशाला (एमडीएल),
आणविक नैदानिक प्रयोगशाला (एमडीएल) मानव इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी), हेपेटाइटिस-बी वायरस (एचबीवी) और हेपेटाइटिस-सी वायरस (एचसीवी) के

रक्त दाता की स्क्रीनिंग और वायरल लोड मानीटरिंग के लिए उपयोग में लाए जाने वाले स्वदेशी रूप से निर्मित और आयातित आणविक नैदानिक परीक्षण किटों का गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण कर रही है।



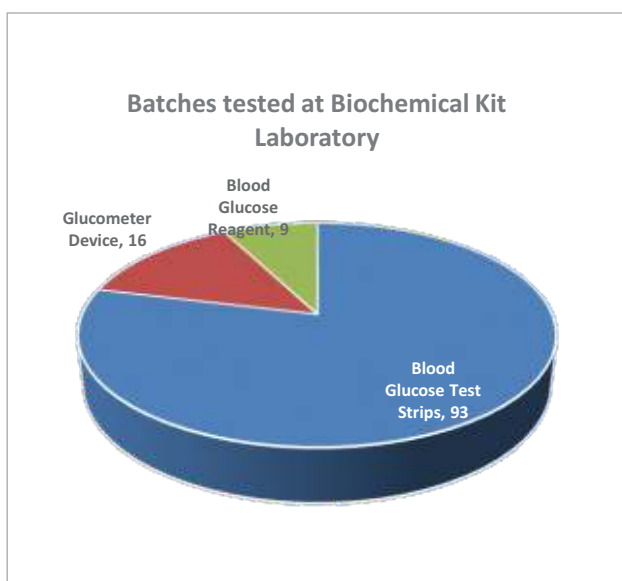
रक्त अभिकर्मक प्रयोगशाला (बीआरएल) रक्त अभिकर्मक प्रयोगशाला (बीआरएल) रक्त समूह अभिकर्मकों का गुणवत्ता नियंत्रण मूल्यांकन करती है। प्रयोगशाला में सुरक्षित रक्त आधान के लिए विभिन्न प्रकार के रक्त समूहन अभिकर्मकों और जैल कार्ड का परीक्षण करने हेतु बुनियादी सुविधाएं तथा विशेषज्ञता उपलब्ध है। डीसीजी (आई) ने विभिन्न ब्लड बैंकों/अस्पतालों को रक्त समूहन अभिकर्मकों, जेल कार्डों और माइक्रोप्लेटों की गुणवत्ता नियंत्रण करने के लिए रक्त बैंकों से गैर-संक्रामक और गैर-थक्के वाले (नॉन-क्लोटिड) बचे हुए

रक्त के नमूने उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। प्रयोगशाला विभिन्न रक्त बैंकों से प्राप्त बचे हुए नमूनों से नियमित और दुर्लभ लाल रक्त कोशिकाओं के लिए क्रायोसंरक्षित पैनेल कोशिकाओं के भंडार का रखरखाव और उसे सुदृढ़ करती है। प्रयोगशाला ने नए जैविकों जैसे कूम्ब्स कंट्रोल सेल तैयार करने के लिए स्टार्टर पैक हेतु जेल कार्ड, डीसी-स्क्रीनिंग II और एबीओ उप समूहीकरण के लिए जेल कार्ड का गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण शुरू कर दिया है।



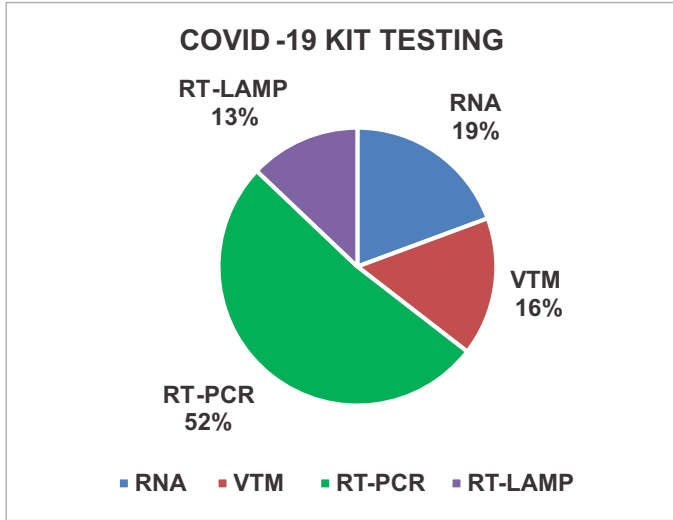
बायोकेमिकल किट प्रयोगशाला (बीकेएल) रक्त ग्लूकोज की स्व-निगरानी (एसएमबीजी/ग्लूकोमीटर) विशिष्ट-रक्त ग्लूकोज परीक्षण स्ट्रिप्स और पूरी तरह से स्वचालित विश्लेषक-आधारित ग्लूकोज अभिकर्मक के बैचों का मूल्यांकन करती है। प्रयोगशाला ने नए उत्पाद अर्थात् ग्लूकोमीटर

डिवाइस का गुणवत्ता नियंत्रण मूल्यांकन करने की शुरुआत की है। स्टॉफ ऐप आधारित स्मार्टफोन के साथ ग्लूकोज अभिकर्मक नमूने, रक्त ग्लूकोज मीटर के बैचों के गुणवत्ता नियंत्रण मूल्यांकन के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का संचालन करने में प्रशिक्षित हैं।



कोविड-19 किट परीक्षण प्रयोगशाला (सीकेटीएल) : एनआईबी देश के उन 24 केंद्रों में से एक है, जिनको आईसीएमआर-डीसीजीआई के दिशा-निर्देशों में आईसीएमआर की वेबसाइट पर 4 जून 2020 को कोविड-19 डायग्नोस्टिक किट के वैधीकरण और बैच परीक्षण के लिए चिह्नित किया गया है। इसके मद्देनजर, एनआईबी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और उसके संरक्षण के लिए सार्स सीओवी-2 डायग्नोस्टिक किट के क्यूसी मूल्यांकन के लिए एक **कोविड-19 किट परीक्षण प्रयोगशाला (सीकेटीएल)** की स्थापना की। प्रयोगशाला को आईसीएमआर

के ऑनलाइन पोर्टल से निर्देशित आरटी-पीसीआर किट, कोविड-19 आरटी-एलएएमपी (लूप-मीडिएटिड इजोथर्मल एम्पलीफिकेशन) किट, वायरल आरएनए एक्सट्रैक्शन किट, वीटीएम (वायरल ट्रांसपोर्ट मीडियम) और स्वेब के क्यूसी मूल्यांकन करने की जिम्मेदारी दी गई है। इन किटों की परफार्मेंस का निर्धारण आईसीएमआर द्वारा परिभाषित संवेदनशीलता और विशिष्टता के आधार पर संतोषजनक अथवा असंतोषजनक के रूप में किया जाता है। प्रयोगशाला को दिनांक 06.08.2020 को किट का बैच प्रमाणीकरण प्रमाण पत्र जारी करके संचालित किया गया था।



टीका और एंटीसेरा प्रयोगशाला (वीएल) की स्थापना यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि देश में उत्पादित, वितरित और आयातित टीके मूल्यांकन संबंधी अधिदेश के अनुसार सुरक्षित, प्रभावकारी और असरदार हैं और इनके संदर्भित जैविकों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। प्रयोगशाला नियमित रूप से भारतीय फार्माकोपिया में नए मोनोग्राफ के विकास और मौजूदा मोनोग्राफ के संशोधन के लिए भी योगदान देती है।

प्रस्तुत किए हैं। इस संबंध में तीन अन्य टीकों का उत्पाद अर्थात् हेपेटाइटिस-बी टीका, रोटावायरस टीका और जापानी एन्सेफलाइटिस टीके के उत्पादन का अध्ययन कार्य चल रहा है। डीसीजीआई के दिनांक 17.11.2022 के पत्र संख्या: एक्स-11026/15/2022-बीडी के संदर्भ में, लैब को समानांतर परीक्षण करने के लिए विभिन्न निर्माताओं से सीडीएल अधिसूचित उत्पादों जैसे बीसीजी वैक्सीन, रेबीज वैक्सीन और ओपीवी वैक्सीन के 03-03 बैच प्राप्त हुए हैं। प्रयोगशाला ने प्राप्त उत्पादों के लिए समानांतर परीक्षण पूरा कर लिया है।

10 और 11 मई, 2022 को वैक्सीन और एंटीसेरा लैब का दो दिवसीय संयुक्त निरीक्षण किया गया। सीडीएल ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर, लैब को प्रत्येक उत्पाद के तीन बैच मिले हैं—एमआर वैक्सीन, एचआईबी-टीटी वैक्सीन, कोवैक्सीन, कोविशील्ड, जायकोव-डी, हेपेटाइटिस-बी वैक्सीन, रोटावायरस वैक्सीन और जेई वैक्सीन। लैब ने इन बैचों के प्रमाणीकरण और समानांतर परीक्षण डेटा डीसीजीआई को

मैसर्स पॉपुलर फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, बांग्लादेश के तीन सदस्यीय दल ने रोटावायरस वैक्सीन और उनके द्वारा निर्मित अन्य वैक्सीन के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण के संबंध में चर्चा और तकनीकी सहायता के लिए दिनांक 01.12.22 को वैक्सीन एवं एंटीसेरा प्रयोगशाला, एनआईबी का दौरा किया।

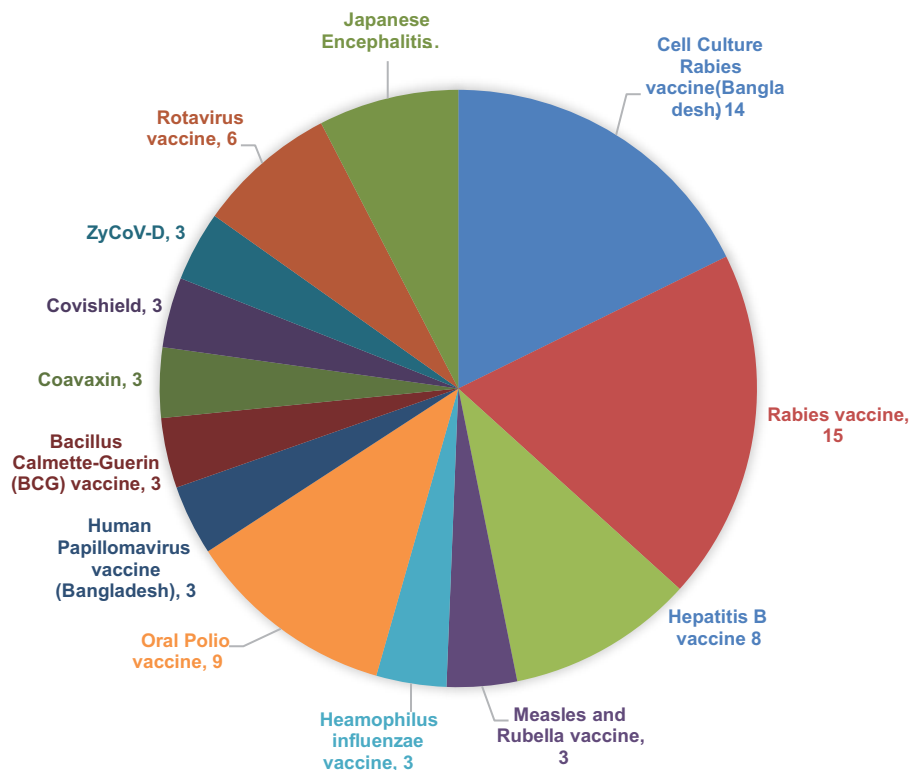


मैसर्स पॉपुलर फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, बांग्लादेश के प्रतिनिधियों का दौरा



सीडीएल अधिसूचना के लिए संयुक्त निरीक्षण

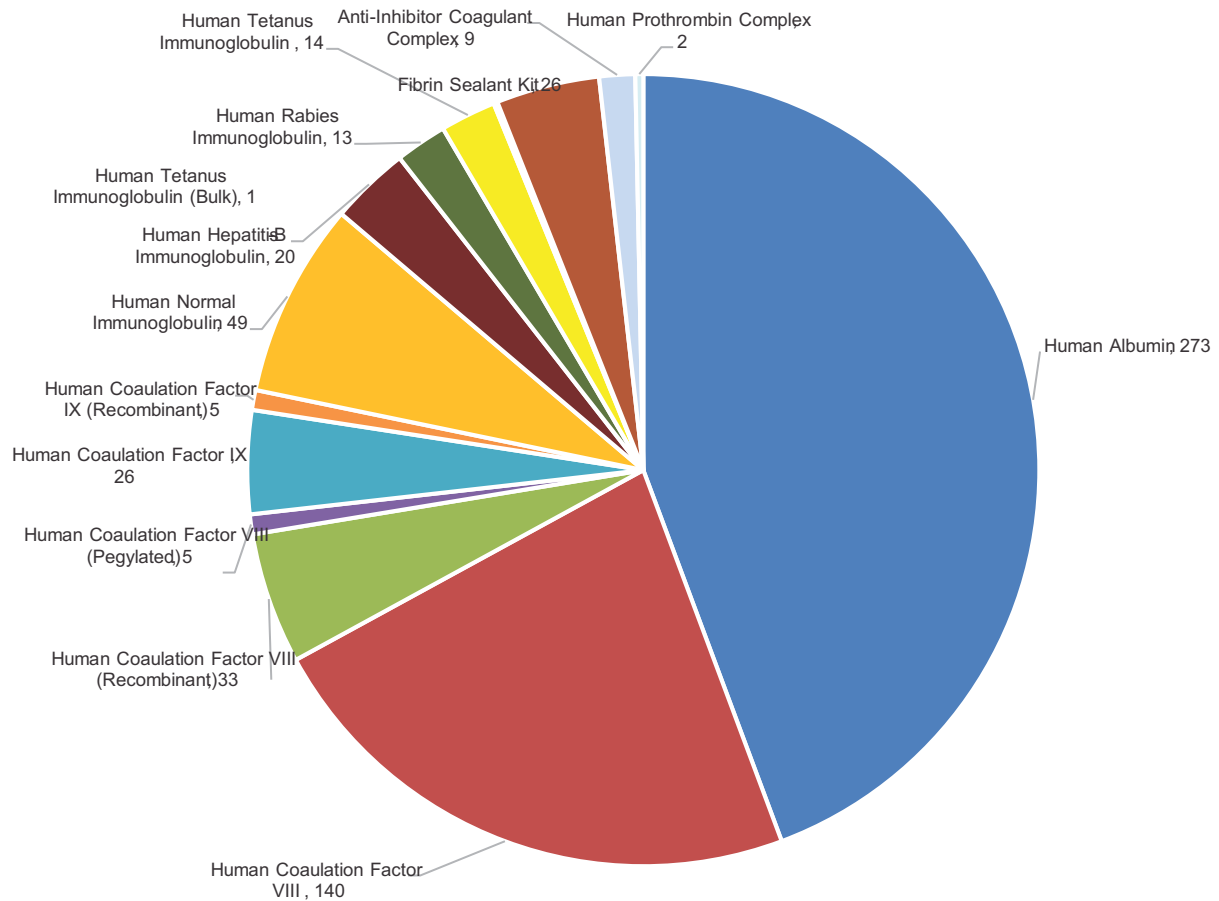
BIOLOGICALS TESTED AT VACCINE AND ANTISERA LAB IN 2022-2023



रक्त उत्पाद प्रयोगशाला (बीपीएल) : रक्त उत्पाद प्रयोगशाला भारत सरकार द्वारा अधिसूचित एक केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला (सीडीएल) है जो रक्त उत्पादों की गुणवत्ता का मूल्यांकन करती है। चूंकि ये जैविक चिकित्सीय उत्पाद स्वाभाविक रूप से मिश्रित और परिवर्तनशील होते हैं, इसलिए इनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ-साथ इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क निगरानी की आवश्यकता होती है। वर्तमान में, रक्त उत्पाद प्रयोगशाला भारतीय फार्माकोपिया या प्रासंगिक फार्माकोपिया या अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों में निर्धारित वैधानिक मानकों के अनुसार पच्चीस विभिन्न प्लाज्मा व्युत्पन्न जैविक उत्पादों का परीक्षण करती है।



Biologicals Tested at Blood Products Lab



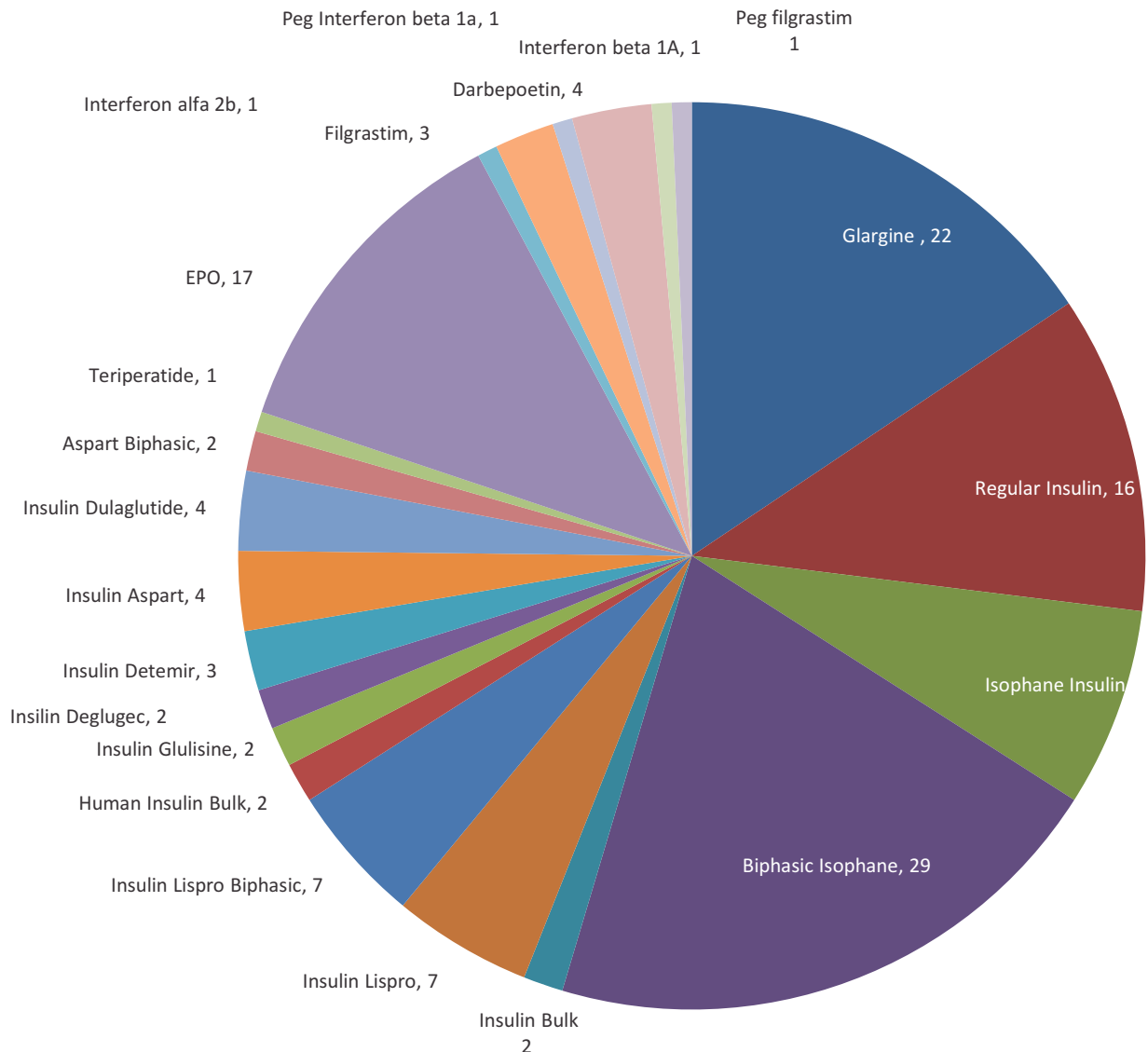
पुनः संयोजक उत्पाद प्रयोगशाला (आरपीएल) इंसुलिन, इंसुलिन एनालॉग्स, ग्रोथ फैक्टर्स, साइटोकिन्स और पेप्टाइड्स वर्ग के तहत पुनः संयोजक जैव-चिकित्सीय उत्पादों के विनियामक कार्यों में योगदान देती है जो मधुमेह (टाइप 1 और टाइप 2), वायरल हेपेटाइटिस, क्रोनिक किडनी रोग, कैंसर, ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार हेतु चिकित्सीय लक्षणों के लिए नियत होती है।

आरपीएल को क्यूसी मूल्यांकन के उद्देश्य से एक नया गैर फार्माकोपियल उत्पाद जैविक डारबेपोइटिन अल्फा प्राप्त हुआ है, जो तीन अलग-अलग स्वदेशी निर्माताओं (प्रत्येक से 01 बैच) से प्राप्त हुआ है। तदनुसार, प्रयोगशाला ने पद्धति सत्यापन किया है और विभिन्न क्यूसी मापदंडों के लिए परीक्षण पद्धतियों की स्थापना की है।

पुनः संयोजक प्रयोगशाला द्वारा इंसुलिन और इंसुलिन लिस्प्रो के आईपीआरएस का विकास



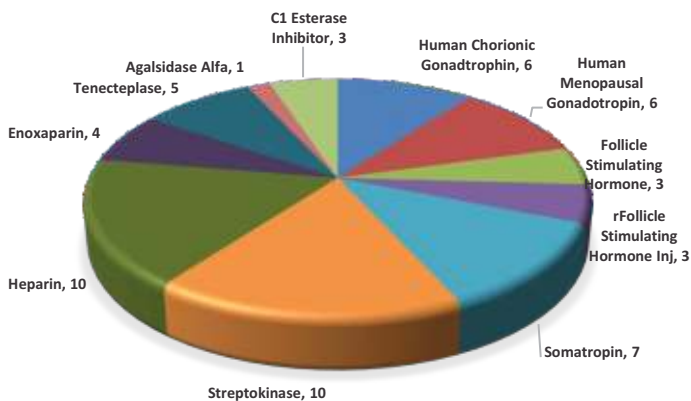
आरपीएल में गुणवत्ता नियंत्रण के लिए प्राप्त पुनः संयोजक जैविक



एंजाइम और हार्मोन प्रयोगशाला (ईएचएल) विभिन्न चिकित्सीय एंजाइमों और हार्मोनों जैसे स्ट्रेप्टोकाईनेज,

यूरोकाइनेज, फर्टिलिटी हार्मोन, दुर्लभ रोग चिकित्सीय आदि का गुणवत्ता नियंत्रण (क्यूसी) परीक्षण करती है।

एंजाइम और हार्मोन प्रयोगशाला में जैविकों का परीक्षण

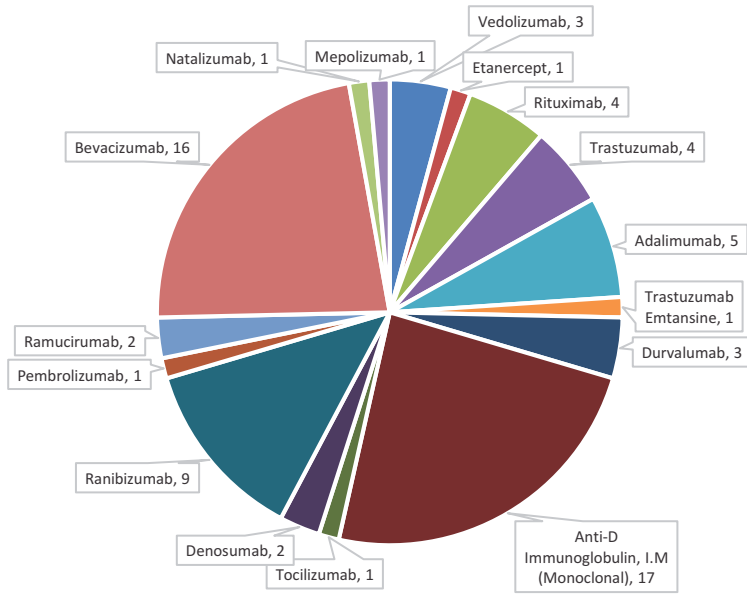


आईपी 2022 के अनुसार फॉलिकल उत्तेजक हार्मोन (आरएफएसएच) इंजेक्शन के परीक्षण पर सीडीएससीओ, आईपीसी और उद्योग जगत के साथ 03 नवंबर, 2022 को बैठक का आयोजन।

चिकित्सीय एंटीबॉडी प्रयोगशाला (टीएएल) चिकित्सीय मोनोक्लोनल एंटीबॉडी जैसे रितुक्सीमैब, ट्रास्टुजुमैब, अडालिमुमैब और बेवासिजुमैब, एंटी-डी इम्युनोग्लोबुलिन (मोनोक्लोनल) आदि का गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण करती है। प्रयोगशाला ने नए जैविकों जैसे सेतुक्सिमाब, टोसिलिजुमैब,

दुर्वलुमैब, डेनोसुमैब, ट्रास्टुजुमाब एम्टान्सिन, वेडोलिजुमाब, मेपोलिजुमाब, इन्फ्लिक्सिमैब, पेम्ब्रोलिजुमाब, नतालिजुमाब, ओमालिजुमाब, ओबिनुटुजुमाब, रानीबिजुमाब, रामुसिरुमैब, पर्टुजुमैब और एटारसेप्ट का गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण भी शुरू किया है।

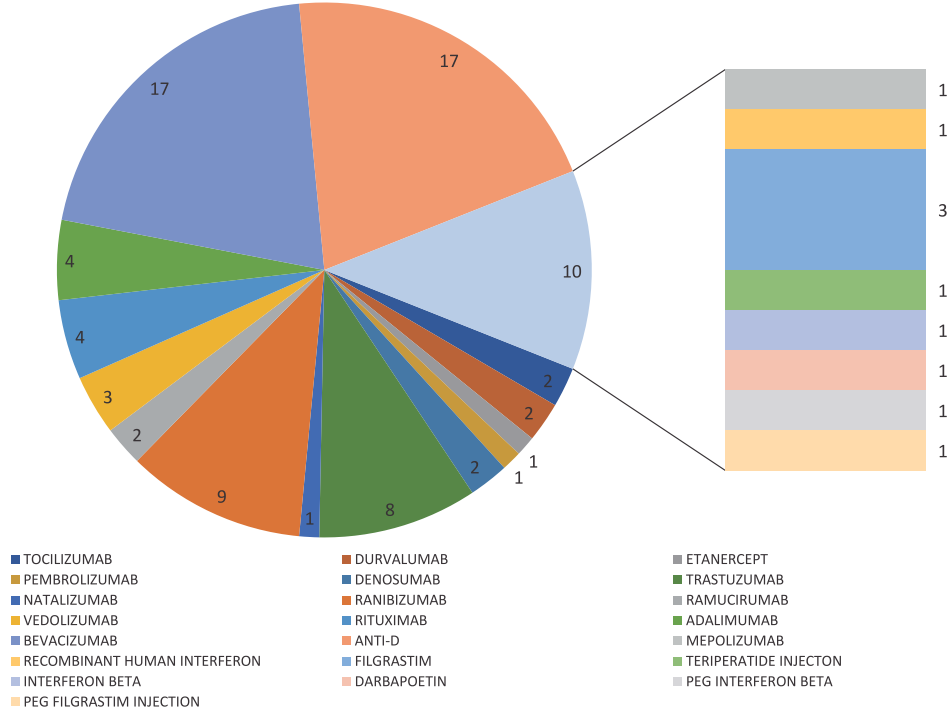
चिकित्सीय एंटीबॉडी प्रयोगशाला में जैविकों का परीक्षण



केंद्रीय सुविधाएं

केंद्रीय बायोएसै सुविधा को विभिन्न पुनः संयोजक उत्पादों जैसे पेग-एरिथ्रोपोइटिन, फिल्ग्रास्टिम, इंटरफेरॉन, पैराथाइरॉइड हार्मोन, चिकित्सीय एंटीबॉडी, एंटी-डी इम्युनोग्लोबुलिन आदि और एनआईबी को विभिन्न उत्पाद

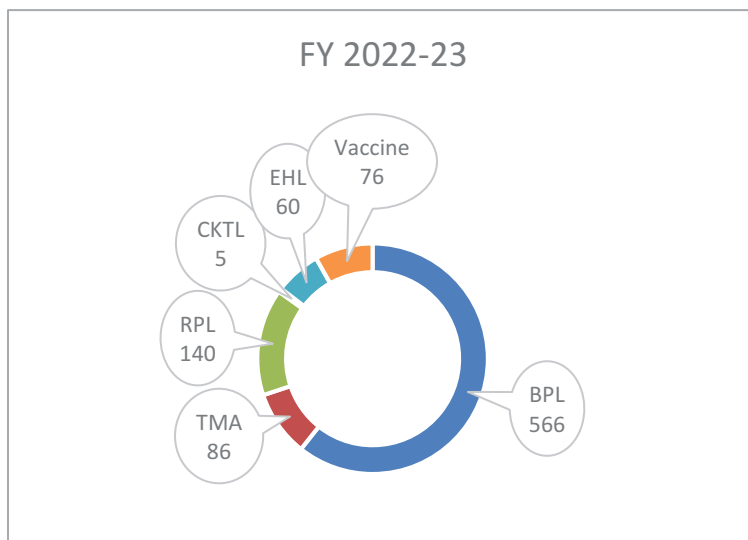
परीक्षण प्रयोगशालाओं द्वारा संदर्भित अन्य चिकित्सीय प्रोटीन के गुणवत्ता नियंत्रण मूल्यांकन के तौर पर सैल आधारित बायोएसै की पूर्ति के लिए चार बायोसेपटी मॉड्यूल के साथ स्थापित किया गया था ।



रोगाणुरहिणता परीक्षण प्रयोगशाला (एसटीएल) एक केंद्रीय सुविधा है जो आवश्यक उपकरणों जैसे स्वच्छ कक्ष में लेमिनर वायु प्रवाह कैबिनेट, प्रत्येक परीक्षण साधन, आटोकलेव आदि के लिए फार्माकोपियन पद्धति द्वारा निर्धारित तापमानों में विभिन्न जैविक उत्पादों का समर्पित वॉक-इन इन्क्यूबेटरों से सुसज्जित है, जिससे इसे संदर्भित जैविक उत्पादों का रोगाणुरहिणता परीक्षण तकनीकियों का फार्माकोपियन पद्धति

के अनुसार रोगाणुरहिणता परीक्षण इन दोनों में से किसी एक अर्थात् प्रत्यक्ष संचारण अथवा मेम्ब्रेन पद्धति (संवृत रोगाणुरहिणता परीक्षण पद्धति) से किया जा सके । इसमें स्वच्छ कमरे के पर्यावरण आइसोलेट्स के अलगाव और जैव रासायनिक लक्षण वर्णन और बैक्टीरिया और कवक उपभेदों के संदर्भ, उपभेदों के प्रबंधन और रखरखाव के लिए पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रयोगशाला भी है ।

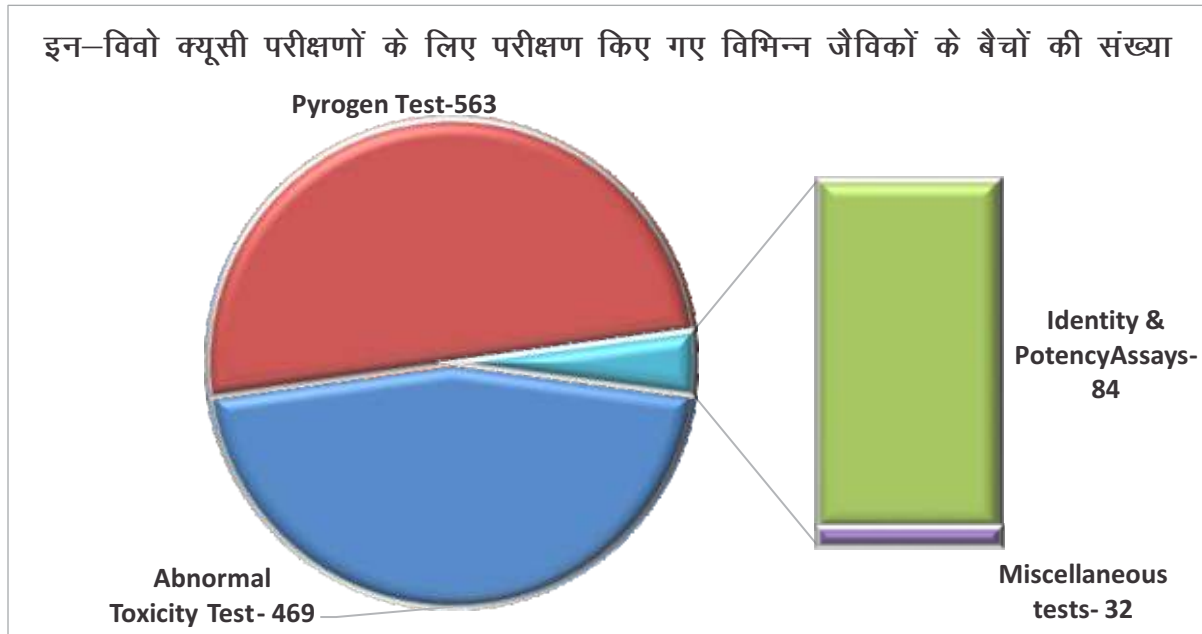
जैविक नमूनों की कुल संख्या जिनका रोगाणुरहिणता प्रयोगशाला में परीक्षण/मूल्यांकन किया गया:



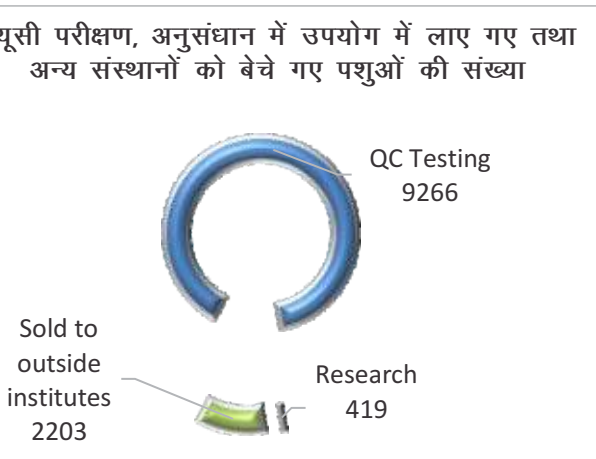
इन-विवो बायोएसे प्रयोगशाला एवं पशु सुविधा (आईवीबीएल एवं एएफ) संस्थान की सभी प्रयोगशालाओं के लिए एक केंद्रीय सहायता इकाई है। यह सुविधा संस्थान में प्राप्त होने वाले जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण मूल्यांकन के लिए भारतीय या अन्य फार्माकोपिया के अनुसार इन-विवो परीक्षण (अर्थात् असामान्य विषाक्तता परीक्षण, पायरोजेन परीक्षण, पोटेंसी और पहचान परख और अन्य विविध परीक्षण) करती है। जैविकों की सुरक्षा, पहचान और शक्ति सिद्ध करने के लिए इन-विवो गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण किया जाता है। यह सुविधा आवश्यक प्रयोगशाला जानवरों जैसे चूहे (स्विस् चूहे, बाल्ब/सी)य चूहे (स्प्रेग डावले रैट्स, विस्टार रैट्स); एक नियोजित प्रजनन कार्यक्रम को बनाए रखते हुए विभिन्न इन-विवो परीक्षणों के लिए गिनी सूअर (डंकन हार्टले) और खरगोश (न्यूजीलैंड व्हाइट) की समय पर उपलब्धता भी

सुनिश्चित करती है। सुविधा के कर्मचारी उच्च गुणवत्ता का पशुपालन और देखभाल सुनिश्चित करते हैं जो कमेटी फॉर दि परपज ऑफ कंट्रोल एंड सुपरविजन ऑफ एक्सपेरिमेंट्स ऑन एनीमल्स (सीसीएसईए) द्वारा बनाए गए पशु कल्याण नियमों एवं दिशानिर्देशों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। यह सुविधा दिल्ली-एनसीआर और पड़ोसी राज्यों में शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों को अच्छी गुणवत्ता वाले प्रयोगशाला पशु भी प्रदान करती है और संस्थान के लिए अतिरिक्त राजस्व सृजित करती है। छोटे प्रयोगशाला जानवरों का उपयोग विभिन्न जैविकों का क्यूसी परीक्षण करने के अलावा अनुसंधान के प्रयोजनों हेतु भी किया जाता है। क्यूसी परीक्षण तथा अनुसंधान में जानवरों के उपयोग की आवश्यकता वाले सभी परीक्षण प्रोटोकॉल को संस्थागत पशु आचार समिति (आईएईसी) द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

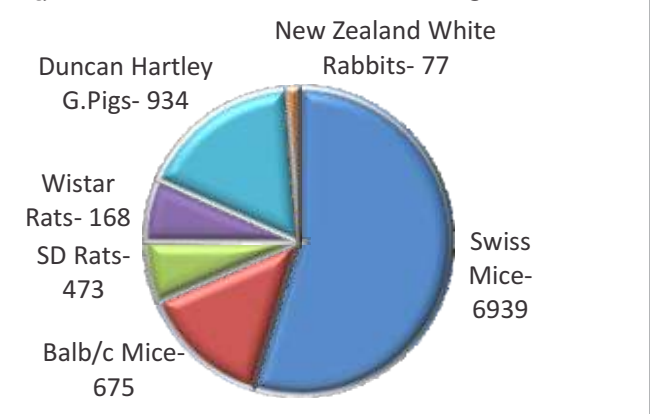
इन-विवो क्यूसी परीक्षणों के लिए परीक्षण किए गए विभिन्न जैविकों के बैचों की संख्या



क्यूसी परीक्षण, अनुसंधान में उपयोग में लाए गए तथा अन्य संस्थानों को बेचे गए पशुओं की संख्या



क्यूसी परीक्षण के लिए प्रयोग में लाए गए पशुओं का विवरण



3आर के कार्यान्वयन के लिए एनआईबी की प्रतिबद्धता: 3आर के प्रति प्रतिबद्धता के लिए, आईवीबीएल एवं एएफ और प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिकों ने एक ही समय में एक ही संदर्भ या नियंत्रण समूह के साथ एक ही उत्पाद के एक से अधिक बैच का परीक्षण करके गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण में प्रयुक्त किए

जाने वाले पशुओं की संख्या कम करने के लिए निकटतम समन्वय के साथ काम किया। इससे हम वर्ष 2022-23 के दौरान 1878 प्रयोगशाला पशुओं को बचाने में सक्षम हो पाए जिसका विवरण नीचे दिया गया है :

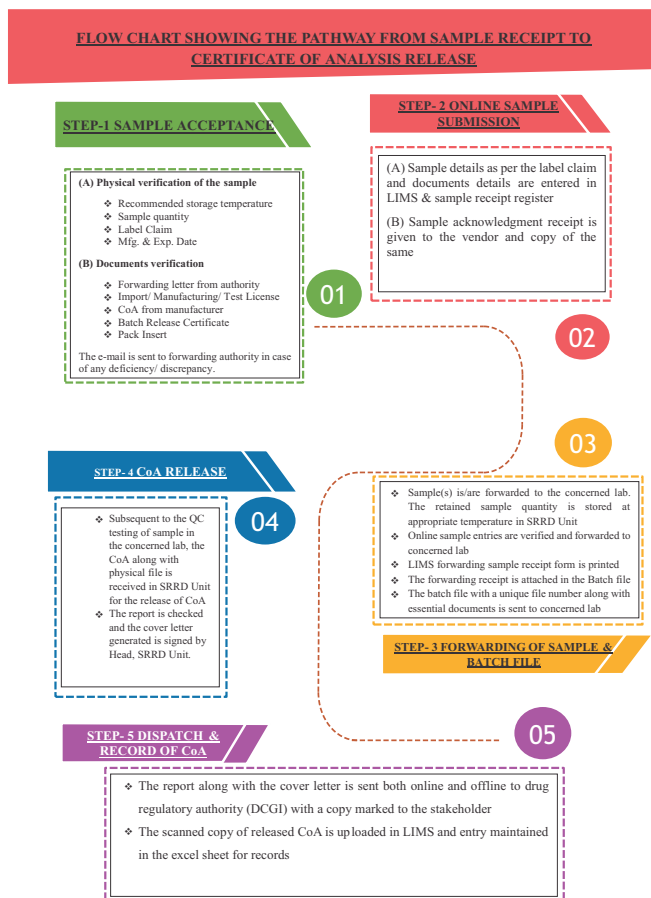
क्र.सं.	क्यूसी परीक्षण का विवरण	बचाए गए पशुओं की संख्या
1.	एचएमजी-एफएसएच के लिए पोटेंसी एसै	18 चूहे
2.	एचएमजी-एलएच के लिए पोटेंसी एसै	18 चूहे
3.	आर-एफएसएच और यूरोफोलिट्रोपिन के लिए पोटेंसी एसै	15 चूहे
4.	रिग के लिए एनआईएच पोटेंसी एसै	400 चूहे
5.	पुनः संयोजक एरिथ्रोपोइटिन(आर ईपीओ) के लिए पोटेंसी एसै	175 चूहे
6.	सेल कल्चर रेबीज वैक्सीन (सीसीआरवी) के लिए पोटेंसी एसै	1232 चूहे
7.	जपानी एन्सेफलाइटिस (जेई) के लिए पोटेंसी एसै	20 चूहे

नमूना प्राप्ति और रिपोर्ट प्रेषण इकाई (एसआरआरडीयू):

यह संस्थान में प्राप्त होने वाले सभी नमूनों का प्रविष्टि बिंदु और साथ ही एक निकास बिंदु है जहां से सभी रिपोर्ट भेजी जाती हैं। विभिन्न जैव चिकित्सीय, नैदानिक एवं टीकों के नमूने राष्ट्रीय औषधि नियामक प्राधिकरण (सीडीएससीओ) और अनेक राज्य सरकारों की चिकित्सा प्रापण एजेंसियों से प्राप्त होते हैं। बांग्लादेश से अंतरराष्ट्रीय नमूने भी टीका प्रयोगशाला में गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए प्राप्त हुए हैं। परीक्षण हेतु प्राप्त सभी नमूनों की अपेक्षित मात्रा को 3 महीने की अवधि के बाद तक अनुशंसित तापमान में सुरक्षित रखा जाता है। रखे गए नमूनों को उनकी अनुशंसित भंडारण आवश्यकता के अनुसार फ्रोजन/रेफ्रिजरेटेड/कमरे के तापमान पर स्टोर किया जाता है। नमूनों के भंडारण के लिए यहां दो समर्पित वॉक-इन कोल्ड रूम हैं, जिनमें से प्रत्येक 2-8 डिग्री सेल्सियस और

-20 डिग्री सेल्सियस तापमान के हैं और संबंधित विवरण को रिकार्ड किया जाता है। सुरक्षा की दृष्टि से पूरी यूनिट सीसीटीवी की निगरानी में रहती है और प्राप्त किए गए नमूनों और दस्तावेजों को ताला लगाकर रखा जाता है।

नमूने प्राप्ति से संबंधित सभी सूचनाओं को दर्ज करने और विश्लेषण प्रमाणपत्र (सीओए) तैयार करने के लिए एक इन-हाउस निर्मित सॉफ्टवेयर सिस्टम का प्रयोग किया जाता है। प्राप्त किए गए नमूनों को पंजीकृत और सत्यापित किया जाता है। इस पोर्टल के माध्यम से फाइल/अग्रेषण संख्या सृजित की जाती है और संबंधित प्रयोगशालाओं को नमूने भेज दिए जाते हैं। परीक्षण रिपोर्ट जारी करने के लिए सीओए एसआरआरडीयू में ऑनलाइन या ऑफलाइन प्राप्त किए जाते हैं और उसे नमूना प्रेषक (एडीसी (आई)/हितधारक) और डीसीजी (आई) को ईमेल पर भेज दिया जाता है।



सरकारी राजपत्र अधिसूचना(एं)

केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला :

संस्थान को राजपत्र अधिसूचना संख्या जी.एस.आर. 249 (ई), जी.एस.आर. 908 (ई) और जी.एस.आर. 250 (ई) – भाग– II – खंड 3 – उप-खंड (i) दिनांक 4 अप्रैल, 2002, 22 दिसंबर, 2014 और 15 मार्च, 2017 के माध्यम से i) ओरल पोलियो वैक्सीन, ii) ब्लड ग्रुपिंग रीएजेंट्स, iii) मानव इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस के लिए डायग्नोस्टिक किट, हेपेटाइटिस बी सरफेस एंटीजन और हेपेटाइटिस सी वायरस, iv) रक्त उत्पाद–(क) मानव एल्बुमिन; (ख) मानव सामान्य इम्यूनोग्लोबुलिन (इंट्रामस्क्युलर और इंटरावीनस); (ग) मानव कोएगुलेशन फैक्टर VIII; (घ) मानव कोएगुलेशन फैक्टर IX; (ड.) प्लाज्मा प्रोटीन फ्रैक्शन; (च) फाइब्रिन सीलेंट किट; (छ) एंटी इन्हिबिटर कोएगुलेशन कांप्लेक्स; v) पुनः संयोजन उत्पाद जैसे– (क) पुनः संयोजक इंसुलिन और इंसुलिन एनालॉग; (ख) आर–एरिथ्रोपोइटिन (ईपीओ); (ग) आर–ग्रेनुलोसाइट कॉलोनी उत्तेजक कारक (जी–सीएसएफ); vi) बायोकेमिकल किट– (क) ग्लूकोज टेस्ट स्ट्रिप्स; (ख) पूर्णतः स्वचालित एनालाइजर–आधारित ग्लूकोज अभिकर्मक; vii) एंजाइम और हार्मोन जैसे– (क) स्ट्रेप्टोकिनेज (प्राकृतिक और पुनः संयोजक); (ख) मानव कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन (एचसीजी); (ग) मानव मेनपाउजल गोनाडोट्रोपिन (एचएमजी); viii) बैक्टीरियल वैक्सीन जैसे (क) बैसिलस कैलमेट–गुएरिन (बीसीजी) वैक्सीन; ix) वायरल टीके जैसे (क) लाइव एटनुएटेड खसरा टीका; (ख) लाइव एटनुएटेड रुबेला टीका; (ग) सेल कल्चर रेबीज टीके के लिए केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला अधिसूचित किया गया है ।

क. केंद्र सरकार ने भारत के राजपत्र की अधिसूचना संख्या: एस.ओ. 4206(ई) दिनांक 24 नवंबर, 2020 के जरिए राष्ट्रीय जैविक संस्थान, नोएडा को इसके वर्तमान कार्यों के अलावा कोविड–19 वैक्सीन के लिए एक अतिरिक्त सुविधा के रूप में केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला के कार्य को संपन्न करने हेतु अधिसूचित किया है ।

केंद्रीय चिकित्सा उपकरण परीक्षण प्रयोगशाला : संस्थान को चिकित्सा उपकरण नियम, 2017 के नियम 19 के उप-नियम (2) के तहत राजपत्र अधिसूचना संख्या:एस.ओ. 2237 ई दिनांक 1 जून 2018 के तहत निम्नलिखित उद्देश्यों हेतु केंद्रीय चिकित्सा उपकरण परीक्षण प्रयोगशाला के रूप में चिकित्सा उपकरणों के परीक्षण और मूल्यांकन करने के लिए अधिसूचित किया गया है –

(क) परीक्षण और मूल्यांकन;

(ख) एक अपीलीय प्रयोगशाला के रूप में कार्य करना; और

(ग) मानव इम्यूनोडेफिशियेंसी वायरस, हेपेटाइटिस बी सरफेस एंटीजन और हेपेटाइटिस सी वायरस, ब्लड ग्रुपिंग सेरा, ग्लूकोज टेस्ट स्ट्रिप्स, पूर्णतः स्वचालित एनालाइजर आधारित

ग्लूकोज रीएजेंट्स के लिए इन-विट्रो डायग्नोस्टिक्स के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा विशेष रूप से सौंपे गए किसी अन्य कार्य को संपन्न करना ।

सरकारी विश्लेषक :

एनआईबी के वैज्ञानिकों को आगे उल्लेख किए गए प्रयोजनों हेतु सरकारी विश्लेषकों के रूप में अधिसूचित किया गया है – राजपत्र अधिसूचना संख्या: एस.ओ. 2213 (ई) दिनांक 26 सितंबर 2011 के तहत एचआईवी, एचसीवी, एचबीएसएजी के लिए डायग्नोस्टिक किट; रक्त समूहन अभिकर्मक हेतु; एस.ओ. 2393 (ई) दिनांक 2 सितंबर 2015 के तहत रक्त समूहन अभिकर्मकों के लिए रक्त उत्पाद– (i) मानव एल्बुमिन (ii) मानव सामान्य इम्यूनोग्लोबुलिन (इंट्रामस्क्युलर और इंटरावीनस) (iii) मानव कोएगुलेशन फैक्टर VIII (iv) मानव कोएगुलेशन फैक्टर IX (v) प्लाज्मा प्रोटीन फ्रैक्शन (vi) फाइब्रिन सीलेंट किट (vii) एंटी इन्हिबिटर कोएगुलेशन कांप्लेक्स; पुनः संयोजक उत्पाद जैसे– (i) पुनः संयोजन इंसुलिन और इंसुलिन एनालॉग; (ii) आर–एरिथ्रोपोइटिन (ईपीओ); (iii) आर–ग्रेनुलोसाइट कॉलोनी उत्तेजक कारक (जी–सीएसएफ) और जैव रासायनिक किट– (i) ग्लूकोज टेस्ट स्ट्रिप्स; और (ii) पूर्णतः स्वचालित एनालाइजर आधारित ग्लूकोज अभिकर्मक; एस.ओ.4271(ई) दिनांक 26 नवंबर, 2019 के तहत रक्त उत्पादों के लिए – (i) मानव एल्बुमिन (ii) मानव सामान्य इम्यूनोग्लोबुलिन (इंट्रामस्क्युलर और इंटरावीनस) (iii) मानव कोएगुलेशन फैक्टर VIII (iv) मानव कोएगुलेशन फैक्टर IX (v) प्लाज्मा प्रोटीन फ्रैक्शन (vi) फाइब्रिन सीलेंट किट (vii) एंटी-इन्हिबिटर कोएगुलेशन कॉम्प्लेक्स; पुनः संयोजन उत्पाद जैसे– (i) पुनः संयोजन इंसुलिन और इंसुलिन एनालॉग (ii) आर–एरिथ्रोपोइटिन (ईपीओ) (iii) आर–ग्रेनुलोसाइट कॉलोनी उत्तेजक कारक (जी–सीएसएफ); (i) रिटक्सिमैब (ii) ट्रैस्टुजुमैब (iii) एडिलिमुमैब (iv) बेवाकिजुमैब; बैक्टीरियल वैक्सीन जैसे– (i) बैसिलस कैलमेट–गुएरिन (बीसीजी) वैक्सीन, वायरल टीके जैसे– (ii) लाइव एटनुएटेड खसरा वैक्सीन (iii) लाइव एटनुएटेड रुबेला वैक्सीन (iv) सेल कल्चर रेबीज वैक्सीन (v) ओरल पोलियो वैक्सीन; रक्त समूहन अभिकर्मक; बायोकेमिकल किट– (i) ग्लूकोज टेस्ट स्ट्रिप्स; और (ii) पूर्णतः स्वचालित एनालाइजर आधारित ग्लूकोज अभिकर्मक; (i) ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (ii) हेपेटाइटिस बी सरफेस एंटीजन (iii) हेपेटाइटिस सी वायरस के लिए डायग्नोस्टिक किट ।

एनआईबी के निम्नलिखित वैज्ञानिकों को सरकारी विश्लेषक अधिसूचित किया गया है:

1. डॉ. चारु एम. कमल
2. सुश्री अजंता सरकार
3. डॉ राजेश कुमार शर्मा

4. डॉ मीना कुमारी
5. श्री हरित कसाना
6. सुश्री कंचन आहूजा
7. सुश्री गुरमिंदर बिंद्रा
8. सुश्री मधु इरामिलि
9. श्री सुभाष चंद,
10. श्री जयपाल मीणा

चिकित्सा उपकरण परीक्षण अधिकारी : एनआईबी वैज्ञानिकों को मानव इम्यूनोडेफिशियेंसी वायरस (एचआईवी),

हेपेटाइटिस बी सरफेस एंटीजन (एचबीएसएजी), हेपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी), ब्लड ग्रुपिंग रिएजेंट्स, ग्लूकोज टेस्ट स्ट्रिप्स और पूर्णतः स्वचालित एनालाइजर – आधारित ग्लूकोज रिएजेंट्स के लिए राजपत्र अधिसूचना एस.ओ. 3400 (ई) दिनांक 11 जुलाई 2018 द्वारा चिकित्सा उपकरण परीक्षण अधिकारी अधिसूचित किया गया है।

एनआईबी के निम्नलिखित वैज्ञानिकों को चिकित्सा उपकरण परीक्षण अधिकारी अधिसूचित किया गया है:

1. सुश्री अजंता सरकार
2. सुश्री कंचन आहूजा
3. डॉ राजेश कुमार शर्मा

गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली

एनआईबी की गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को इसके प्रचालन और लोकाचार के ताने-बाने में बनाया गया है, जो यह सुनिश्चित करती है कि यह जैविक उत्पादों के परीक्षण में अपनी स्तरीय सेवाएं प्रदान करे। एनआईबी को जैविक परीक्षण और रासायनिक परीक्षण के विषयों में पहली बार वर्ष 2011 में परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं की क्षमता की सामान्य आवश्यकताएं प्रदर्शित करने के लिए कि वे सक्षम रूप से काम करती हैं और वैध परिणाम उत्पन्न करती हैं, जिससे कि उनके काम में विश्वास बढे – के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक आईएसओ/आईईसी 17025 के अनुसार मान्यता दी गई थी। एनआईबी की गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का एकीकरण की आवश्यकता के अनुरूप समय-समय पर अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बाहरी तौर पर मूल्यांकन कराया जाता है, जो हितधारकों में इसकी विश्वसनीयता के बारे में भरोसा पैदा करता है। अतः, एनआईबी के हितधारक आश्वस्त हो सकते हैं कि एनआईबी न केवल अपनी सेवाओं की गुणवत्ता को निरंतर बनाए रखेगा बल्कि अपनी गतिविधियों के लिए गुणवत्ता मानकों में लगातार सुधार भी करता रहेगा। एनएबीएल द्वारा दिए गए निदेश के अनुसार नए उत्पादों को जोड़ने और पहले के उत्पादों के पृथक्करण के कारण जैविक परीक्षण और रासायनिक परीक्षण के क्षेत्र में परीक्षण का दायरा 390 से बढ़कर 1102 हो गया है। गुणवत्ता प्रबंधन इकाई (क्यूएमयू) एनआईबी की गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों के विकास और रखरखाव का समन्वय कार्य करती है, जिसका उद्देश्य जैविक उत्पादों के परीक्षण के क्षेत्र में एनआईबी की सेवाओं में लगातार सुधार करना है।

निरंतर सुधार जारी रखने की दिशा में एनआईबी के प्रयासों के एक हिस्से के रूप में, क्यूएमयू मान्यता गतिविधियों का समन्वय कार्य करता है, गुणवत्ता लेखा परीक्षा करता है, और नैदानिक, चिकित्सीय, टीका प्रयोगशालाओं और सहायता/सुविधा इकाइयों के सभी क्षेत्रों के लिए जारी एसओपी में समय पर संशोधन/समीक्षा करने के लिए नियमित रूप से अलर्ट कैलेंडर सर्कुलेट करता है। यह उपकरणों (लगभग 400) के सुचारु संचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रयोगशालाओं, प्रापण और वेन्डर्स के बीच समन्वय का कार्य करता है। उपकरण के उपयोग की अधिकृत सूची को निवारक अनुरक्षण जैसे एएमसी/कैलिब्रेशन के ब्यौरे सहित नियत तिथि के साथ समय पर अद्यतन किया जाता है। ये सेवाएं उपकरणों के ओईएम और एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त बाह्य एजेंसियों द्वारा विभिन्न श्रेणियों अर्थात् तापमान नियंत्रित,

द्रव्यमान/मात्रा, सेंट्रीफ्यूज आदि के अंतर्गत प्रदान की जाती हैं।

आईएसओ: 17025:2017 आवश्यकताओं के अनुपालन का आकलन करने हेतु एनएबीएल मान्यता के नवीनीकरण के लिए आईएसओ/आईईसी: 17025:2017 के अनुसार एनआईबी की प्रयोगशालाओं/इकाइयों का ऑडिट 7-14 नवंबर, 2022 तक आयोजित किया गया।

एनआईबी ने डेस्कटॉप सर्विलांस सफलतापूर्वक पूरी कर ली है तथा इस संबंध में इसे एनएबीएल द्वारा जारी किया गया दिनांक 6.8.2022 का निर्णय प्राप्त हो गया है जिसमें मौजूदा दायरे के लिए रासायनिक और जैविक परीक्षण के विषय में आईएसओ/आईईसी: 17025:2017 के अनुसार मान्यता को जारी रखने की मंजूरी दी गई है।

क्यूएमयू संस्थान की वेबसाइट पर परीक्षण शुल्क दस्तावेज को नियमित रूप से अपडेट करने के लिए प्रयोगशालाओं और आईटी विभाग के साथ समन्वय करती है। यह इकाई आईएसओ 17025:2017 जैसे प्रासंगिक लागू मानकों के तथा जैव सुरक्षा प्रथाओं सहित वैज्ञानिक ज्ञान के क्षेत्र में उचित उन्नयन के लिए कर्मचारियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर तैयार करती है। यूनिट ने 25-26 जून 2022 को लखनऊ में आयोजित विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सम्मेलन और विज्ञान सम्मेलन में प्रकाशित की गई स्मारिका में एनआईबी की वैज्ञानिक उपलब्धियों और इसकी गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए लेख तैयार किए। एनआईबी के गौरवशाली 30 वर्षों की यात्रा की जानकारी देने वाली एक पुस्तक विवेकपूर्ण सोच-विचार के बाद तैयार की गई और एनआईबी के बारे में बनाई गई दो वीडियो (हिंदी और अंग्रेजी में) के साथ उसे प्रकाशित किया गया जिसका लोकार्पण 30 जून, 2022 को एनआईबी में माननीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ भरती प्रविण पवार द्वारा किया गया। एनआईबी के प्रोफाइल और उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करने वाली एक कॉफी टेबल बुक की संकल्पना, डिजाइन, तैयार और प्रकाशन कार्य किया, जिसका लोकार्पण 27 जनवरी 2023 को विज्ञान भवन में जैविक गुणवत्ता पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान संस्थान के 31वें स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया था। कालानुक्रमिक क्रम में प्रमुख घटनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए वर्ष 1992 से एनआईबी की एक पूरी टाइम लाइन तैयार की गई थी।

परस्पर सहयोग

- नए फार्माकोपिया मोनोग्राफ के विकास और रक्त समूहन अभिकर्मकों के मौजूदा फार्माकोपिया मोनोग्राफ के संशोधन में योगदान के लिए भारतीय फार्माकोपिया आयोग—गाजियाबाद के साथ सहयोग किया।
- गोलिमुमैब (बायोएक्टिविटी) के लिए प्रथम अंतर्राष्ट्रीय मानक (आईएस) के लिए डब्ल्यूएचओ— एनआईबीएससी के साथ सहयोगात्मक अध्ययन।
- प्लाज्मा बैगों के संग्रहण हेतु दिल्ली/एनसीआर के रक्त बैंकों/अस्पतालों के साथ नेटवर्किंग: प्रतिरक्षा नैदानिक किट प्रयोगशाला को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के कार्यालयों से एनआईबी में प्राप्त स्वदेशी और आयातित प्रतिरक्षा नैदानिक किट के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण के लिए प्लाज्मा पैनल तैयार करने के लिए एचआईवी, एचबीवी, एचसीवी और सिफलिस के संक्रमित प्लाज्मा बैगों की आवश्यकता होती है। इस संबंध में डीसीजी (आई) ने विभिन्न रक्त बैंकों/अस्पतालों को निर्देश दिए हैं कि वे एनआईबी को संक्रमित प्लाज्मा बैग उपलब्ध कराएं। प्रयोगशाला नियमित रूप से प्लाज्मा बैगों को एकत्रित करती है, जो एचआईवी, एचसीवी, एचबीएसएजी और सिफलिस के लिए नॉन-रिएक्टिव होते हैं।
- संस्थागत मानव आचार समिति के अनुमोदन के अनुसार गैर-संक्रमित और गैर-क्लॉटेड बचे हुए रक्त के नमूनों के संग्रह के लिए दिल्ली/एनसीआर के विभिन्न रक्त बैंकों/अस्पतालों के साथ सहयोग और डीसीजी(आई) ने विभिन्न रक्त बैंकों/अस्पतालों को निर्देश दिए हैं कि वे रक्त समूहन अभिकर्मकों की गुणवत्ता नियंत्रण करने हेतु गैर-संक्रामक और नॉन-क्लॉटेड बचे हुए रक्त नमूने उपलब्ध कराएं।

पीटी / आईएलसी / ईक्यूएएस – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय में सहभागिता

- क. बायोकेमिकल किट प्रयोगशाला वर्तमान में क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान-II (ग्लूकोज, कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड, क्रिएटिनिन, यूरिक एसिड और एल्ब्यूमिन) के लिए बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएएस) – 2022 और 2023 में एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया (एसीबीआई) / क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (सीएमसी) में नामांकित है।
- ख. रक्त उत्पाद प्रयोगशाला ने ईडीक्यूएम फ्रांस द्वारा आयोजित एल्ब्यूमिन आणविक आकार वितरण "पीटीएस 234" के पीटी अध्ययन में भाग लिया।
- ग. रक्त उत्पाद प्रयोगशाला ने एनआईबीएससी, यू.के., 2022 द्वारा "रेबीज इम्युनोग्लोब्यूलिन के लिए कैंडिडेट थर्ड अंतर्राष्ट्रीय मानक का आकलन करने के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोगी अध्ययन" पर आयोजित आईएलसी में भाग लिया।
- घ. रक्त अभिकर्मक प्रयोगशाला ने 06 जुलाई, 2022 को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, दिल्ली द्वारा आयोजित एंटी-ए 1 (लेक्टिन), एंटी-एच (लेक्टिन) और बोवाइन सीरम एल्ब्यूमिन रक्त समूहन अभिकर्मकों के लिए बाहरी दक्षता कार्यक्रम में भाग लिया। सभी कर्मचारियों का प्रदर्शन 100% संतोषजनक पाया गया।
- ङ. इम्यूनोडायग्नोस्टिक किट प्रयोगशाला वर्ष 1999 से नियमित रूप से बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएएस) में भाग ले रही है। प्रयोगशाला ने नेशनल सीरोलॉजी रेफरेंस लेबोरेटरी, (एनएसआरएल) ऑस्ट्रेलिया के साथ मल्टीमार्कर ब्लड स्क्रीनिंग ईक्यूए कार्यक्रम (एमएमबीएस 4310) में नामांकन प्राप्त किया और उसमें भाग लिया जो एक एनएटीए – मान्यता प्राप्त प्रवीणता परीक्षण प्रदाता है, यह आईएलसीजी13: 08 / 2007 का अनुपालन करती है और एचआईवी और एड्स और अन्य रक्त-जनित संक्रमणों के लिए निदान और प्रयोगशाला सहायता के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का एक सहयोग केंद्र है और आईएसओ 17043: 2010 के तहत पूरी तरह से मान्यता प्राप्त प्रवीणता परीक्षण प्रदाता है। यह कार्यक्रम उच्चतम अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को पूरा करता है।
- प्रयोगशाला ने एनआरएल, ऑस्ट्रेलिया ईक्यूएएस – 2022-23 के साथ इस अवधि में तीन बार सफलतापूर्वक भाग लिया। इसके परिणाम संदर्भ परिणामों के अनुरूप थे।
- च. आणविक निदान प्रयोगशाला ने गुणात्मक मल्टीमार्कर रक्त दाता स्क्रीनिंग और एचबीवी, एचसीवी और एचआईवी की वायरल लोड मॉनिटरिंग के लिए इवेंट-1 (मार्च) 2023 एनएटी प्रवीणता परीक्षण के लिए एनआरएल-ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएएस) में सफलतापूर्वक भाग लिया है।
- छ. पुनः संयोजक उत्पाद प्रयोगशाला ने मेसर्स चार्ल्स रिवर लेबोरेटरीज (क्वार्टर 1) द्वारा आयोजित जेल क्लॉट विधि और काइनेटिक क्रोमोजेनिक विधि द्वारा "बैक्टीरियल एंडोटॉक्सिन टेस्ट के लिए एलएएल प्रवीणता परीक्षण कार्यक्रम (पीटीपी)" में भाग लिया। प्रयोगशाला ने इस अध्ययन में "पास" परिणाम हासिल किया है।
- ज. वैक्सीन और एंटीसीरा प्रयोगशाला ने एलिसा द्वारा मानव रेबीज वैक्सीन के पोटेंसी नियंत्रण के लिए इन-विट्रो एसै के मानकीकरण के लिए ईडीक्यूएम सहयोगात्मक अध्ययन (बीएसपी-148) में भाग लिया, जो जैविक मानकीकरण विभाग, ओएमसीएल नेटवर्क एंड हेल्थकेयर, ईडीक्यूएम, यूरोप परिषद द्वारा आयोजित किया गया था। प्रयोगशाला ने परीक्षण पूरा करके परिणामों को ईडीक्यूएम को सूचित कर दिया। इस संबंध में ईडीक्यूएम ने दिनांक 31.03.2023 को समीक्षा के लिए रिपोर्ट साझा की और प्रयोगशाला ने रिपोर्ट की समीक्षा की है और रिपोर्ट में शामिल की जाने वाली टिप्पणियों को ईडीक्यूएम के साथ साझा किया गया है। जैसा कि ईडीक्यूएम द्वारा सूचित किया गया है, चरण 3 का अध्ययन जल्द ही शुरू किया जाएगा।
- झ. गुणवत्ता प्रबंधन इकाई के कार्मिकों ने 30 अगस्त, 2022 को नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर सर्टिफिकेशन बॉडीज, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा निरीक्षण निकायों के लिए एनएबीसीबी प्रत्यायन और उद्योग तथा सरकारी निकायों को इसके लाभ विषय पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

विशेषज्ञ समिति की बैठकें

1. आईएईसी की सदस्य सचिव डॉ शिखा यादव द्वारा समय पर नैतिक अनुमोदन के लिए पूर्वावलोकन अवधि के दौरान **संस्थागत पशु आचार समिति** की चार बैठकें आयोजित की गईं ताकि एनआईबी में प्राप्त जैविकों के लिए सभी इन-विवो क्यूसी परीक्षण निर्धारित टर्नअराउंड समय अवधि में किए जा सकें। पशुओं से जुड़े सभी प्रयोगों को सीसीएसईए द्वारा गठित आईएईसी द्वारा अनुमोदित किया जाना है। इस अवधि के दौरान समिति द्वारा कुल 56 प्रोटोकॉल की समीक्षा की गई और आईएईसी के सदस्य सचिव द्वारा अनुमोदन के साथ-साथ अनुपालन के सभी प्रासंगिक रिकॉर्ड बनाए गए।
- क. 60वीं संस्थागत पशु आचार समिति (आईएईसी) की बैठक— 20 जून 2022
- ख. 61वीं संस्थागत पशु आचार समिति (आईएईसी) की बैठक— 28 अक्टूबर 2022
- ग. 62वीं संस्थागत पशु आचार समिति (आईएईसी) की बैठक— 21 दिसंबर 2022
- घ. 63वीं संस्थागत पशु आचार समिति (आईएईसी) की बैठक— 6 फरवरी 2023
- ङ. आईएईसी द्वारा 20 जून 2022 को पशु सुविधा का वार्षिक निरीक्षण भी किया गया था और निरीक्षण रिपोर्ट समिति में उनके मुख्य नामिनी द्वारा पशु पालन प्रयोगों पर नियंत्रण और पर्यवेक्षण के लिए समिति (सीसीएसईए), मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय को प्रस्तुत की गई थी।
2. **एनआईबी की संस्थागत मानव आचार समिति**, एनआईबी की विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा प्रस्तुत सभी वास्तविक या संभावित मानव विषयों की गरिमा, अधिकारों, सुरक्षा और कल्याण की सुरक्षा करने की दृष्टि से मानव विषयों के नमूनों से जुड़े सभी प्रकार के अध्ययन प्रस्तावों/प्रोटोकॉल की समीक्षा करती है। अध्ययन प्रस्तावों के प्रकार में जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण के उद्देश्य से मानव नमूनों की उपयोगिता शामिल है, आईएचईसी, राष्ट्रीय जैविक संस्थान इस बात का ध्यान रखती है कि अध्ययन प्रोटोकॉल में अनुसंधान नैतिकता के सभी प्रमुख सिद्धांतों अर्थात् स्वायत्तता, लाभ, अनिष्ट और न्याय का ध्यान रखा जाए। समिति अध्ययन शुरू होने से पहले प्रस्तावों की समीक्षा करती है और साथ ही अध्ययन के दौरान और उसके बाद वार्षिक रिपोर्टों और अंतिम रिपोर्टों की जांच करके अध्ययन की मानीटरिंग करती है। समिति इस बात की भी जांच करती है कि सभी नियामक आवश्यकताओं और कानूनों का अनुपालन किया गया है या नहीं। डॉ. चारु एम कमल, वैज्ञानिक-I, सदस्य और डॉ. संजय मेंदीरत्ता, वैज्ञानिक-III, सदस्य सचिव, आचार समिति ने मानव सामग्री का उपयोग करके प्रस्तावों की समीक्षा के लिए दिनांक 21.03.2023 को एनआईबी नोएडा में तेरहवीं संस्थागत आचार समिति की बैठक का आयोजन किया था। समिति ने इस बैठक में इस समय चल रहे कुल सोलह प्रस्तावों की प्रगति की समीक्षा की।
3. **आईबीएससी संस्थागत जैव सुरक्षा समिति (आईबीएससी) :**
संस्थागत जैव सुरक्षा समिति (आईबीएससी) की दूसरी बैठक जैव सुरक्षा से संबंधित रूटीन और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की समीक्षा करने के लिए हाइब्रिड मोड में 15 मार्च, 2023 को डॉ हरीश चंद्र, उप निदेशक (गुणवत्ता नियंत्रण), एनआईबी की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। समिति ने प्रधान अन्वेषकों/सह-प्रधान अन्वेषकों द्वारा चल रही दो अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के बारे में प्रस्तुत की गई प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। आईबीएससी टीम ने इंजीनियरिंग और बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन के साथ विभिन्न बायोथेराप्यूटिक, नैदानिक और वैक्सीन प्रयोगशालाओं, एसटीपी और ईटीपी अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में शामिल होने वाली बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित गतिविधियों के संबंध में एक प्रयोगशाला का दौरा किया। इस दौरे में संग्रह (कलेक्शन) बिंदुओं से लेकर अंतिम वेंडर पिक अप क्षेत्र तक का बायोमेडिकल अपशिष्ट निपटान मार्ग भी शामिल था।
4. एनआईबी की **नैदानिक प्रयोगशालाओं द्वारा गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण को मजबूत करने के लिए विशेषज्ञ समिति की पहली बैठक** डॉ. वी. एम. कटोच, अध्यक्ष जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी और एम्स, मदुरै और पूर्व सचिव, स्वास्थ्य और अनुसंधान विभाग और महानिदेशक, आईसीएमआर की अध्यक्षता में दिनांक 10.06.2022 को एनआईबी में हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई थी।
5. डॉ. मीना कुमारी, वैज्ञानिक-II और बीपीएल प्रमुख को :
क. यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कुरुक्षेत्र में दिनांक 14.07.2022 को बी.टेक. चौथे सेमेस्टर बीटी के लिए प्रैक्टिकल/मौखिक परीक्षा आयोजित करने हेतु एक परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया।
- ख. भारतीय फार्माकोपिया आयोग द्वारा "विशेषज्ञ कार्य समूह-रक्त और रक्त संबंधी उत्पाद" के सदस्य के रूप में नामित किया गया।
6. भारतीय फार्माकोपिया आयोग, गाजियाबाद द्वारा 17 अगस्त, 2022 को हाइब्रिड मोड में आयोजित रक्त और रक्त संबंधी उत्पाद नामक विशेषज्ञ कार्य समूह की छठी बैठक में डॉ. मीना कुमारी, वैज्ञानिक-II, सुश्री मधु, वैज्ञानिक-III, डॉ. मनोज कुमार, वैज्ञानिक-III, श्री तारा चंद, वैज्ञानिक-III ने सहभागिता की।

7. डॉ. आर. एस. शर्मा की अध्यक्षता में एनआईबी में दिनांक 07.02.2023 को 'उपकरण विनिर्देश विशेषज्ञ समूह समिति की आयोजित बैठक' में डॉ. मीना कुमारी, वैज्ञानिक-II, सुश्री वाई. मधु, वैज्ञानिक-III और श्री तारा चंद, वैज्ञानिक-III ने भाग लिया।
8. डॉ. मीना कुमारी वैज्ञानिक-II, सुश्री वाई. मधु, वैज्ञानिक-III, डॉ. मनोज कुमार, वैज्ञानिक-III और श्री तारा चंद, वैज्ञानिक-III ने आईपीसी द्वारा रक्त और रक्त से संबंधित उत्पाद - 6ठी ईडब्ल्यूजी बैठक की कार्यवाही रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए दिनांक 20.02.2023 को आयोजित विशेषज्ञ कार्य समूह- रक्त और रक्त संबंधी उत्पादों की 7वीं बैठक में भाग लिया।
9. सुश्री कंचन आहूजा, वैज्ञानिक- III ने 6 अगस्त, 2022 को इंडियन फार्माकोपिया, गाजियाबाद द्वारा आयोजित 6ठी विशेषज्ञ कार्य समूह- रक्त और रक्त संबंधी उत्पादों की बैठक में भाग लिया, जिसमें एंटी-ए रक्त समूहन अभिकर्मक, एंटी-ह्यूमन ग्लोब्युलिन अभिकर्मकों और रक्त उत्पादों के लिए आईपी मोनोग्राफ में प्रस्तावित संशोधनों पर चर्चा की गई।
10. डॉ. चारु एम. कमल, वैज्ञानिक-I, सुश्री सुधा वी. गोपीनाथ, वैज्ञानिक -II और श्री एन. नंद गोपाल, वैज्ञानिक - III ने डॉ. हरीश चंद्र, उप निदेशक (क्यूसी) की अध्यक्षता में 3 नवंबर 2022 को एनआईबी में सीडीएससीओ, आईपीसी और उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ आईपी 2022 के अनुसार फॉलिकल स्टिम्युलेंटिंग हार्मोन (आरएफएसएच) इंजेक्शन के परीक्षण पर एक बैठक आयोजित की।
11. डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक-II :
 - क. कोविड-19 का पता लगाने के लिए नमूना कार्ड (फिल्टर कार्ड) के साथ नए इन-विट्रो डायग्नोस्टिक (आईवीडी) उत्पाद "ब्रेथ एनालाइजर" के लिए नैदानिक प्रदर्शन मूल्यांकन करने हेतु विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में दिनांक 23.08.2022 को वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।
 - ख. बीआईआरएसी द्वारा दिनांक 08.04.2022, 08.07.2022 और 03.02.2023 को वर्चुअल मोड में आयोजित पहली हब बैठक में नवान्चेषकों (इनोवेटर्स) के प्रश्नों पर चर्चा करने के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
 - ग. जीएपी (वैश्विक सलाहकार पैनल) से प्राप्त टिप्पणियों के आधार पर संशोधित एनएटी विनिर्देशों की जांच करने के लिए दिनांक 01.09.2022 को आयोजित विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया।
 - घ. क्यासानूर वन रोग वायरस (केएफडीवी) के निदान के लिए नए इन-विट्रो डायग्नोस्टिक मेडिकल डिवाइस यानी आरटी-पीसीआर टेस्ट किट की बिक्री/वितरण के लिए निर्माता को अनुमति प्रदान करने के लिए दिनांक 11.10.2022 को आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञ टिप्पणियां प्रदान कीं।
 - ङ. एनएसीपी के तहत ओएसटी कार्यक्रम के लिए उपयोग किए जाने वाले टैब ब्यूप्रेनोर्फिन के तकनीकी विनिर्देश की समीक्षा और संशोधन करने के लिए दिनांक 06.02.2023 को वर्चुअल मोड में आयोजित बैठक में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- च. जैव रसायन विभाग, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, खंदारी कैंपस, आगरा में दिनांक 22.07.2022 को आयोजित एम.एससी. जैव रसायन द्वितीय सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा में एक बाहरी परीक्षक की भूमिका निभाई।
- छ. दिनांक 22.06.2022 से 24.06.2022 तक एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में एक बाहरी परीक्षक की भूमिका निभाई।
12. डॉ. रत्नेश कुमार शर्मा, वैज्ञानिक-II, श्री सुभाष चंद, वैज्ञानिक-III और डॉ. सौरभ शर्मा, वैज्ञानिक-III ने बीएसएल-3 की स्थापना के लिए विभिन्न तौर-तरीकों पर चर्चा करने के लिए एनआईबी में दिनांक 22.07.2022 को आयोजित विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया।
13. डॉ. हरीश चंद्र, उप निदेशक (क्यूसी), डॉ. चारु एम. कमल, वैज्ञानिक-I, सुश्री सुधा वी. गोपीनाथ, वैज्ञानिक-II, सुश्री गुरमिंदर बिंद्रा, वैज्ञानिक-III, श्री सुभाष चंद, वैज्ञानिक-III और श्री एन नंद गोपाल, वैज्ञानिक-III ने मोनोक्लोनल एंटीबॉडी, पुनः संयोजक उत्पाद और एंजाइम और हार्मोन के लिए नए मोनोग्राफ का विकास और चर्चा के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 2 मई, 2022 को आयोजित विशेषज्ञ कार्य समूह - जैविक और आरडीएनए उत्पादों की 12वीं बैठक में भाग लिया।
14. भारतीय फार्माकोपिया आयोग द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिनांक 28.03.2023 को आयोजित विशेषज्ञ कार्य समूह-जैविक और आरडीएनए व्युत्पन्न चिकित्सीय उत्पाद की 13वीं बैठक में डॉ. चारु एम. कमल, वैज्ञानिक-I, सुश्री सुधा वी. गोपीनाथ, वैज्ञानिक-II, सुश्री गुरमिंदर बिंद्रा, वैज्ञानिक-III, श्री सुभाष चंद्र, वैज्ञानिक-III और श्री एन. नंद गोपाल, वैज्ञानिक-III, डॉ. सौरभ शर्मा, वैज्ञानिक-III डॉ. पारस जैन, कनिष्ठ वैज्ञानिक ने भाग लिया।
15. डॉ. हेमंत कुमार वर्मा, वैज्ञानिक-II को आईसीएमआर संस्थानों की अनुसंधान सुविधाओं की एक्सेस और उनकी शेयरिंग के लिए एक पोर्टल तैयार करने हेतु आईसीएमआर द्वारा गठित समिति में सदस्य (विशेषज्ञ) के रूप में नामित किया गया।
16. डॉ. राजेश के. शर्मा, वैज्ञानिक-III ने एनएसीपी, नाको के तहत लैब सेवा प्रभाग के लिए ऑनलाइन तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) की दिनांक 26.04.2022 को आयोजित बैठक में भाग लिया।
17. डॉ. राजेश के. शर्मा, वैज्ञानिक-III ने दिनांक 25.08.2022 को एनएआरआई, पुणे में आयोजित नाको की शीर्ष प्रयोगशाला बैठक में भाग लिया।
18. डॉ. राजेश के. शर्मा, वैज्ञानिक-III ने एनसीडीसी, नई दिल्ली में दिनांक 04.10.2022 को आयोजित तकनीकी विशिष्टता समिति की बैठक में भाग लिया।
19. पुनः संयोजक उत्पाद प्रयोगशाला ने "पेगफिलग्रास्टिम आईपी 2018 मोनोग्राफ और पेगफिलग्रास्टिम इंजेक्शन

- ड्राफ्ट मोनोग्राफ में प्रस्तावित संशोधन पर चर्चा के लिए हितधारकों की बैठक" विषय पर दिनांक 19.10.2022 को एक वैज्ञानिक चर्चा का आयोजन किया। बैठक में पेगफिलरारिस्टम हितधारकों, भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) के प्रतिनिधियों और एनआईबी के स्टाफ ने भाग लिया।
20. डॉ शिखा यादव, वैज्ञानिक –I:
- क. सीसीएसईए, मत्स्य पालन मंत्रालय, पशुपालन और डेयरी, भारत सरकार द्वारा गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा की संस्थागत पशु आचार समिति की बैठक के सदस्य के रूप में नामित किया गया और उन्होंने 2 अगस्त 2022 को आयोजित आईईसीसी बैठक में भाग लिया।
- ख. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली की संस्थागत पशु आचार समिति की 8 अगस्त 2022 को आयोजित बैठक में भाग लिया।
- ग. बायोमेड प्राइवेट लिमिटेड गाजियाबाद की 31 अगस्त 2022 को आयोजित आईईसीसी बैठक में भाग लिया।
- घ. आईसीएमआर-एनएआरएफबीआर, हैदराबाद में वैज्ञानिक 'सी' के पद की छह रिक्तियों के लिए चयन समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया, जिसके लिए साक्षात्कार 12-14 अक्टूबर, 2022 तक आईसीएमआर मुख्यालय, दिल्ली में आयोजित किया गया था।
- ङ. भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी), गाजियाबाद द्वारा पशु विधियों के विकल्प के लिए दूसरी विशेषज्ञ कार्य समूह की 28 नवंबर 2022 को आयोजित बैठक में विशेष आमंत्रित व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
21. डॉ. सुरेश कुमार, वैज्ञानिक ग्रेड – III:
- क. अनुसंधान प्रोटोकॉल की समीक्षा करने के लिए संस्थागत पशु आचार समिति (आईईसीसी) की अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली में 2 अप्रैल 2022, 12 मई 2022 और 3 सितंबर 2022 को आयोजित बैठक में सीसीएसईए- मुख्य नामित के रूप में भाग लिया।
- ख. न्यूड चूहों की सुविधा स्थापित करने में सहायता प्रदान करने हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस, नई दिल्ली, दिल्ली में 11 अप्रैल 2022 को आयोजित बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- ग. भारतीय पशु चिकित्सा परिषद (वीसीआई), मत्स्य, पशु पालन मंत्रालय द्वारा प्रयोगशाला पशु विज्ञान और चिकित्सा के संदर्भ में पशु चिकित्सा कॉलेज के लिए पशु चिकित्सा शिक्षा डिग्री पाठ्यक्रम करिकुलम – बी.वी. एससी. और ए.एच. विनियमों के न्यूनतम मानक के दायरे में आने वाले नियमों को संशोधित करने और उन्हें फिर से तैयार करने के लिए गठित समिति की दिनांक 30.08.2022 को आयोजित बैठक में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- घ. दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस, दिल्ली में 12 अक्टूबर 2022 को अनुसंधान प्रोटोकॉल की समीक्षा के लिए आयोजित आईईसीसी की बैठक में सीसीएसईए-मुख्य नामिनी के रूप में भाग लिया।
- ङ. 2 नवंबर 2022 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, दिल्ली में अनुसंधान प्रोटोकॉल की समीक्षा करने के लिए आयोजित आईईसीसी की बैठक में सीसीएसईए सदस्य – संस्थान के बाहर के वैज्ञानिक के रूप में भाग लिया।
- च. 10 नवंबर 2022 को एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, द्वारका, दिल्ली में फार्मास्युटिकल साइंसेज (सीईपीएस) में उत्कृष्टता केंद्र (सीईपीएस) का दौरा किया ताकि वहां स्थापित की गई नई पशु सुविधा के लिए विशेषज्ञ राय दी जा सके।
22. डॉ हरीश चंद्र, उप निदेशक (गुणवत्ता नियंत्रण)
- क. डीबीटी की नेशनल बायोडिजाइन कंसोर्टियम स्टीयरिंग कमेटी की 9 नवंबर, 2022 को आयोजित की गई आनलाइन बैठक में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया।
- ख. 7 जुलाई, 2022 को नई दिल्ली में आयोजित 14वीं सीआईआई ग्लोबल मेडटेक समिट में पैनल सदस्य के रूप में भाग लिया।
- ग. 20 जुलाई, 2022 को आईपीसी द्वारा आयोजित भारत के मैटरियोविजिलेंस प्रोग्राम में अतिथि वक्ता के रूप में भाग लिया और इनविटरो डायग्नोस्टिक हितधारकों की प्रमुख भूमिका पर व्याख्यान दिया।

मानव सामग्री का उपयोग करने संबंधी प्रस्तावों की समीक्षा के लिए एनआईबी नोएडा में 13वीं संस्थागत आचार समिति की बैठक का दिनांक 21.03.2023 को आयोजन



संस्थागत जैव सुरक्षा समिति (आईबीएससी) की दूसरी बैठक



संस्थागत पशु आचार समिति की बैठक



सम्मेलनों / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों / सेमिनारों / सीएमई का आयोजन / सहभागिता / दिए गए व्याख्यान / प्रशिक्षण

1. डॉ. हरीश चंद्र, उप निदेशक (क्यूसी) को वैश्विक जैव सम्मेलन, खाद्य और औषधि सुरक्षा मंत्रालय, दक्षिण कोरिया द्वारा दिनांक 06.09.2022 को राष्ट्रीय लॉट रिलीज के हाल के मुद्दों पर आयोजित सातवीं डब्ल्यूपीआर एनसीएल कार्यशाला के लिए एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया और उन्होंने वहां पर व्याख्यान दिया।
2. डॉ शिखा यादव, वैज्ञानिक ग्रेड-I
- क. नेशनल सेंटर फॉर द रिप्लेसमेंट, रिफाइनमेंट एंड रिडक्शन ऑफ एनिमल्स इन रिसर्च (एनसी 3 आर), यू.के. द्वारा 28 अप्रैल 2022 को आयोजित "एनसी 3आर कार्यशाला: डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देशों में 3आर को लागू करना – एशिया में जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण और बैच रिलीज परीक्षण पर प्रभाव को समझना" और विश्व स्तर पर निर्माताओं और नियामकों पर इन परिवर्तनों के पड़ने वाले संभावित प्रभाव को बेहतर ढंग से समझने हेतु उक्त कार्यशाला में भाग लिया। उक्त व्यवस्था के माध्यम से डब्ल्यूएचओ को सिफारिशों की जा सकेंगी और जैविक मानकीकरण पर विशेषज्ञ समिति (ईसीबीएस) द्वारा उनके कार्यान्वयन के लिए बाधाओं को कम किया जा सकेगा।
- ख. 23 से 24 जून 2022 तक और 15 जुलाई 2022 को तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (टीएनयूवीएएस), चेन्नई में प्रयोगशाला पशु विज्ञान में फेलासा मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम सर्टिफिकेट कोर्स में "नैतिकता मूल्यांकन- अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य" और "गंभीरता मूल्यांकन और मानवीय दृष्टिकोण" पर आयोजित वार्ता में व्याख्यान हेतु संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।
- ग. इंस्टीट्यूट आफ लिवर एंड बिलयरी साइंसिज (आईएलबीएस), दिल्ली द्वारा पशु हैंडलिंग और प्रयोग में बुनियादी प्रशिक्षण पर आयोजित चौथी कार्यशाला में 4 नवंबर 2022 को "रोडेन्ट्स में दर्द का मूल्यांकन और प्रबंधन" पर भाषण दिया।
- घ. 14 नवंबर 2022 को "प्रीक्लिनिकल रिसर्च में नैतिकता और कल्याण को परिभाषित करना (डीईडब्ल्यू-2022) पर आयोजित सम्मेलन में "गंभीरता मूल्यांकन – प्रयोगशाला जानवरों से जुड़े प्रयोगों में परिष्करण (रिफाइनमेंट) को लागू करने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण" पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया और 15 नवंबर 2022 को श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी तिरुवनंतपुरम, केरल में "बी-फॉर्म तैयार करना और आईईसी का संचालन" पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता की।
- ङ. 17 नवंबर 2022 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), दिल्ली के स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज में प्रयोगशाला जानवरों की हैंडलिंग और देखभाल के लिए कार्यशाला में "पेरीओपरेटिव देखभाल, एनीथिसिया, एनाल्जेसिया और प्रयोगों का रिफाइनमेंट" पर वैज्ञानिक व्याख्यान दिया।
- च. डीआईपीएएस, डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, दिल्ली द्वारा आयोजित "पशु और मानव प्रयोग में नैतिक मुद्दे और प्रथाएं" पर 3 दिवसीय सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) में 18 नवंबर 2022 को "प्रयोगशाला जानवरों में एसेप्टिक सर्जरी के दौरान दर्द को कम करने के लिए वैज्ञानिक और नैतिक प्रथाएं" पर व्याख्यान दिया।
- छ. दिनांक 30.11.2022 को नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज (एनसीबीएस), टीआईएफआर, बेंगलुरु द्वारा आयोजित "प्रयोगशाला माइस और रैट्स की बुनियादी जैव-पद्धति" पर आयोजित कार्यशाला में "प्रयोगशाला पशु प्रायोगिक डिजाइनिंग में 3आर-अवधारणा" पर एक वैज्ञानिक व्याख्यान दिया।
- ज. राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, मानेसर, हरियाणा द्वारा आयोजित प्रयोगशाला पशु विज्ञान (सीसीएलएएस) में 2 सप्ताह के सर्टिफिकेट कोर्स में 8 फरवरी 2023 को "पेरीओपरेटिव केयर एंड एनाल्जेसिया" पर वैज्ञानिक भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- झ. स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज (एसएलएस), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), दिल्ली द्वारा प्रयोगशाला जानवरों की हैंडलिंग और देखभाल पर आयोजित 4 दिवसीय कार्यशाला में दिनांक 22.2.23 को "पेरीओपरेटिव केयर, एनेस्थीसिया, सर्जिकल तकनीक एनाल्जेसिया और दर्द : प्रयोगशाला जानवरों में इसके कारण, श्रेणी निगरानी और संकट" पर वैज्ञानिक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
3. डॉ. मनोज, वैज्ञानिक-III और डॉ. वरुण सिंह, वैज्ञानिक-III ने दिनांक 01.07.2022 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित भविष्य के लिए चिकित्सा गुणवत्ता समाधान "आईपीसी सम्मेलन 2022" में भाग लिया।
4. श्री अनूप कुमार, कनिष्ठ वैज्ञानिक, रक्त उत्पाद प्रयोगशाला ने "बायोफार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी कोर्स इवेंट के लिए उत्कृष्टता केंद्र" विषय पर 13-15 दिसंबर 2022 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
5. बीपी लैब की कनिष्ठ वैज्ञानिक श्रीमती अपूर्वा ने टाटा मेमोरियल सेंटर मुंबई के सहयोग से सन फार्मा साइंस

- फाउंडेशन की 7 और 8 जनवरी, 2023 को "सेल थेरेपी कम्स आफ ऐज इन इंडिया" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
6. श्री एन. नंद गोपाल, वैज्ञानिक-III ने गुरुग्राम में 4 से 8 जुलाई 2022 तक भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा आयोजित आईएसओ/आईईसी 17025 : 2017 पर आयोजित एनएबीएल मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षण में भाग लिया और एनएबीएल मूल्यांकनकर्ता के रूप में अर्हता प्राप्त की।
 7. सुश्री सुधा वी. गोपीनाथ, वैज्ञानिक-II और डॉ. संजय मेंदीरत्ता वैज्ञानिक-III ने एनएबीएल द्वारा 02 से 04 फरवरी, 2023 को मुंबई में आयोजित "आईएसओ 17034 : 2016, संदर्भ सामग्री उत्पादकों की क्षमता के लिए सामान्य आवश्यकताएं" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
 8. डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक - II
 - क. "जैविक उद्योगों में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली" पर 12 अक्टूबर 2022 को वर्चुअल मोड में आयोजित 38वीं एनआरएल कार्यशाला, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में व्याख्यान दिया।
 - ख. सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला सभागार, नई दिल्ली में 12 मई 2022 को एसीएसआईआर के छठे दीक्षांत समारोह के लिए आमंत्रित किया गया।
 - ग. सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) पुणे में 3 से 5 नवंबर 2022 तक आयोजित "स्वास्थ्य और जैव चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया।
 - घ. बेंगलुरु, कर्नाटक में 19-20 नवंबर, 2022 को आयोजित 7वीं विश्व कैंसर कांग्रेस-2022 पर बेंगलोर हेल्थ केयर समिट-2022 में एक आमंत्रित वक्ता और समीक्षक के तौर पर भाग लिया।
 - ङ. आईयूएसी, नई दिल्ली में 30 नवंबर से 1 दिसंबर 2022 तक आयोजित आचार्य जगदीश चंद्र बोस : एक सत्याग्रही वैज्ञानिक के योगदान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बहुआयामी विज्ञान दूरदर्शी सर जे.सी. बोस: अतीत और वर्तमान' नामक शीर्षक से व्याख्यान दिया।
 - च. एनआईएमआर-आईसीएमआर, नई दिल्ली में 7 दिसंबर, 2022 को 'गैर-मानव मलेरिया परजीवियों, प्लास्मोडियम सायनोमोलगी और प्लास्मोडियम नोलेसी का इन-हाउस विकसित क्यूपीसीआर-आधारित पता लगाने' पर व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए 'मलेरिया के आणविक निदान संबंधी ब्रीफिंग' पर व्याख्यान दिया।
 - छ. एनआईवी, पुणे में डेंगू सीरोटाइप और कोविड-19 पैनेल से संबंधित तकनीकी चर्चा और नमूना संग्रह के लिए 14 से 16 दिसंबर 2022 तक आयोजित बैठक में भाग लिया।
 - ज. एनआईबी की अनुसंधान और अकादमिक समिति की एक सदस्य होने के नाते 3 फरवरी 2023 को एसीएसआईआर की ऑनलाइन मोड में आयोजित बैठक में एसीएसआईआर के निदेशक प्रोफेसर मनोज कुमार धर के साथ भाग लिया।
 - झ. मेडथेरेपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा में 1 मार्च 2023 को विदेशी प्रीतिनिधियों के साथ हुई वार्तालाप बैठक के लिए डीबीटी द्वारा नैतिक समिति के एक सदस्य के रूप में नामित किया गया।
 - ञ. भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) द्वारा लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में 23 मार्च 2023 को आयोजित "चिंतन शिविर" में सहभागिता के लिए नामित किया गया।
 - ट. चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी और नैनो टेक्नोलॉजी अनुभागीय समिति की 29 मार्च 2023 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित एमएचडी 20 की ग्यारहवीं बैठक में भाग लिया।
 9. डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक-II और डॉ. अश्विनी कुमार दुबे, वैज्ञानिक-III ने 14 फरवरी, 2023 को कोक्रेन संबद्ध केंद्र-आईसीएमआर, नई दिल्ली द्वारा 'व्यवस्थित समीक्षा लिखने के लिए पद्धति' विषय पर ऑनलाइन मोड में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
 10. सुश्री रश्मि श्रीवास्तव, वैज्ञानिक-III को हैदराबाद में 26 और 27 मई, 2022 को आयोजित द्वितीय संस्करण इंडिया बायोफार्मा लीडर्स कॉन्क्लेव में बायोसिमिलर के लिए वैश्विक नियामक परिप्रेक्ष्य-रणनीतियों और चुनौतियों पर पैनेल चर्चा के लिए अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
 11. डॉ. अनूप कुमार, कनिष्ठ वैज्ञानिक को 20-23 मार्च, 2023 तक बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के जूलॉजी विभाग, एमएमवी में "जैविक और आणविक तकनीकों पर हैंड्स-ऑन-प्रशिक्षण" नामक कार्यशाला में "रियल टाइम पीसीआर और रोग निदान में इसका अनुप्रयोग" पर व्याख्यान देने के लिए एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
 12. डॉ. रत्नेश कुमार शर्मा, वैज्ञानिक-II ने शिलांग, मेघालय में 22 अगस्त से 26 अगस्त, 2022 तक आयोजित "जांच अधिकारी/प्रस्तुतकर्ता अधिकारी की प्रशासनिक सतर्कता भूमिका पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम" में भाग लिया।
 13. डॉ. रत्नेश कुमार शर्मा, वैज्ञानिक-II ने दिल्ली उत्पादकता परिषद द्वारा कोचीन और लक्षद्वीप में 20 से 25 मार्च, 2023 तक आयोजित निवारक सतर्कता और अनुशासनात्मक कार्यवाही पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
 14. डॉ. हेमंत कुमार वर्मा, वैज्ञानिक-II ने फार्मसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा 6 मार्च, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन "फार्मा अन्वेषण-2023" में आमंत्रित अतिथि के रूप में भाग लिया।
 15. डॉ. हरीश चंद्र, उप निदेशक (क्यूसी), श्री हरित कसाना, वैज्ञानिक-II, डॉ. पंकज के. शर्मा, वैज्ञानिक-III, बीआरएल, श्री सुभाष चंद्र, वैज्ञानिक-III, ने 27 फरवरी से 2 मार्च 2023 तक बोडोलैंड विश्वविद्यालय,

- कोकराझार, असम में आयोजित बोडोलैंड अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव में भाग लिया।
16. डॉ. हरीश चंद्र, उप निदेशक (क्यूसी), श्री सुभाष चंद्र, वैज्ञानिक-III ने एनआईबी में 25 जून 2022 को "आजादी का अमृत महोत्सव" (भारत सरकार की एक पहल) के तहत बौद्धिक संपदा अधिकार आईपीआर : एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
 17. डॉ. राजेश के. शर्मा, वैज्ञानिक-III ने हिंद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, अटरिया, सीतापुर (यूपी) में भारत के हीमोविजिलेंस प्रोग्राम के तहत सीएमई का आयोजन किया और 24 मार्च 2023 को भारत के हीमोविजिलेंस प्रोग्राम और नेटवर्किंग पर एक व्याख्यान भी दिया।
 18. केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के सहयोग से राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू) द्वारा ड्रग इंस्पेक्टरों/चिकित्सा उपकरण अधिकारियों के लिए चिकित्सा उपकरण नियम (एमडीआर) के तहत लाइसेंसिंग के लिए बदलाव की तैयारी" विषय पर नई दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. ऋचा बरनवाल, वैज्ञानिक-III ने 26 सितंबर 2022 को "इन-विट्रो डायग्नोस्टिक किट्स के प्रदर्शन मूल्यांकन/नैदानिक मूल्यांकन" पर सत्र लिया।
 19. आरपीएल स्टाफ ने 18 जुलाई 2022 को एनआईबी में मैसर्स वाटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विश्लेषणात्मक टीमों की कौशल वृद्धि गतिविधियों के एक भाग के रूप में "तरल क्रोमैटोग्राफी की मूल बातें" पर आयोजित व्याख्यान में भाग लिया।
 20. संस्थान में नए भर्ती किए गए सहायक-I और सहायक-II के लिए आयोजित इन-हाउस प्रशिक्षण के

फार्माकोपिया मोनोग्राफ के विकास में योगदान

1. **रक्त अभिकर्मक प्रयोगशाला** ने अब तक भारतीय फार्माकोपिया में कुल 09 मोनोग्राफ तैयार और प्रकाशित किए।

वर्ष 2022–2023 में निम्नलिखित अभिकर्मकों के पुराने मोनोग्राफ में कुल 05 संशोधन किए गए हैं।

- एंटी-ए ब्लड ग्रुपिंग अभिकर्मक
- एंटी-बी ब्लड ग्रुपिंग अभिकर्मक
- एंटी-एबी ब्लड ग्रुपिंग अभिकर्मक
- एंटी-डी (आईजीएम) मोनोक्लोनल ब्लड ग्रुपिंग अभिकर्मक
- एंटी-ह्यूमन ग्लोब्युलिन (एएचजी) अभिकर्मक

2. रक्त उत्पाद प्रयोगशाला

क) निम्नलिखित मोनोग्राफ में संशोधन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया

- फाइब्रिन सीलेंट किट पानी के लिए परीक्षण (सीमा जोड़ने के लिए)।
- ह्यूमन कोएगुलेशन फैक्टर-VIII पानी के लिए परीक्षण (सीमा जोड़ने के लिए)।
- एंटी-डी एंटीबॉडी परीक्षण करने के लिए मानव सामान्य इम्युनोग्लोबुलिन (IV)

ख) आईपीसी, गाजियाबाद ने मानव एल्ब्यूमिन मोनोग्राफ में प्रोटीन संरचना के लिए होरिजेंटल जोन इलेक्ट्रोफोरेसिस द्वारा मौजूदा विधि के लिए एक वैकल्पिक विधि के संशोधन को स्वीकार कर लिया है। (आईपी – पीजी 4536 प्रोटीन संरचना 2.4.12, आईपी 2022)

3. पुनः संयोजक उत्पाद प्रयोगशाला

क) प्रयोगशाला ने 29 अप्रैल 2022 को आईपीसी को पेगफिलग्रास्टिम इंजेक्शन के लिए मसौदा मोनोग्राफ में "एसडीएस पेज द्वारा पहचान" के लिए किए गए विधि सत्यापन की परीक्षण स्थिति से अवगत कराया।

ख) प्रयोगशाला ने दिनांक 06.06.2022 को हितधारक द्वारा प्रस्तुत किए गए मसौदा मोनोग्राफ के अनुसार पेगफिलग्रास्टिम इंजेक्शन पर प्रस्तावित मोनोग्राफ के लिए आईपीसी को "जैविक पहचान और पोर्टेंसी" के परिणामों से अवगत कराया।

ग) प्रयोगशाला ने दिनांक 21.09.2022 को टेरीपैराटाइड आईपीआरएस की नई खेप के विकास के लिए अध्ययन में भाग लेने के लिए भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) को अपनी सहमति से अवगत कराया।

घ) निम्नलिखित मोनोग्राफ में संशोधन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया

- एकाग्रता के लिए एस्पार्ट इंजेक्शन।
- इंसुलिन इंजेक्शन पोर्टेंसी पहचान और संबंधित प्रोटीन के लिए एकल विधि का सत्यापन है।

4. वैक्सीन और एंटीसीरा प्रयोगशाला

वैक्सीन और एंटीसीरा प्रयोगशाला ने पल्सड एम्पेरोमेट्रिक डिटेक्शन (एचपीआईसी-पीएडी) के साथ उच्च प्रदर्शन एनियन एक्सचेंज क्रोमेटोग्राफी का उपयोग करके हेमोफिलस इन्प्लुएंजा टाइप बी वैक्सीन की कुल और मुक्त पीआरपी सामग्री का अनुमान लगाने के लिए डब्ल्यूएचओ प्रोटोकॉल के आधार पर मोनोग्राफ तैयार करना शुरू किया। यह विधि इंडियन फार्माकोपिया 2022 में सामान्य अध्याय 2.7.15 "टीकों पर परीक्षण" के रूप में प्रकाशित हुई।

राष्ट्रीय संदर्भ मानकों/सेरा पैनेलों को तैयार करना/आपूर्ति करना

क. प्लाज्मा बैगों का संग्रहण : प्रयोगशाला द्वारा वर्ष 2022-2023 के दौरान, कुल 485 प्लाज्मा बैगों का संग्रहण किया गया, जिनमें से 260 बैग एचआईवी (173), एचसीवी (27), एचबीएसएजी (58) और सिफलिस (02)

के लिए प्रतिक्रियात्मक और 225 गैर-प्रतिक्रियात्मक थे। जिन रक्त बैंकों/अस्पतालों से प्लाज्मा बैग एकत्रित किए गए उनकी सूची नीचे तालिका में दी गई है:

क्र. सं.	अस्पताल/रक्त बैंक का नाम	क्र. सं.	अस्पताल/रक्त बैंक का नाम
1.	इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, नई दिल्ली	8.	लॉयन्स ब्लड बैंक, दिल्ली
2.	सर गंगाराम हॉस्पिटल, नई दिल्ली	9.	दीन दयाल उपाध्याय हॉस्पिटल, नई दिल्ली
3.	गुरु तेगबहादुर हॉस्पिटल, दिल्ली	10.	श्री बालाजी एक्शन हॉस्पिटल, नई दिल्ली
4.	मेदांता हॉस्पिटल, गुरुग्राम	11.	होली फॅमिली हॉस्पिटल, ओखला रोड, नई दिल्ली
5.	फोर्टिस एस्कॉर्ट, ओखला, नई दिल्ली	12.	बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
6.	लोकनायक हॉस्पिटल, नई दिल्ली	13.	जिला सिविल अस्पताल, करनाल
7.	आरएमएल, हॉस्पिटल, नई दिल्ली		

ख. पैनेल को तैयार करना एवं अभिलक्षण :

स्वदेशी विनिर्माता के मूल्यांकन एवं आपूर्ति के लिए प्रयुक्त पैनेल सदस्य की गुणवत्ता को बरकरार रखने एवं जांच के लिए प्रयोगशाला का पैनेल का अभिलक्षण एवं पुनः अभिलक्षण एक अनवरत कार्य है।

ग. सेरा पैनेल की आपूर्ति :

वर्ष 2022-23 के दौरान, प्रयोगशाला ने उत्पादों के विनिर्माण के दौरान उत्पादों की गुणवत्ता को सशक्त बनाने के लिए 13 स्वदेशी निर्माताओं को 26 निष्पादन पैनेलों की आपूर्ति की।

घ. लाल सेल पैनेल तैयार करना और क्रायोप्रीजर्वेशन :

प्रयोगशाला ने रक्त समूहीकरण अभिकर्मकों के गुणवत्ता नियंत्रण मूल्यांकन के लिए उपयोग किए जाने वाले 344 रक्त नमूनों को संगृहीत, समूहीकृत, उपसमूहीकृत, आरएच फेनोटाइप किया। प्रयोगशाला विभिन्न रक्त बैंकों से एकत्र किए गए बचे हुए नमूनों से नियमित और दुर्लभ लाल रक्त कोशिकाओं के लिए क्रायोप्रीजर्वेशन पैनेल कोशिकाओं के भंडार को बनाए रखती है और उसे सुदृढ़ करती है। प्रयोगशाला ने वर्ष 2022-2023 में लाल रक्त कोशिकाओं के 288 एलिकोट क्रायोसंरक्षित किए और एलिकोट की कुल संख्या 18249 से बढ़कर 18537 हो गई।

ङ. इंसुलिन ग्लार्गिन के लिए राष्ट्रीय संदर्भ मानक का विकास :

i. अंतर प्रयोगशाला सहयोगात्मक अध्ययन (आईएलसी) के माध्यम से एनआईबी द्वारा इंसुलिन ग्लार्गिन के लिए राष्ट्रीय संदर्भ मानक के विकास के लिए अध्ययन प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने के

लिए 03 अध्ययन प्रतिभागियों से इनपुट प्राप्त हुए हैं।

ii. निम्नलिखित पर चर्चा करने के लिए वर्चुअल मोड में 01/09/2022 को "इंसुलिन ग्लार्गिन हेतु प्रथम राष्ट्रीय संदर्भ मानक (एनआरएस) के विकास के लिए अध्ययन प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने" के लिए एक बैठक आयोजित की गई थी:

क. अध्ययन प्रोटोकॉल में अध्ययन प्रतिभागियों के इनपुट पर बोर्ड में चर्चा की गई ताकि अध्ययन में एकरूपता बनाए रखी जा सके (परीक्षण पद्धति, संदर्भ मानक उपयोग, प्रदर्शन की संख्या, उपयोग की जाने वाली वाइल्स की संख्या आदि)।

ख. एनआरएस तैयार करने के लिए सामग्री दाता को अंतिम रूप देना।

ग. एनआरएस के लिए मूल्य का असाइनमेंट

iii. इंसुलिन ग्लार्गिन के लिए प्रथम राष्ट्रीय संदर्भ मानक (एनआरएस) विकसित करने के लिए आयोजित बैठक को जारी रखते हुए, एनआईबी ने उम्मीदवार सामग्री की आपूर्ति के लिए भाग लेने वाली प्रयोगशालाओं में से एक को एक अनुरोध मेल भेजा था ताकि आईएलसी की सुविधा प्रदान की जा सके। एनआईबी को उम्मीदवार सामग्री प्रदान करने के लिए अन्वेषक से स्वीकृति प्राप्त हुई है ताकि आईएलसी शुरू किया जा सके।

च. **संदर्भ मानक की आपूर्ति :** मैसर्स टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, गुजरात द्वारा एनआईबी से खरीदी गई मानव इंसुलिन आईपीआरएस की 03 वायल्स।

प्रकाशन

1. रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन के लिए उम्मीदवार तीसरे अंतर्राष्ट्रीय मानक का आकलन करने के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोगात्मक अध्ययन। जैविक मानकीकरण पर विशेषज्ञ समिति, जिनेवा, 24 से 28 अक्टूबर 2022, डब्ल्यूएचओ/बीएस/2022.2435.
2. मानव एल्ब्यूमिन तैयार करने के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण के लिए एसडीएस-पेज का मूल्यांकन – एसडीएस-पेज और हॉरिजेंटल जोन इलेक्ट्रोफोरेसिस के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन। आईओएसआर जर्नल ऑफ फार्मसी एंड बायोलॉजिकल साइंसेज (आईओएसआर-जेपीबीएस) ई-आईएसएसएन: 2278-3008, पी-आईएसएसएन: 2319-7676 खंड 17, अंक 6 सेर ii (नवंबर – दिसंबर 2022), पीपी 08-17 वाई. मधु, आस्था कौशिक, सांची गोयल, मीना कुमारी, यशोधरा, स्वाति शर्मा, हरीश चंद्र और अनूपकुमार आर. अन्वीकर।
3. मिश्रा जी, होरा एस, गिनवाल एस, सिंह एन, अन्वीकर ए. सार्स-सीओवी-2 वेरिएंट प्रमुख सिग्नलिंग मार्गों पर प्रभाव गंभीरता में बदल जाते हैं। जीव विज्ञान और प्रौद्योगिकी के ब्राजील के अभिलेखागार। (वॉल्यूम 66-इंप्रेस)। (31-अक्टूबर-2022 को स्वीकार किया गया)
4. पोलिसेटी, ए., मिश्रा, जी., राजावत, जे., कटियार, ए., सिंह, एच., और भट्ट, ए.एन. (2022). चिकित्सीय प्राकृतिक यौगिक एंजास्ट्रिन और पालबोसिक्विब स्तन कैंसर कोशिका प्रसार को रोकने वाली एमएएसटीएल किनेज गतिविधि को रोकते हैं। मेडिकल ऑन्कोलॉजी (नॉर्थवुड, लंदन, इंग्लैंड), 39 (5), 100 <https://doi.org/10.1007/s12032-022-01701-3>
5. सुरेखा, अनूप कुमार, हरित कसाना, जयपाल मीणा, अर्चना सयाल, इन-विट्रो माइक्रोअनुमापन क्षमता परख का उपयोग करके एचईपी-2 (सिनसिनाटी) और वेरो सेल लाइनों की संवेदनशीलता का तुलनात्मक मूल्यांकन, फार्मसी और प्रौद्योगिकी के रिसर्च जर्नल, 2023, खंड : 16, अंक: 8
6. पेटेंट : काइनेज को विनियमित करने वाले मानव कोशिका चक्र को लक्षित करने वाले एंटीकैंसर यौगिक। पेटेंट फाइल संख्या : 201811039753
7. पेटेंट: डेंगू वायरस सीरोटाइप का पता लगाने के लिए एक प्रणाली और विधि। आवेदन संख्या : 202311008402 09.02.2023.
8. स्वाति शालिनी, अनु शर्मा, नृपेंद्र नाथ मिश्रा, रत्नेश कुमार शर्मा, हरीश चंद्र, अनूपकुमार आर अन्वीकर, सुभाष चंद्र*। वेडोलिजुमैब की बाध्यकारी गतिविधि के आकलन के लिए फ्लो साइटोमेट्री की एक वैकल्पिक विधि के रूप में लागत प्रभावी और विश्वसनीय सेल आधारित एलिसा। हेलियॉन (2023)। 9(2); e13570. (प्रभाव कारक 3.7)।
9. कांति नंदन मिहूलिया, जितेंद्र नांदल, निधि कालिदास, सुभाष चंद्र, दीपेश कुमार वर्मा, मणि शंकर भट्टाचार्य, देबेंद्र के साहू। "अपने मोनोमेरिक रूप में उत्प्रेरक गतिविधि के लिए नए एल-शतावरी और एसएएक्सएस डेटा-आधारित साक्ष्य के संरचनात्मक व्यवहार का आकलन"। bioRxiv (2023). 2023.01. 01.522448.
10. सुभाष चंद्र, विक्रांत मेहता, रत्नेश के शर्मा, अनूपकुमार आर अन्वीकर, हरीश चंद्र। कैंसर सूचना विज्ञान विश्लेषण स्तन कैंसर में प्रतिकूल पूर्वानुमान से जुड़े उच्च CHAC2 को इंगित करता है। ऑन्कोलॉजी में फ्रंटियर्स (2022)। 9;12:1058931. (प्रभाव कारक 5.7)
11. नृपेंद्र नाथ मिश्रा, अनु शर्मा, स्वाति शालिनी, सोनिया शर्मा, पारस जैन, रत्नेश के शर्मा, हरीश चंद्र, जेपी प्रसाद, अनूप कुमार आर. अन्वीकर और सुभाष चंद्र। भारत में रीटुक्सिमैब बायोसिमिलर की गुणवत्ता का राष्ट्रीय नियंत्रण प्रयोगशाला मूल्यांकन। इम्यूनोडायग्नोसिस और इम्यूनोथेरेपी में मोनोक्लोनल एंटीबॉडी (2022)। 41(5): 260-274. (प्रभाव कारक 1.6)।
12. सुभाष चंद्र, ए. शर्मा, जे. पी. प्रसाद, जी. शर्मा। एचईआर 2. स्तन कैंसर कोशिकाओं के खिलाफ एल-शतावरी और ट्रास्टुजुमाब का सहक्रियात्मक मिश्रित प्रभाव। फार्मसी और प्रौद्योगिकी के अनुसंधान जर्नल (2022)। 15(12). (प्रभाव कारक 0.7)।
13. सुभाष चंद्र, केएन मिहूलिया, डीके साहू, जेपी प्रसाद, जी शर्मा। बेसिलस फ्लेक्सस एसएस से एल-शतावरी: अलगाव, स्क्रीनिंग, उत्पादन प्रक्रिया अनुकूलन, शुद्धिकरण और एंटीकैंसर गतिविधि। एप्लाइड बायोकेमिस्ट्री और माइक्रोबायोलॉजी (2022)। 58 (4): 416-427 (प्रभाव कारक 1.2)।
14. रश्मि श्रीवास्तव। सक्रिय नियामक सुरक्षित बायोफार्मास्यूटिकल्स के लिए महत्वपूर्ण हैं। <https://360info.org/> सक्रिय-नियामक-कुंजी-से-सुरक्षित-बायोफार्मास्यूटिकल्स
15. शिखा यादव, बिलाल उर रहमान, मोहम्मद अहमद खान और विजय पाल सिंह। "चूहों की आंत, हृदय और प्लीहा पर गाय के दूध में ए 1 ए 1 और ए 2 ए 2 कैसिइन का प्रभाव"। एकटा वैज्ञानिक पशु चिकित्सा विज्ञान। 4.11 (2022) : 117-119.
16. कुमार, एस., पेरुमल एन., राज वी.एस. (2022) मानव और चूहों की आंत माइक्रोबायोटा पर उच्च वसा और उच्च नमक आहार घटकों के प्रभाव का तुलनात्मक मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजी, फार्मसी एंड अलाइड साइंसेज, 11(5):2340-2359;

- [https://doi.org/ 10.31032/IJBPAS/2022 / 11.5.6081](https://doi.org/10.31032/IJBPAS/2022/11.5.6081)
17. कुमार, एस., धीमन, आर., प्रुडेंसियो, सी.आर., दा कोस्टा, ए.सी., विभूति, ए., लील, ई., चांग, सीएम, राज, वी.एस., और पांडे, आर.पी. काइटोसिन: दवा वितरण प्रणाली में अनुप्रयोग। औषधीय रसायन विज्ञान में मिनी समीक्षा, 23 (2), 187–191 <https://doi.org/10-2174/1389557522666220609102010> (जर्नल का प्रभाव IF–3.862)।
 18. कुमार, एस., मुखर्जी, आर., अरूरा, एस., राज, वीएस, पांडे, आरपी, चांग, सीएम (2022). उन्नत जैविक सुरक्षा परीक्षणों के लिए 3 आर पहल बीएओजे माइक्रोबायोलॉजी, 6 (1): 1003.
 19. कुमार, एस., राज, वी.एस., अहमद, ए., और सैनी, वी. (2022). एमोक्सिसिलिन चूहों में अल्पकालिक उच्च वसा वाले आहार प्रेरित पैथोफिजियोलॉजी में सुधार के लिए आंत माइक्रोबायोटा को नियंत्रित करता है। आंत पैथोजेन्स, 14 (1), 40 <https://doi.org/10.1186/s13099-022-00513-0> (जर्नल का प्रभाव आईएफ 5.324,
 20. कुमार, एस., पेरुमल, एन., यादव, पी.के., पांडे, आर.पी., चांग, सी.एम., और राज, वी.एस. चूहों में अल्पकालिक उच्च नमक आहार से प्रेरित पैथोफिजियोलॉजी पर एमोक्सिसिलिन प्रभाव। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 12 (1), 19351 <https://doi.org/10.1038/s41598-022-21270-9> (जर्नल का प्रभाव आईएफ 5.516)
 21. यादव एस., कुमारी बी., ठाकुर एन., कुमार एस., भारती वी.के. पशुधन मांस और मछली: संभावित मिलावट, दूषित पदार्थों की उपस्थिति और उनका पता लगाना। खाद्य मिलावट और संदूषकों पर हैंडबुक – पहचान, रसायन विज्ञान और स्वास्थ्य खतरे। न्यू इंडिया प्रकाशन एजेंसी (एनआईपीए), नई दिल्ली (स्वीकृत)।
 22. अनूप कुमार, उत्कर्ष साहू, प्रतिमा कुमारी, अंशुमन दीक्षित, प्रशांत खरे, “सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ ऑन्कोजेनिक स्ट्रेन एचपीवी 16 और 18 को लक्षित करके इम्यूनोइन्फॉर्मेटिक्स प्लेटफॉर्म का उपयोग करके मल्टी-एपिटोप चिमरिक वैक्सीन का डिजाइन” वैज्ञानिक रिपोर्ट, 12, 9521 (2022) (प्रभाव कारक (प्रभाव कारक –4.380)।
 23. अमृतपाल कौर, यश शर्मा, अनूप कुमार, मधुमिता पी. घोष और कुमुद बाला। “सर्वाइकल कार्सिनोमा पर एबुस प्रीकैंटोरियस बीज अर्क की इन-विट्रो एंटीप्रोलिफेरेटिव प्रभावकारिता”। वैज्ञानिक रिपोर्ट 12, 10226 (2022) (प्रभाव कारक–4.380)
 24. अनूप कुमार, प्रवीण राय, एचपीवी के खिलाफ वैक्सीन विकास में हालिया प्रगति और रणनीतियां, एचपीवी प्रेरित विकृतियों के इम्यूनोडायग्नोसिस उपचार, अकादमिक प्रेस 2022, आईएसबीएन: 9780323917971.
 25. मनोज कुमार, संगीता पाहूजा, प्रशांत खरे, अनूप कुमार। हेपेटाइटिस बी वायरस के निदान की वर्तमान चुनौतियां और भविष्य के दृष्टिकोण, निदान 2023, 13 (3), 368.
 26. श्रुति पडवु, बल्लामूले कृष्ण कुमार, अनूप कुमार और प्रवीण राय। मानव पेपिलोमावायरस –45 ई 6, ई 7 और एल 1 प्रोटीन के सिलिको विश्लेषण में संभावित इम्यूनोजेन्स के रूप में, जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी (जेपीएम)।
 27. श्रुति पडवु, पूजा ऐचपुरे, बल्लामूले कृष्ण कुमार, अनूप कुमार, राधाकांता राठो, शिप्रा सोनकुसरे, इंद्राणी करुणासागर, इद्या करुणासागर, प्रवीण राय। (2023). गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच और निदान के लिए नैदानिक और प्रयोगशाला का पता लगाने में एक अंतर्दृष्टि। आणविक निदान में विशेषज्ञ समीक्षा। doi: 10.1080 / 14737159.2023.2173580
 28. विकास मेहता, जयपाल मीणा, हरित कसाना, अंजना मुंशी, हरीश चंद्र। “स्तन कैंसर में सीएचएसी1 प्रकटीकरण का रोगसूचक महत्व”। आणविक जीवविज्ञान रिपोर्ट.2022. 9: 8517– 8526
 29. अंशुल शर्मा, विक्रान्त मेहता, सुमन रानी, मुसाफुमी नोदा, मासानोरी सुगियामा, हरीश चंद्र, बलजिंदर कौर. “पेडिओकोकस एसिडिलैक्टिकी बीडी16(एएलएडी) द्वारा उत्पादित एल-एलानिन के बायोमेडिकल अनुप्रयोग”। एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी और जैव प्रौद्योगिकी.2022: 4(106); 1435-1446
 30. विक्रान्त मेहता, प्रभात सुमन, हरीश चंद्र . उच्च स्तर की प्रोटीन प्रतिक्रिया का स्तर कैंसर के टिसुओं में कैंसर की प्रगति के संकेत के साथ संबद्धता। क्लीनिकल एंड ट्रांसलेशनल ऑन्कोलॉजी. 2022. 12: 2352- 2365
 31. प्रभात सुमन, विक्रान्त मेहता, एंड्रयू , डब्ल्यूबी क्रेग, हरीश चंद्र. वाइल्ड टाइप पी53 आक्रमण को कम करने के लिए फार्मिंग-बाइंडिंग प्रोटीन (एफबीपी 17) को अप्रभावी कर देता है – कार्सिनोजेनेसिस.2022. 5; 494-503

अनुसंधान और विकास

I. पीएचडी कार्यक्रम की शुरुआत

उच्चतर उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में एक कदम के रूप में, 28 फरवरी 2022 को एनआईबी और एसीएसआईआर के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अनुसरण में, संस्थान के पास अगस्त 2022 सत्र में 7 पीएचडी छात्रों का पहला बैच आया और जनवरी 2023 सत्र के लिए 5 पीएचडी छात्र आए थे।

I. आंतरिक तथा बाह्य अनुसंधान परियोजनाएं

एनआईबी के वैज्ञानिक जैविकों के क्षेत्र में अपने प्रयोगशाला कार्य के अनुसार वैज्ञानिक अनुसंधान कर रहे हैं। एन = 14 आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं को एनआईबी फंडिंग से चलाया जा रहा है और वैज्ञानिकों ने बाहरी फंडिंग भी हासिल की है तथा चालू रिपोर्टिंग वर्ष में एन=3 बाह्य परियोजनाएं चल रही हैं। एनआईबी में एनआईबीएससी, ईडीक्यूएम, आदि जैसे संगठनों से सहयोगात्मक अनुसंधान अथवा अध्ययन का भी स्वागत है।

क. बाह्य अनुसंधान परियोजनाएं

क्र. सं.	परियोजना का नाम (बाह्य)	फंडिंग एजेंसी	परियोजना प्रभारी एवं सह परियोजना प्रभारी
1.	तुलनात्मक सेल आधारित और प्रोटीओमिक्स जांच का उपयोग करके कैंसर चिकित्सा के लिए मानव ग्रेट वॉल किनेज के विरुद्ध नए क्रोमोन डेरिवेटिव की क्षमता का मूल्यांकन करना।	आईसीएमआर	डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक-II
2.	सार्स-सीओवी-2 के विभिन्न उपभेदों के लिए उनकी विशिष्टता और संवेदनशीलता बढ़ाने की दिशा में कोविड-19 आरटी-पीसीआर किट का सामंजस्य दक्षता डेटा।	आईसीएमआर	डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक-II
3.	“स्तन कैंसर सेल लाइनों में एचईआर 2 की अभिव्यक्ति में परिवर्तनशीलता के आधार पर एंटी-एचईआर 2 चिकित्सीय मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की जैविक गतिविधि के लिए इन-विट्रो बायोएसे का विकास”।	आईसीएमआर	डॉ. हरीश चंद्र, उप निदेशक (क्यूसी)

ख. रामलिंगस्वामी फ़ैलोशिप परियोजना

क्र. सं.	परियोजना का नाम	फंडिंग एजेंसी
1.	संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों के रूप में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के नए ग्लाइकोसिल ट्रांसफेरेस की संरचना-कार्य लक्षण वर्णन	डीबीटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

ग. आंतरिक अनुसंधान परियोजनाएं

क्र. सं.	परियोजना का नाम (आंतरिक)	प्रयोगशाला
1)	इंसुलिन ग्लार्गिन के लिए राष्ट्रीय संदर्भ मानक कार्यक्रम का विकास	पुनः संयोजक उत्पाद प्रयोगशाला
2)	एरिथ्रोपॉयटिन के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण के लिए पशु परीक्षण हेतु वैकल्पिक विधि	पुनः संयोजक उत्पाद प्रयोगशाला
3)	रिकाम्बिनेंट फोलिकल स्टिम्यूलेंटिंग हार्मोन (आरएफएसएच) की जैविक गतिविधि निर्धारित करने के लिए सेल लाइन आधारित परख (एसे) का विकास और वैधीकरण	एंजाइम और हार्मोन प्रयोगशाला
4)	मौजूदा बायोएसे के प्रतिस्थापन के लिए क्रोमोजेनिक पद्धति द्वारा यूरोकिनेज एसे की क्षमता का आकलन।	एंजाइम और हार्मोन प्रयोगशाला
5)	मानव रेबीज इम्युनोग्लोब्यूलिन (आईएम) में क्षमता परख के लिए एक वैकल्पिक किट-आधारित विधि का विकास	रक्त उत्पाद प्रयोगशाला

क्र. सं.	परियोजना का नाम (आंतरिक)	प्रयोगशाला
6)	बार्बिटल बफर को मानव एल्बुमिन और मानव सामान्य/विशिष्ट इम्युनोग्लोबुलिन में "प्रोटीन संरचना" के लिए परीक्षण में एक वैकल्पिक उपयुक्त बफर के साथ प्रतिस्थापित करना।	रक्त उत्पाद प्रयोगशाला
7)	भारत में विपणन किए जाने वाले एंटी-सीडी 20 मोनोक्लोनल एंटीबॉडी बायोसिमिलर का विश्लेषणात्मक और कार्यात्मक लक्षण वर्णन	चिकित्सीय एंटीबॉडी प्रयोगशाला
8)	एफएसीएस के विकल्प के रूप में वेडोलिजुमैब की जैविक गतिविधि का स्पेक्ट्रोफोटोमेट्रिक मूल्यांकन	चिकित्सीय एंटीबॉडी प्रयोगशाला
9)	भारत में विपणन किए जाने वाले एंटी-एचईआर 2 मोनोक्लोनल एंटीबॉडी बायोसिमिलर की विश्लेषणात्मक प्रोफाइलिंग	चिकित्सीय एंटीबॉडी प्रयोगशाला
10)	ट्रास्टुजुमैब की जैविक गतिविधि के लिए राष्ट्रीय संदर्भ मानक (एनआरएस) का विकास	चिकित्सीय एंटीबॉडी प्रयोगशाला
11)	रितुक्सिमैब की जैविक गतिविधि के लिए राष्ट्रीय संदर्भ मानक (एनआरएस) का विकास	चिकित्सीय एंटीबॉडी प्रयोगशाला
12)	वायरल वेक्टर-आधारित टीकों के गुणवत्ता परीक्षण के लिए इम्युन फ्लुओरेसेंस और इम्युन-ब्लॉटिंग द्वारा सार्स सीओवी-2 की स्पाइक प्रोटीन अभिव्यक्ति का पता लगाना	टीका और एंटीसेरा प्रयोगशाला
13)	मानव एल्बुमिन तैयार करने में सोडियम सामग्री के माप के लिए आयन-चयनात्मक इलेक्ट्रोड पोटेन्शियोमेट्री के साथ विभिन्न फार्माकोपिया विधियों की तुलना।	टीका और एंटीसेरा प्रयोगशाला
14)	चार सप्ताह की अवधि के लिए अल्सेवर के सॉल्यूशन में पिघलाए जाने और फिर से निलंबित होने पर क्रायो-संरक्षित लाल रक्त कोशिकाओं की व्यवहार्यता के लिए तुलनात्मक अध्ययन।	रक्त उत्पाद प्रयोगशाला
15)	"कजलदहल और ब्यूरेट विधि द्वारा मानव सामान्य/विशिष्ट इम्युनोग्लोबुलिन में प्रोटीन सामग्री की तुलना"।	रक्त उत्पाद प्रयोगशाला
16)	"कजलदहल, ब्यूरेट विधि और एचपीएलसी द्वारा मानव सामान्य एल्ब्यूमिन में प्रोटीन सामग्री की तुलना"।	रक्त उत्पाद प्रयोगशाला
17)	परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (एएएस) का उपयोग करके मानव सीरम एल्बुमिन में एल्यूमीनियम सामग्री	रक्त उत्पाद प्रयोगशाला
18)	एंटीजन बाइंडिंग विधि द्वारा फैक्टर VIII में vWF सामग्री	रक्त उत्पाद प्रयोगशाला
19)	इंट्रा-वीनस उपयोग के लिए मानव सामान्य इम्युनोग्लोबुलिन हेतु "एंटी कॉम्प्लीमेंटरी एक्टिविटी" (एसीए) परीक्षण के लिए एक वैकल्पिक किट आधारित विधि।	रक्त उत्पाद प्रयोगशाला
20)	मानव एल्ब्यूमिन में प्रोटीन संरचना के निर्धारण के लिए एसडीएस-पेज का मूल्यांकन - एसडीएस-पेज और हॉरिजेंटल जोन इलेक्ट्रोफोरेसिस के बीच तुलनात्मक अध्ययन।	रक्त उत्पाद प्रयोगशाला
21)	सीएएमपी एसे के आधार पर बायोथेरेप्यूटिक्स के स्टरिलिटी परीक्षण के लिए रैपिड माइक्रोबायोलॉजिकल विधि।	रोगाणुरहिणता परीक्षण प्रयोगशाला
22)	पल्ड एम्पेरोमेट्री डिटेक्शन के साथ उच्च प्रदर्शन आयन एक्सचेंज क्रोमैटोग्राफी द्वारा पेंटावैलेंट वैक्सीन में एचआईबी की पीआरपी सामग्री का विधि-सत्यापन।	टीका और एंटीसीरा प्रयोगशाला
23)	विभिन्न सेल लाइनों पर सीएचएडीओएक्सX1-एनसीओवी-19 नमूनों में संक्रामकता एसे (सेल कल्चर आधारित) और क्यूपीसीआर द्वारा वायरस सामग्री का निर्धारण और एडेनोवायरल वेक्टर बैकबोन की पहचान।	टीका और एंटीसेरा प्रयोगशाला
24)	"विभिन्न स्तन कैंसर सेल लाइनों पर प्राकृतिक और सिंथेटिक यौगिकों के एंटीकैंसर प्रभाव का इन-विट्रो मूल्यांकन"।	टीका और एंटीसेरा प्रयोगशाला

संयुक्त निरीक्षणों के माध्यम से तकनीकी विशेषज्ञता का प्रतिपादन

संस्थान भारत में मानकों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इन संयुक्त निरीक्षणों (i) केंद्रीय औषधि मानक एवं नियंत्रण संगठन (सीएससीओ) के समन्वय में विनिर्माण परिसरों के संयुक्त निरीक्षण के माध्यम से (ii) पशुओं पर परीक्षणों के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण के उद्देश्य के लिए समिति (सीपीसीएसईए) द्वारा संचालित पशु सुविधाएं प्रदान कर तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करता है और (iii) एसोसिएशन फॉर एसेसमेंट एंड एक््रीडिटेशन ऑफ लेबोरेटरी एनिमल केयर इंटरनेशनल (एएएलएसी) तथा

संयुक्त निरीक्षण में शामिल एनआईबी के वैज्ञानिक

क्र. सं.	एनआईबी वैज्ञानिक	पदनाम
1.	डॉ चारु एम. कमल	वैज्ञानिक ग्रेड-I
2.	डॉ रत्नेश के. शर्मा	वैज्ञानिक ग्रेड-II
3.	डॉ हेमंत कुमार वर्मा	वैज्ञानिक ग्रेड-II
4.	सुश्री गुरमिंदर बिंद्रा	वैज्ञानिक ग्रेड-III

2. सीपीसीएसईए निरीक्षण:

डॉ शिखा यादव, वैज्ञानिक-I ने सीपीसीएसईए नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए 03 पशु सुविधाओं के सीपीसीएसईए निरीक्षण में भाग लिया ।

3. एएएलएसी अंतर्राष्ट्रीय साइट का दौरा :

डॉ शिखा यादव को एसोसिएशन फॉर एसेसमेंट एंड एक््रीडिटेशन ऑफ लेबोरेटरी एनिमल केयर, इंटरनेशनल (एएएलएसी) द्वारा 2017 में एडहॉक विशेषज्ञ के रूप में चुना गया था। वर्ष 2022-23 में, उन्हें दक्षिण पूर्व एशिया के लिए क्षेत्रीय निदेशक डॉ मॉटिप गेट्टायाकामिन द्वारा एक तदर्थ विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था, जो एएएलएसी परिषद के सदस्यों के साथ भारत में 4 इकाइयों/संस्थानों के साइट दौरे आयोजित करने में

भारत में परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए एनएबीएल मूल्यांकनकर्ताओं के रूप में तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान करता है ।

1. जीएमपी निरीक्षण:

सीडीएससीओ और राज्य औषधि नियंत्रण अधिकारियों के साथ भारत में 05 जैव-चिकित्सीय विनिर्माण इकाइयों के संयुक्त निरीक्षण में विषय विशेषज्ञों के रूप में 04 एनआईबी वैज्ञानिकों की प्रतिभागिता :

एएएलएसी की सहायता करता है ताकि एएएलएसी मान्यता उद्देश्यों के लिए उनके संस्थागत पशु देखभाल और उपयोग कार्यक्रम का आकलन किया जा सके ।

4. पशु जैव सुरक्षा स्तर 3 सुविधा का निरीक्षण

डॉ. सुरेश कुमार, वैज्ञानिक-III ने नई दिल्ली में दो संस्थानों की 02 पशु जैव सुरक्षा स्तर 3 सुविधा का निरीक्षण किया ।

5. एनएबीएल मूल्यांकनकर्ता :

श्री एन नंद गोपाल, वैज्ञानिक-III को राज्य खाद्य जल और उत्पाद शुल्क प्रयोगशाला की लेखा परीक्षा के लिए एनएबीएल मूल्यांकनकर्ता के रूप में नामित किया गया था ।



प्रशिक्षण इकाई

1. लक्ष्य और दायरा :

“जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण” में कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए, एनआईबी हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पूर्वोत्तर राज्यों के विश्वविद्यालयों से जैव प्रौद्योगिकी, माइक्रोबायोलॉजी, जैव रसायन के पोस्ट-ग्रेजुएट छात्रों और देश के जनजातीय क्षेत्रों अर्थात् छत्तीसगढ़, झारखंड, असम के विश्वविद्यालयों के छात्रों को भी प्रशिक्षण प्रदान करता है। एनआईबी रक्त प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (भारत सरकार) के सहयोग से देश के विभिन्न हिस्सों से आए रक्त बैंक कार्मिकों के लिए “रक्त सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण” विषय पर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। संस्थान विभिन्न विश्वविद्यालयों के ग्रेजुएट और पोस्ट-ग्रेजुएट छात्रों को उनकी तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विभिन्न एनआईबी प्रयोगशालाओं में जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण में 6 सप्ताह का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम और 4-6 महीने का प्रोजेक्ट वर्क भी प्रदान करता है, ताकि उन्हें अपने भविष्य के अनुसंधान प्रयासों में मदद मिल सके। जैविकों के क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार करने के उद्देश्य से, एनआईबी ने एक-दो सप्ताह की अवधि के प्रयोगशाला विशिष्ट संरचित (स्ट्रक्चर्ड) प्रशिक्षण सहित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं।

2. आयोजित प्रशिक्षण गतिविधियां:

2.1 रक्त प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के सहयोग से रक्त बैंक के कार्मिकों का प्रशिक्षण:

रक्त सेवाएं उपचारात्मक स्वास्थ्य सुविधाओं का एक महत्वपूर्ण घटक हैं। अस्पतालों में गंभीर रोगियों की देखभाल के लिए रक्त और रक्त घटकों की पर्याप्त और सुरक्षित आपूर्ति आवश्यक है। रक्त प्रकोष्ठ, एनएचएम का मिशन रक्त बैंकिंग के क्षेत्र में विविध गतिविधियों के विकास और एकीकरण के लिए एक समन्वित दीर्घकालिक कार्य योजना विकसित करना है, जिसमें

प्राथमिकताओं पर सावधानीपूर्वक विचार किया गया और देश में प्रभावी रक्त सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए संसाधनों और धन का इष्टतम उपयोग हो सके।

राष्ट्रीय जैविक संस्थान ने रक्त प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के सहयोग से रक्त सेवाओं को सुदृढ़ करने में तकनीकी सहायता के लिए एनआईबी नोएडा में दिनांक 09-01-2023 से 14-01-2023 तक आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य के 41 प्रतिभागियों के लिए “ब्लड बैंक कार्मिकों का छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण” आयोजित किया।

एनआईबी (आईडीकेएल, बीआरएल और हीमोविजिलेंस सेल) में सरकारी ब्लड बैंक के कार्मिकों के लिए हैंड्स-ऑन (व्यावहारिक) प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिससे भारत में रक्त सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में निम्नलिखित क्षेत्रों में तकनीकी सहायता मिलती है :

- ट्रांसफ्यूजन के माध्यम से होने वाले रोग और ब्लड ग्रुप सीरोलॉजी के लिए ईक्यूएस ।
- सेल काउंटर्स के उपयोग और इसके गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रशिक्षण ।
- हीमोविजिलेंस प्रशिक्षण (बीबीओ/चिकित्सक/दाता)
- ब्लड बैंक प्रबंधन में कमियों का विश्लेषण
- कुल गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली
- देश में रक्त बैंकों और रक्त सेवाओं के मानकों में सुधार करना ।

यह पहल रक्त और रक्त उत्पादों की बेहतर गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता में सुधार के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति के अंतर को पाटने में मदद करेगी, वर्तमान उत्तम प्रयोगशाला प्रथाओं (सीजीएलपी) की आवश्यकताओं को पूरा करेगी और कुल गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करेगी।

छत्तीसगढ़ राज्य के रक्त बैंक कार्मिकों का प्रशिक्षण



2.2 "राष्ट्रीय कौशल विकास और हैंड्स-ऑन (व्यावहारिक) प्रशिक्षण कार्यक्रम" के तहत एनआईबी में विभिन्न विश्वविद्यालयों के एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी छात्रों का प्रशिक्षण :

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य एनएबीएल मान्यता प्राप्त और सीडीएल अधिसूचित प्रयोगशालाओं में बायोथेरेप्यूटिक्स, डायग्नोस्टिक्स और वैक्सीन सहित जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण में हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण के माध्यम से एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री छात्रों के विश्लेषणात्मक कौशल और तकनीकी ज्ञान को विकसित करना और उसमें वृद्धि करना है।

प्रशिक्षण में एचपीएलसी, इलेक्ट्रोफोरेसिस, एलिसा, बैक्टीरियल एंडोटॉक्सिन परीक्षण, ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिटेड संक्रमण परीक्षण, रक्त सीरोलॉजी, सेल कल्चर एसेप्टिक हैंडलिंग, सब-कल्चरिंग और रखरखाव, सेल लाइन आधारित शक्ति परीक्षण, पशु हैंडलिंग, प्रयोगशाला पशुओं का उपयोग आदि जैसी गुणवत्ता मूल्यांकन में उपयोग की जाने वाली तकनीकों को शामिल किया गया है। साथ ही एनआईबी की विभिन्न प्रयोगशालाओं में किए गए जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण और जैविक परीक्षण के वैश्विक परिदृश्य के बारे में जागरूकता पैदा करना है। इस कार्यक्रम के तहत आयोजित तीन प्रशिक्षण बैच तालिका 1 में दिए गए हैं :

तालिका 1: जैविक गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम पर राष्ट्रीय कौशल विकास और हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण के अनुरूप दो सप्ताह का आवासीय प्रशिक्षण।

प्रशिक्षण	अवधि		प्रतिभागियों की संख्या
संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ और बोडोलैंड विश्वविद्यालय असम के एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास का व्यावहारिक प्रशिक्षण।	06-06-2022	17-06-2022	32
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला, हिमाचल प्रदेश और शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास का व्यावहारिक प्रशिक्षण।	12-09-2022	23-09-2022	30
मणिपुर विश्वविद्यालय इम्फाल, मणिपुर के एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास का व्यावहारिक प्रशिक्षण।	05-12-2022	16-12-2022	22
कुल			84

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय और बोडोलैंड विश्वविद्यालय



हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला, हिमाचल प्रदेश और शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय



मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर, इम्फाल,



2.3 विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रशिक्षण

यह संस्थान विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों को विभिन्न एनआईबी प्रयोगशालाओं में जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण में 6

सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम और 4-6 महीने का परियोजना कार्य भी प्रदान करता है। विभिन्न विश्लेषणात्मक प्लेटफार्म पर दिया गया प्रशिक्षण उन्हें कुशल बनाता है, उनके भविष्य के अनुसंधान प्रयासों में मदद करता है और उन्हें रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

तालिका 2: एनआईबी, नोएडा में आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण और परियोजना कार्य।

क्र. सं.	प्रशिक्षण अवधि	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	कुल	
1	जैव प्रौद्योगिकी, जैव रसायन, माइक्रोबायोलॉजी, फार्मसी आदि विषय के पोस्ट ग्रेजुएट/अंडर ग्रेजुएट छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण	अप्रैल, 2022	मार्च, 2023	16	41
2.	जैव प्रौद्योगिकी, जैव रसायन, माइक्रोबायोलॉजी, फार्मसी आदि विषय के पोस्ट ग्रेजुएट/अंडर ग्रेजुएट छात्रों के लिए प्रोजेक्ट वर्क	अप्रैल, 2022	मार्च, 2023	25	

2.4 सत्र-2022-2023 के प्रोजेक्ट वर्क प्रशिक्षुओं के लिए साप्ताहिक संगोष्ठी का आयोजन

छात्रों (एनआईबी में सत्र 2022 के लिए छह महीने के प्रोजेक्ट वर्क में शामिल) को संवेदनशील बनाने के लिए, एनआईबी में किए जा रहे प्रमुख फोकल तकनीकी

मापदंडों के साथ, एनआईबी की सभी प्रयोगशालाओं को शामिल करते हुए एक साप्ताहिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

2.5 संरचित अनुकूलित (स्ट्रक्चर्ड कस्टमाइज्ड) अल्पकालिक प्रयोगशाला आधारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

तालिका 3:- शुरु किए गए नए संरचित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का विवरण

क्र. सं.	प्रशिक्षण का शीर्षक	अवधि	प्रतिभागी	प्रयोगशाला
1.	“अनुसंधान और नियामक परीक्षण में प्रयोगशाला पशुओं का नैतिक उपयोग और देखभाल” पर 05-दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	18-04-2022 से 22-04-2022	11	इन-विवो बायोएसे प्रयोगशाला और पशु सुविधा
		19-12-2022 से 23-12-2022	20	
2.	“आरएनए एक्स्ट्रेक्शन सहित आरटी-पीसीआर” पर 05-दिवसीय अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	04-07-2022 से 08-07-2022	1	कोविड-19 किट परीक्षण प्रयोगशाला
3.	“जैविक और टीकों के मूल्यांकन के लिए सेल कल्चर आधारित तकनीक” पर 05-दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	04-07-2022 से 08-07-2022	3	वैक्सीन और एंटीसेरा प्रयोगशाला
4.	“परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोमीटरी का उपयोग करके रक्त उत्पादों का गुणवत्ता नियंत्रण” पर 05-दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	22-08-2022 से 26-08-2022	3	रक्त उत्पाद प्रयोगशाला

क्र. सं.	प्रशिक्षण का शीर्षक	अवधि	प्रतिभागी	प्रयोगशाला
5.	“आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण और विधि सत्यापन मूल बातें” पर 05-दिवसीय प्रशिक्षण	05-09-2022 से 09-09-2022	1	जैव रासायनिक किट प्रयोगशाला
6.	“मानव इंसुलिन की पहचान और शक्ति परीक्षण के लिए रिवर्स फेज लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (आरपी-एचपीएलसी) का अनुप्रयोग” पर 05 दिवसीय प्रशिक्षण	26-12-2022 से 30-12-2022	2	पुनः संयोजक उत्पाद प्रयोगशाला
	कुल		41	

अनुसंधान और नियामक परीक्षण में प्रयोगशाला पशुओं का नैतिक उपयोग और देखभाल (अप्रैल 2022) जैविक और टीकों के मूल्यांकन के लिए सेल कल्चर आधारित तकनीक (जुलाई 2022)



परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोमीट्री का उपयोग करके रक्त उत्पादों का गुणवत्ता नियंत्रण अगस्त 2022)

आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण और विधि सत्यापन मूल बातें (सितंबर 2022)



मानव इंसुलिन की पहचान और पोटेंसी परीक्षण के लिए रिवर्स फेज लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (आरपी-एचपीएलसी) का अनुप्रयोग”



2.6 वैज्ञानिक सहयोग के लिए एनआईबी-डीपीएसआरयू का समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह

एनआईबी और डीपीएसआरयू का समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह, एनआईबी में 17 मई 2022 को आयोजित किया गया था। माननीय वाइस चांसलर (प्रो. रमेश के गोयल) तथा दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंसेज

एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (डीपीएसआरयू) के वरिष्ठ अधिकारियों और एनआईबी के निदेशक डॉ. अनूप अन्वीकर और वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने इस समारोह में भाग लिया। दोनों संस्थानों के प्रतिनिधि सदस्यों ने औपचारिक समझौता ज्ञापन के माध्यम से सहयोग के तौर-तरीकों पर हस्ताक्षर किए, जिसमें "बायोफार्मास्यूटिकल्स के गुणवत्ता नियंत्रण पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम" भी शामिल है।



2.7 पुनः संयोजक उत्पाद प्रयोगशाला द्वारा "वेस्टर्न ब्लॉटिंग" पर आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम :

एनआईबी की पुनः संयोजक उत्पाद प्रयोगशाला में वैज्ञानिकों और लैब तकनीशियनों के लिए "वेस्टर्न

ब्लॉटिंग" पर 02-दिवसीय आंतरिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन दो बैचों में किया गया पहला बैच 17-18 मई, 2022 और दूसरा बैच 02-03 जून, 2022 तक आयोजित किया गया।



2.8 "प्रभावी टीम का निर्माण" पर ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम

एनआईबी में 23 फरवरी 2023 को "प्रभावी टीमों का निर्माण" पर एक प्रशिक्षण एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम का

आयोजन किया गया। सिम्बयोसिस सेंटर फॉर मैनेजमेंट स्टडीज (एससीएमएस) नोएडा के दो अधिकारियों डॉ. निधि फुतेला (कार्यवाहक निदेशक) और डॉ. प्रिया ग्रोवर (एसोसिएट प्रोफेसर) ने प्रशिक्षण दिया।



एनआईबी प्रयोगशालाओं का दौरा

3.1 माननीय राज्य मंत्री – स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का दौरा

राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी-नोएडा), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में 30 जून 2022 को "राष्ट्र की सेवा में तीन दशक" विषय के तहत 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया गया। माननीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय डॉ. भारती प्रविण पवार ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री राजेश भूषण, सचिव- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, डॉ. बलराम भार्गव, सचिव –डीएचआर एवं महानिदेशक, आईसीएमआर, प्रो. राजेन्द्र सिंह सांगवान – निदेशक, एसीएसआईआर, डॉ. रजनी

कांत श्रीवास्तव – निदेशक, आरएमआरसी-आईसीएमआर, डॉ. शालिनी सिंह-निदेशक, एनआईसीपीआर, डॉ. किरण कुमार कार्लापू- उप सचिव – एमओएचएफडब्ल्यू, डॉ. रुबीना बोस- उप औषधि नियंत्रक –सीडीएससीओ और डॉ. मल्लिका गोप-निदेशक-एनएबीएल भी इस समारोह में उपस्थित थे। उक्त समारोह में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले और संस्थान की प्रगति में योगदान देने वाले कर्मचारियों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया। माननीय राज्य मंत्री ने अपने मुख्य भाषण में एनआईबी द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और उसकी सुरक्षा करने में संस्थान की भूमिका का उल्लेख किया और देश की औषधि विनियामक प्रणाली में संस्थान के महत्वपूर्ण योगदान की भी सराहना की।



माननीय राज्य मंत्री – स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का दौरा

3.2 17 देशों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का एनआईबी में दौरा :

राष्ट्रीय जैविक संस्थान-एनआईबी ने 14 फरवरी, 2023 को दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक 02 एनआईटीएस प्रतिनिधि अधिकारियों के साथ 17 देशों के 33 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए प्रयोगशाला दौरे की मेजबानी की। प्रतिनिधियों को एनआईबी की

बुनियादी जानकारी दी गई और विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा आयोजित किया गया एवं संबंधित वैज्ञानिकों के साथ संवाद की व्यवस्था की गई। उक्त प्रतिनिधि एनआईटीएस, नोएडा, भारत में विकासशील देशों के लिए "प्रयोगशालाओं की क्षमता और प्रबंधन प्रणाली" पर आयोजित 13 वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने आए हुए थे।



3.3 एनएबीएल अधिकारियों का एनआईबी में एक दिवसीय तकनीकी दौरा :

एनआईबी ने 16 सितंबर 2022 को एनआईबी में नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैंलिब्रेशन लेबोरेटरीज (एनएबीएल) के 47 अधिकारियों के एक दिवसीय तकनीकी दौरे की मेजबानी की। इन अधिकारियों को एनआईबी, प्रशिक्षण सुविधा और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के बारे में बुनियादी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया और संबंधित वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की।

3.4 एएचईआरएफ नई दिल्ली के पीजीडीसीआर छात्रों का प्रयोगशाला दौरा

एनआईबी ने 28 जून, 2022 को अपोलो हॉस्पिटल्स एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन (एएचईआरएफ, नई दिल्ली) के 12 पीजीडीसीआर छात्रों तथा फ़ैकल्टी के लिए प्रयोगशाला दौरे की मेजबानी की। छात्रों को एनआईबी के बारे में बुनियादी जानकारी दी गई और विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा कराया और इस दौरान उन्होंने संबंधित वैज्ञानिकों से बातचीत की।

3.5 13 जुलाई, 2022 को केरल के फार्मसी छात्रों का प्रयोगशाला दौरा

एनआईबी ने 13 जुलाई, 2022 को कॉलेज ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, (सरकारी मेडिकल कॉलेज कोट्टायम, केरल) के 04 संकाय सदस्यों तथा 38 बी. फार्मा छात्रों के लिए प्रयोगशाला दौरे का आयोजन किया। छात्रों को एनआईबी के बारे में बुनियादी जानकारी दी गई और उन्होंने विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया तथा उस दौरान संबंधित वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की।

3.6 आईआईपीएच – दिल्ली के एम.एससी. क्लिनिकल रिसर्च छात्रों का प्रयोगशाला दौरा:

एनआईबी ने 14 अक्टूबर, 2022 को आईआईपीएच – इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ दिल्ली (पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया) के 02 संकाय सदस्यों तथा 07 एम.एससी. क्लिनिकल रिसर्च छात्रों के लिए प्रयोगशाला दौरे का आयोजन किया। इस दौरान छात्रों को एनआईबी, प्रशिक्षण सुविधा तथा गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के बारे में बुनियादी जानकारी दी गई। छात्रों ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया और वहां पर संबंधित वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की।



केरल के फार्मसी छात्र



आईआईपीएच-दिल्ली के एम.एससी. क्लिनिकल रिसर्च के छात्र



एएचईआरएफ नई दिल्ली के पीजीडीसीआर छात्र

भारत का हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई)

1. आरंभ की गई वैज्ञानिक गतिविधियाँ:

क. भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम(एचवीपीआई) के कार्यकलापों का कार्यान्वयन और समन्वय एनआईबी के अधिदेशों(मेंडेटों) में से एक है, जिसे सचिव, (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण)/अध्यक्ष, एनआईबी शासी निकाय की अध्यक्षता में 12 दिसंबर 2014 को आयोजित एनआईबी शासी निकाय की 24वीं बैठक में अनुमोदित एनआईबी के उप-नियम 3.4.1 के अनुसार संचालित किया जाता है।

ख. उक्त वित्तीय वर्ष के दौरान इस कार्यक्रम के अंतर्गत 189 नये रक्त केन्द्रों को नामांकित किया गया है जिन्हें मिलाकर रक्त केन्द्रों की कुल संख्या 1428 हो गई है। राष्ट्रीय जैविक संस्थान के पास स्वदेशी रूप से विकसित सॉफ्टवेयर हीमो-विजिल और डोनर-विजिल के माध्यम से प्रतिकूल आधान प्रतिक्रियाओं और दाता प्रतिक्रियाओं हेतु एक वेब-आधारित रिपोर्टिंग प्रणाली है। इस वित्तीय वर्ष के दौरान हीमोविजिलेंस सॉफ्टवेयर(रों) के माध्यम से कुल 15,725 प्रतिकूल प्रतिक्रिया रिपोर्टें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 5,772 रिपोर्ट प्रतिकूल रक्त आधान प्रतिक्रियाओं से संबंधित हैं और 9,953 रिपोर्ट रक्तदान के दौरान की प्रतिक्रियाओं से संबंधित हैं।

ग. प्रकाशन

• इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन (आईएसबीटी) के अप्रैल 2022 अंक में ट्रांसफ्यूजन टुडे, संख्या : 131, अप्रैल 2022 के अंक में "भारत में हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के कार्यान्वयन का पहला दशक" पर एक लेख प्रकाशित किया गया है।

प्रशिक्षण / कार्यशाला / सम्मेलन का आयोजन :

• भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) के तहत एनआईबी ने कार्यक्रम के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए देश भर में 03 वर्चुअल सीएमई / कार्यशालाओं / सम्मेलनों का आयोजन किया जिनमें लगभग 360 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षित किए गए प्रतिभागियों में रक्त केंद्र के कार्मिक, चिकित्सक, नर्स, रक्त दाता प्रेरक, रक्त केंद्र तकनीकी कर्मचारी, पीजी छात्र और औषध नियंत्रण विभाग के कार्मिक शामिल थे।

• एनआईबी के हीमोविजिलेंस प्रभाग द्वारा 06 अप्रैल, 2022 को राष्ट्रीय रक्तदाता सतर्कता कार्यक्रम (एनबीडीवीपी) के तहत गंभीरता ग्रेडिंग टूल (एसजीटी) अध्ययन के तहत 50 रक्त केंद्रों के लिए एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। उक्त वेबिनार में प्रतिभागी केंद्रों के अलावा, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञों ने भी भाग लिया।

• डब्ल्यूएचओ कंट्री ऑफिस और राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) के सहयोग से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

(डीजीएचएस) द्वारा 14 और 15 जुलाई, 2022 को एनआईबी, नोएडा में "भारत में रक्त आधान सेवाओं के लिए रक्त सुरक्षा रोडमैप" पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर एचवीपीआई के प्रमुख ने एक रिसोर्स पर्सन के साथ-साथ वक्ता की भी भूमिका निभाई और उन्होंने उक्त कार्यशाला में "भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम" विषय पर प्रस्तुति दी।

• फेडरेशन ऑफ ब्लड डोनर ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया (एफबीडीओआई) और एनआईबी ने संयुक्त रूप से 01 और 02 दिसंबर, 2022 को एनआईबी, नोएडा में स्वैच्छिक रक्तदान, हीमोविजिलेंस और डोनर विजिलेंस पर राष्ट्रीय सीएमई और कार्यशाला का आयोजन किया। उक्त सीएमई और कार्यशाला में देश भर के स्वैच्छिक रक्त दाताओं, दाता प्रेरकों, रक्त केंद्र के कार्मिकों और सरकारी कार्मिकों सहित 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

• हिंद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एचआईएमएस) सीतापुर, उत्तर प्रदेश के सहयोग से राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी), नोएडा द्वारा 24 मार्च, 2023 को एचआईएमएस सीतापुर, उत्तर प्रदेश में भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम पर सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) का आयोजन किया गया। उक्त सीएमई में ब्लड बैंक के कार्मिकों, चिकित्सकों, तकनीशियनों, नर्सों, पीजी छात्रों और ड्रग्स कंट्रोल विभाग के अधिकारियों सहित लगभग 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण / कार्यशाला / सम्मेलन में सहभागिता:

राष्ट्रीय : -

• बराक वैली स्वैच्छिक रक्तदाता मंच केंद्रीय समिति और फेडरेशन ऑफ ब्लड डोनर ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया (एफबीडीओआई) द्वारा समर्थित हीमोविजिलेंस, रक्त दाता सतर्कता और स्वैच्छिक रक्तदान पर असम के सिलचर में 20-21 मई, 2022 को आयोजित दूसरी पूर्वोत्तर कार्यशाला में वर्चुअल मोड के माध्यम से भागीदारी की।

• उत्तर 24 परगना के बारासात रवीन्द्र भवन में 28-29 मई, 2022 को आयोजित एफआईबीडीओ, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित फेडरेशन ऑफ इंडियन ब्लड डोनर्स ऑर्गेनाइजेशन (एफआईबीडीओ) पश्चिम बंगाल राज्य सम्मेलन-2022 में वर्चुअल मोड के माध्यम से सहभागिता की।

• ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग, इंस्टीट्यूट आफ लिवर और बिलयरी साइंसेज (आईएलबीएस) द्वारा ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिसिबल संक्रमणों के लिए स्क्रीनिंग पर अपडेट विषय पर आईएलबीएस, नई दिल्ली में 22 जुलाई 2022 को आयोजित सीएमई में भागीदारी की।

- 10 और 11 सितंबर, 2022 को रामनगर उत्तराखंड में आईएसबीटीआई के तत्वावधान में श्री राम मूर्ति स्मारक आयुर्विज्ञान संस्थान, बरेली के ट्रांसप्यूजन मेडिसिन विभाग द्वारा आयोजित और बाल रोग, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा सह-आयोजित प्रथम वार्षिक सम्मेलन, पीईडी-ओबीजीवाई-प्यूजन 2022 में भाग लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय

- ब्राइटन में 6 से 8 जुलाई, 2022 तक आयोजित आईएचएन महासभा और आईएचएन शॉट हाइब्रिड संगोष्ठी 2022 में ऑनलाइन मोड के माध्यम से भागीदारी की। 6 जुलाई, 2022 को आईएचएन-शॉट हाइब्रिड संगोष्ठी 2022 के दौरान महासभा भी आयोजित की गई थी।
- दक्षिण पूर्व एशिया के लिए डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा 26 से 27 जुलाई, 2022 तक आयोजित "सुरक्षित रक्त और रक्त उत्पादों (जीपीएचजी) तक सार्वभौमिक पहुंच 2020 को आगे बढ़ाने के लिए डब्ल्यूएचओ एक्शन फ्रेमवर्क" के कार्यान्वयन की समीक्षा करने के लिए एनबीटीएस फोकल पॉइंट की वर्चुअल क्षेत्रीय बैठक में भाग लिया।

प्रयोगशाला/प्रभाग की उत्कृष्ट उपलब्धियां :

17-19 नवंबर, 2022 तक एनआईबी ने सहयोग से ब्लडकॉन-2022, राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला का आयोजन

फेडरेशन ऑफ इंडियन ब्लड डोनर ऑर्गेनाइजेशन

(एफआईबीडीओ) और एनआईबी ने संयुक्त रूप से 17 से 19 नवंबर, 2022 तक एनआईबी, नोएडा में ब्लडकॉन-2022, राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्घाटन श्री सोम प्रकाश, माननीय राज्य मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने किया। माननीय मंत्री ने देश में स्वैच्छिक रक्तदान अभियान की दिशा में एफआईबीडीओ द्वारा किए जा रहे नेक प्रयास की सराहना की और इस सम्मेलन के आयोजन और मेजबानी के लिए एनआईबी को बधाई दी।

डॉ. अनूप अन्वीकर, निदेशक, एनआईबी ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और एनआईबी की गतिविधियों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी और प्रतिनिधियों को सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सराहना की। देश भर के स्वैच्छिक रक्त दाताओं, दाता प्रेरकों, रक्त केंद्र के कार्मिकों और सरकारी कार्मिकों सहित 80 प्रतिभागियों ने उक्त सम्मेलन और कार्यशाला में भाग लिया।

जारी दस्तावेज

- श्री सोम प्रकाश, माननीय राज्य मंत्री, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उक्त सम्मेलन के दौरान एनआईबी द्वारा उत्तम रक्त आधान प्रथाएं – रक्त के तर्कसंगत उपयोग के लिए मार्गदर्शन दस्तावेज जारी किया गया।



सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग

1. प्रयोगशाला सूचना प्रबंधन सॉफ्टवेयर (लिम्स): आईटी सेल वर्तमान में इन-हाउस रूप से विकसित किए गए लिम्स सॉफ्टवेयर का रखरखाव और अपडेटिंग कर रहा है। वर्ष के दौरान, आईटी सेल ने सैंपल ट्रैकिंग इन्वॉयस जेनरेशन सॉफ्टवेयर और अन्य इन्वॉयस जेनरेशन सॉफ्टवेयर को अपडेट किया है और इनका लिम्स सॉफ्टवेयर में विलय कर दिया है। यह सॉफ्टवेयर निर्माताओं से प्राप्त परीक्षण शुल्क से संबंधित इन्वॉयस बनाने और अन्य सेवाओं जैसे पशुओं, बायोटेक उत्पादों, ई-वेस्ट और पुराने समाचार पत्रों आदि की बिक्री के लिए सुविधा प्रदान करता है।
2. इसके अलावा, आईटी सेल ने भाग-क और भाग-ख के तहत सीओए को भी अपडेट किया है, परीक्षण मापदंडों को हटाना और स्थानांतरित करना, परीक्षण शुल्क के साथ डेटाबेस में बदलाव, लिम्स पोर्टल में विभिन्न प्रयोगशालाओं के लिए दिनांक 01.04.2022 से जारी किए जाने वाले सभी सीओए में अस्वीकरण को शामिल किया है।
3. आईटी सेल ने डॉट नेट प्रौद्योगिकी का उपयोग करके लैन इंटरनेट पोर्टल को अपडेट किया है और आईआईएस सर्वर में तैनात किया है। आईटी सेल ने गुणवत्ता प्रबंधन इकाई से प्राप्त सूचना जैसे एसओपी, मोनोग्राफ, एएमसी रिकॉर्ड, समितियों आदि को भी लैन पोर्टल पर अपडेट किया है।
4. आईटी सेल ने जीईएम पोर्टल के माध्यम से सिक्वोर्ड सॉकेट लेयर सर्टिफिकेट प्राप्त किया है और इंटरनेट पर भेजी गई संवेदनशील जानकारी को एन्क्रिप्टेड रखने के लिए इसे nib.gov.in के साथ जोड़ा गया है ताकि इसे केवल इच्छित प्राप्तकर्ता ही एक्सेस कर सके।
5. डीएचसीपी सर्वर नेटवर्क सुरक्षा फायरवॉल में कॉन्फिगर किया गया है, आईटी से संबंधित सेवाओं को मजबूत करने के लिए नेटवर्क को सुरक्षित करने हेतु वेब और एप्लीकेशन नीति का कार्यान्वयन।
6. आईटी सेल ने मई, 2022 में संस्थान की नई डायनामिक वेबसाइट की सुरक्षा लेखा परीक्षा भी पूरी कर ली है।
7. एनआईबी पिछले कुछ वर्षों से जैविकों की गुणवत्ता पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बैठकों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन कर रहा है। आईटी सेल ने संस्थान में आयोजित विभिन्न ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों और बैठकों के लिए सम्मेलन कक्ष, बैठक कक्ष, क्लास रूम और जैव सूचना विज्ञान केंद्र में आईटी से संबंधित सहायता प्रदान की है। इसके अलावा, आईटी सेल ने वर्ष के दौरान आयोजित वर्चुअल बैठकों की व्यवस्था हेतु तकनीकी सहायता भी प्रदान की है।
8. आईटी सेल को ईमेल खातों के प्रबंधन के लिए एनआईसी से एडमिन एक्सेस प्राप्त है।
9. आईटी सेल ने संस्थान का नाम आईजीओटी कर्मयोगी और सरकारी भूमि सूचना प्रणाली (जीएलआईएस) पोर्टल पर पंजीकृत किया है।
10. एनआईसी के आधार आधारित उपस्थिति पोर्टल में डेटा-बेस संरचना को डिजाइन और विकसित किया गया है और संस्थान में सुसंगत (कंपैटिबल) मशीनें स्थापित की गई हैं।
11. आईटी सेल ने प्रयोगशाला सूचना प्रबंधन प्रणाली (लिम्स) के कार्यान्वयन के लिए निविदा पूछताछ प्रक्रिया शुरू की है और वर्तमान में यह प्रक्रिया जारी है।
12. आईटी सेल ने ई-ऑफिस (लाइट) और ई-ऑफिस (स्पैरो) के कार्यान्वयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है और प्रोफार्मा चालान जारी करने के लिए मैसर्स एनआईसीएसआई से अनुरोध किया गया है। इस संबंध में, विभिन्न प्रयोगशालाओं/प्रभागों को रिकार्ड की स्कैनिंग और डिजिटलीकरण, डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र और मल्टी-फंक्शनल प्रिंटर प्रदान किए गए हैं।

अभियांत्रिकी प्रभाग

अभियांत्रिकी गतिविधियाँ

एनआईबी परिसर में विशेष रूप से प्रयोगशाला और पशु-गृह भवन को विभिन्न अभियांत्रिक सेवाओं/सुविधाओं/स्थापना द्वारा सुसज्जित किया गया है ताकि दिन-प्रतिदिन के वैज्ञानिक कार्यकलापों का सुगमता से निष्पादन किया जा सके। वित्तीय वर्ष 2022-2023 के दौरान किए गए विभिन्न इंजीनियरिंग कार्यों/सेवाओं/सुविधाओं और स्थापनाओं के बारे में विवरण आगे दिया गया है।

शुरू किया गया इलेक्ट्रो मैकेनिकल इंजीनियरिंग कार्य :

निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रस्ताव/कार्य शुरू किए गए हैं अर्थात :-

- एनआईबी नोएडा में स्थापित "मैसर्स क्रॉम्पटन ग्रीव्स {क्रम संख्या 6058/2} के 08एमवीए, 33/11केवी, एचटी पावर ट्रांसफार्मर संख्या 2 की मरम्मत और ओवरहालिंग।
- प्रशासनिक भवन के बेसमेंट में स्थापित वॉक-इन-कोल्ड रूम का नवीनीकरण।
- प्रशासनिक और कैफेटेरिया भवन में लगाए गए एचवीएसी सिस्टम सेंट्रीफ्यूगल चिलर 200 टीआर, मैसर्स टीआरएएनई, यूएसए के मरम्मत कार्य की प्रक्रिया चल रही है।
- बॉयलरों को एचएसडी से प्राकृतिक गैस (एनजी) आधारित रूप में परिवर्तित करना।
- एनआईबी कैंपस के विभिन्न भवनों/क्षेत्रों में उपलब्ध/स्थापित विभिन्न इलेक्ट्रो-मैकेनिकल इंजीनियरिंग सेवाओं/सुविधाओं का दैनिक प्रचालन और रख-रखाव और मरम्मत का कार्य देखना।
- सीपीडब्ल्यूडी के साथ भूमिगत पाइपलाइनों में अग्निशमन प्रणाली का नवीनीकरण (रिनोवेशन)।
- एनआईबी, नोएडा की प्रयोगशाला और पशु गृह के लिए विशेष रूप से स्थापित एचवीएसी सिस्टम से जुड़ी "03 कूलिंग टावर्स (क्षमता: 3 x 930 टीआर) की आपूर्ति, प्रतिस्थापन, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग" का कार्य।
- एनआईबी, नोएडा में प्रयोगशाला और पशु हाउस भवन के लिए स्थापित एचवीएसी प्रणाली के लिए एयर हैंडलिंग इकाइयों में मौजूदा (कूलिंग कॉइल और हीटिंग कॉइल) को हटाना और आर्द्रता और तापमान नियंत्रकों के साथ कूलिंग और हीटिंग कॉइल की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग (एसआईटीसी) के लिए काम करना।

- सेन्ट्रिफ्यूगल चिलर (वाटर कूल्ड) की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए क्रमशः संबद्ध सहायक उपकरणों और पूर्ण कार्य के साथ निविदा और संविदा प्रदान करना और मैसर्स एचआईईटीईएस, नोएडा द्वारा एनआईबी, नोएडा में प्रयोगशाला और पशु गृह भवन में मौजूदा चिलर संख्या-3 (आउट ऑफ ऑर्डर) को हटाना और पुनर्खरीद करना।

उपर्युक्त के अलावा, संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2022-2023 के दौरान निम्नलिखित इंजीनियरिंग सेवाओं/सुविधाओं और अचल वैज्ञानिक उपकरणों के वार्षिक प्रचालन और रखरखाव अनुबंध और एएमसी/सीएमसी के लिए सेवा संविदाओं को अंतिम रूप दिया है/दिया जा रहा है।

- 20 वाक-इन-कोल्ड रूम, पर्यावरण कक्ष, लैब में स्थापित इन्क्यूबेटर और पशु गृह भवन, एनआईबी, नोएडा का प्रचालन और व्यापक संविदा।
- संस्थान के केंद्रीकृत जल मृदुलीकरण संयंत्र सहित अग्नि-शमन प्रणाली, जल आपूर्ति प्रणाली, जल मृदुलीकरण संयंत्र प्रणाली, न्यूट्रलाइजेशन प्रणाली का प्रचालन और रखरखाव के लिए व्यापक संविदा।
- 10.5 किग्रा/वर्ग से.मी. भाप उत्पादक बॉयलर पर 3x2.8 टी/घंटे एवं इकोनोमाइजर और संबद्ध सहायक उपकरण इत्यादि के लिए प्रचालन और अनुरक्षण संविदा।
- प्रयोगशाला और पशु गृह भवन में स्थापित केंद्रीकृत आर.ओ. प्लांट सिस्टम के लिए प्रचालन और रखरखाव संविदा।
- प्रयोगशाला और पशु गृह भवन, एनआईबी, नोएडा में स्थापित 17 फ्यूम हूड्स (मैसर्स केवौनी) का एएमसी।
- एनआईबी परिसर, नोएडा में 24 फायर हाउस बॉक्स और 48 फायर होज पाइप की आपूर्ति, स्थापना।
- बाहरी और आंतरिक सेवाओं (विद्युत) के लिए परिचालन और गैर-रखरखाव संविदा।
- संस्थान के विभिन्न भवनों में स्थापित विंडो/स्प्लिट कैसेट्स और पैकेज टाइप एसी इकाइयों सहित एचवीएसी संयंत्र प्रणाली के लिए परिचालन और रखरखाव संविदा।
- संस्थान के पशु-गृह भवन में स्थापित स्टेरलाइजर्स, ग्लासवेयर वाशर, ग्लासवेयर ड्रायर्स, टनल वाशर और केस और रैक वाशर के लिए प्रचालन और रखरखाव संविदा।

10. संस्थान के विभिन्न भवनों/क्षेत्रों में स्थापित अभियांत्रिकी स्थापनाओं/सुविधाओं/स्थिर वैज्ञानिक उपकरणों जिसमें एलिवेटर/लिफ्ट, केंद्रीकृत यूपीएस प्रणाली, विद्युत उपकरण, एलईडी साइनेज, दूरसंचार/ईपीएबीएक्स सिस्टम/पीआरआई लाइन सेवाएं, जैव-सुरक्षा कैबिनेट्स और लैमिनार एयर फ्लो स्टेशन, एयर कंप्रेसर (एटलस कोफको मेक), रेफ्रिजरेटर और जैव-अपशिष्ट निपटान शामिल हैं, की मरम्मत और रखरखाव के लिए भारत में ओईएम या उनकी अधिकृत सेवा एजेंसी के साथ एएमसी/सीएमसी संविदा ।
11. प्रयोगशाला और पशु गृह में स्थापित स्टेरिस, यूएसए के स्टीम स्टेरिलाइजर, वाशर और अन्य उपकरणों का प्रचालन और रखरखाव किया जाता है ।
12. एनआईबी नोएडा के प्रयोगशाला और पशु गृह भवन में स्थापित फायर अलार्म/डिटेक्शन सिस्टम और पीए सिस्टम के लिए परिचालन और गैर-व्यापक रखरखाव ।
13. एनआईबी कैंपस, नोएडा के मौजूदा स्टेरिलिटी क्लीन रूम में आर्द्रता और तापमान को नियंत्रित करने हेतु एक अलग एयर कंडीशनिंग यूनिट की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू करने का प्रावधान करना ।
14. विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार एनआईबी, नोएडा की प्रयोगशाला के स्टेरिलिटी क्लीन रूम का वर्ष में दो बार वैधीकरण कराना ।
15. "ईटीपी और एसटीपी के परिचालन और व्यापक रखरखाव" के लिए संविदा करना ।
16. प्रयोगशाला और पशु गृह के खराब स्टेनलेस स्टील (एसएस) पाइपिंग नेटवर्क में पानी के रिसाव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए एनआईबी और सीपीडब्ल्यूडी के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के कार्य में सहयोग ।
17. उत्तर प्रदेश, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से वायु और जल सहमति आदेश प्राप्त करने के लिए एनएबीएल मान्यता प्राप्त एजेंसी के माध्यम से स्टैक्स (ईटीपी, एसटीपी, चिमनी फ्लू, शोर, मिट्टी आदि) की पर्यावरणीय निगरानी ।
18. निविदा आमंत्रित करके क्यूएमयू कार्यालय की स्थापना और पशु सुविधा में कार्यालय के नवीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई ।
19. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन प्रशिक्षण, कौशल विकास प्रशिक्षण, संगोष्ठियों, बैठकों, गणमान्य व्यक्तियों के दौरे आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान संस्थान को समय-समय पर लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की गई ।
20. एनआईबी नोएडा के पशु गृह में कार्यालय कक्ष संख्या

एस-0126 और कमरा संख्या एस-0127 का नवीनीकरण ।

21. एनआईबी, नोएडा में प्रशासनिक भवन के भूतल पर गुणवत्ता प्रबंधन इकाई (क्यूएमयू) की स्थापना ।

सिविल अभियांत्रिकी

1. प्रशासन भवन हॉल में समर्पित क्यूएमयू कार्यालय की स्थापना ।
2. पशु गृह में कार्यालय कक्ष संख्या- एस0126 और एस0127 का नवीनीकरण ।
3. आउटडोर बॉयलर मशीनों की घिसी हुई जस्ती शीट छत की रिप्लेसमेंट ।
4. स्वच्छता कार्य योजना के तहत परिसर में संपूर्ण सीवरेज और जल निकासी प्रणाली की मशीनों द्वारा सफाई ।
5. उत्तर प्रदेश, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से वायु और जल सहमति आदेश प्राप्त करने के लिए एनएबीएल मान्यता प्राप्त एजेंसी के माध्यम से स्टैक (ईटीपी, एसटीपी, चिमनी फ्लू, शोर, मिट्टी आदि) की पर्यावरणीय निगरानी ।
6. आईएसओ 17025 और ओएचएसएस 18001-2007 आवश्यकताओं के अनुसार नियंत्रण, जांच, प्रणाली और प्रलेखन की निगरानी और रखरखाव ।
7. विशेष अभियान 2.0 के दौरान स्थान के सृजन, कार्यालय के रखरखाव और स्वच्छता से संबंधित की गई गतिविधियां ।
8. संरचना की मजबूती की जांच करने के लिए ओवरहेड और भूमिगत जलाशयों की आरसीसी संरचना का बगैर तोड़फोड़ के परीक्षण किया गया ।
9. एनआईबी परिसर के उत्तर-पश्चिम कोने में मुख्य साइन बोर्ड का अपग्रेडेशन ।
10. कार्यालय में "भारत के संविधान" के स्थायी प्रदर्शन के लिए व्यवस्था की गई ।
11. प्रयोगशालाओं, पशु सुविधा, अतिथि गृह, छात्रावास, कैफेटेरिया, कार्यालयों आदि में निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए 19 भवनों (35000 वर्ग मीटर से अधिक भवन क्षेत्र), सेवाओं और संस्थान परिसर में मरम्मत और रखरखाव कार्य और रखरखाव की शिकायतों से संबंधित समस्या निवारण का पूरा प्रबंधन ।
12. वार्षिक सेवा संविदाओं का पूर्ण प्रबंधन अर्थात् बागवानी, कीट और रोडेंट नियंत्रण और हाउसकीपिंग आदि का रखरखाव ।

प्रशासनिक कार्य का प्रतिवेदन

प्रशासन प्रमुख : श्री डब्ल्यू.जेड. काजी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

1. संस्थान का सामान्य निकाय

सामान्य निकाय की संरचना :

सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	अध्यक्ष
सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	सदस्य
सचिव, डीएचआर एवं डीजी, आइसीएमआर अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029	सदस्य
महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य
अपर सचिव (स्वास्थ्य) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य
संयुक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य
औषधि महानियंत्रक (भारत) स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय एफ.डी.ए. भवन, कोटला रोड, नई दिल्ली-110002	सदस्य
सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, एच. ब्लाक सचिवालय, आंध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश	सदस्य
सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, राइटर्स बिल्डिंग, कोलकाता	सदस्य
अध्यक्ष, सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया लि., 212/2, हडपसर, पुणे-411028	सदस्य
निदेशक, पाश्चर इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, कुन्नूर-643103 (द नीलगिरी)	सदस्य



अध्यक्ष—सह—प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, आनंद, गुजरात	सदस्य
प्रबंध निदेशक, हॉफकिन बायो फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन लि., आचार्य डोंडे मार्ग, परेल, मुंबई	सदस्य
निदेशक, एनआईबी, नोएडा	सदस्य सचिव

2. संस्थान की शासी निकाय
शासी निकाय की संरचना :

सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	अध्यक्ष
सचिव, (डीबीटी), भारत सरकार ब्लॉक सं. 2, सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स लोधी रोड, नई दिल्ली-110003	सदस्य
सचिव, डीएचआर एवं महानिदेशक, आईसीएमआर अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029	सदस्य
महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य
अपर सचिव (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य
संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य
भारत के औषधि महानियंत्रक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य
निदेशक, राष्ट्रीय जैविक संस्थान, नोएडा	सदस्य सचिव

शासी निकाय की बैठकें :

शासी निकाय की 32वीं बैठक 27.08.2022 को आयोजित की गई।
शासी निकाय की 33वीं बैठक 14.02.2023 को आयोजित की गई।

3. स्थायी वित्त समितियां

स्थायी वित्त समिति की संरचना

अपर सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	अध्यक्ष
अपर महानिदेशक, आइसीएमआर अथवा उनके नामित भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029	सदस्य
संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य
औषधि महानियंत्रक, (भारत) अथवा उनके नामित (सहायक औषधि नियंत्रक (भारत) के पद से कम नहीं) एफ.डी.ए. भवन, नई दिल्ली-110002	सदस्य
निदेशक, (आईएफडी) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य
निदेशक राष्ट्रीय जैविक संस्थान, नोएडा	सदस्य सचिव

स्थायी वित्तीय समिति की बैठकें

स्थायी वित्त समिति की 34वीं बैठक 14.11.2022 को आयोजित की गई।



4. संस्थान में वर्ष 2022-23 के दौरान पदोन्नतियाँ / नियुक्तियाँ / सेवानिवृत्ति / सेवा छोड़ना।

नियुक्तियाँ

क्रं.स.	नाम	पदनाम
1	सुश्री निशा ढिल्लों	सहायक-I - 07.09.2022
2	श्री अक्षत सभरवाल	सहायक-I - 27.09.2022
3	श्री नितेश कुमार	सहायक-I - 07.10.2022
4.	सुश्री सरोज वर्मा	सहायक-I - 14.12.2022
5.	श्री प्रवीण कुमार	सहायक-I - 27.12.2022
6.	श्री आलोक वर्मा	सहायक-II - 15.09.2022
7.	श्री रोहित कुमार सिंह	सहायक-II - 23.09.2022
8.	सुश्री कोमल प्रकाश	सहायक-II - 27.09.2022
9.	श्री निखिल प्रताप सिंह	सहायक-II - 13.10.2022

पदोन्नतियाँ

क्रं.स.	नाम	पदनाम
1.	डॉ हरीश चंद्र	उप निदेशक (गुणवत्ता नियंत्रण) 30.08.2022
2.	डॉ शिखा यादव	वैज्ञानिक ग्रेड-I (पशु चिकित्सक) 30.08.2022
3.	डॉ चारु एम. कमल	वैज्ञानिक ग्रेड-I 30.08.2022
4.	सुश्री सुधा वी. गोपीनाथ	वैज्ञानिक ग्रेड-II 03.01.2023
5.	श्री बृज बहादुर	कनिष्ठ वैज्ञानिक 16.01.2023

कर्मचारी जिसे समय पूर्व सेवानिवृत्ति दी गई

क्रं.स.	नाम	पदनाम
1	श्री जे.पी. पंत	प्रशासनिक अधिकारी

5. कार्यरत स्टॉफ

कार्मिक

क. वैज्ञानिक

क्र.स.	नाम	पदनाम
1.	डॉ अनूप अन्वीकर	निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
2.	डॉ हरीश चंद्र	उप निदेशक (गुणवत्ता नियंत्रण)
3.	डॉ शिखा यादव	वैज्ञानिक ग्रेड-I (पशु चिकित्सक)
4.	डॉ चारु एम. कमल	वैज्ञानिक ग्रेड-I
5.	श्री नीरज मलिक	वैज्ञानिक ग्रेड II
6.	डॉ आकांक्षा बिष्ट	वैज्ञानिक ग्रेड II
7.	डॉ मीना कुमारी	वैज्ञानिक ग्रेड II
8.	डॉ हेमंत कुमार वर्मा	वैज्ञानिक ग्रेड II
9.	श्री हरित कसाना	वैज्ञानिक ग्रेड II
10.	डॉ गौरी मिश्रा	वैज्ञानिक ग्रेड II
11.	डॉ रत्नेश कुमार शर्मा	वैज्ञानिक ग्रेड II
12.	सुश्री अजंता सरकार	वैज्ञानिक ग्रेड II
13.	सुश्री सुधा वी. गोपीनाथ	वैज्ञानिक ग्रेड-II
14.	सुश्री कंचन आहूजा	वैज्ञानिक ग्रेड III
15.	डॉ राजेश कुमार शर्मा	वैज्ञानिक ग्रेड III
16.	सुश्री गुरमिन्दर बिन्द्रा	वैज्ञानिक ग्रेड III
17.	सुश्री शालिनी तिवारी	वैज्ञानिक ग्रेड III
18.	डॉ ऋचा बरनवाल	वैज्ञानिक ग्रेड III
19.	सुश्री रश्मि श्रीवास्तव	वैज्ञानिक ग्रेड III
20.	सुश्री वाई मधु	वैज्ञानिक ग्रेड III
21.	डॉ सुरेश कुमार (कनिष्ठ पशु चिकित्सक)	वैज्ञानिक ग्रेड III
22.	श्री सुभाष चंद्र	वैज्ञानिक ग्रेड III
23.	डॉ. मनोज कुमार	वैज्ञानिक ग्रेड III
24.	श्री जयपाल मीणा	वैज्ञानिक ग्रेड III
25.	श्री तारा चंद्र	वैज्ञानिक ग्रेड III
26.	डॉ पंकज कुमार शर्मा	वैज्ञानिक ग्रेड III
27.	श्री एन नंद गोपाल	वैज्ञानिक ग्रेड III
28.	डॉ. अश्विनी कुमार दुबे	वैज्ञानिक ग्रेड III
29.	डॉ संजय मेंदीरत्ता	वैज्ञानिक ग्रेड III
30.	डॉ वरुण सिंह	वैज्ञानिक ग्रेड III



31.	डॉ सौरभ शर्मा	वैज्ञानिक ग्रेड III
32.	डॉ. मजुंला किरण	कनिष्ठ वैज्ञानिक
33.	सुश्री वंदना टंडासी	कनिष्ठ वैज्ञानिक
34.	डॉ बीरेंद्र कुमार	कनिष्ठ वैज्ञानिक
35.	श्री अजय कुमार अडे	कनिष्ठ वैज्ञानिक
36.	श्री अनिर्बन मुखर्जी	कनिष्ठ वैज्ञानिक
37.	डॉ. अनूप कुमार	कनिष्ठ वैज्ञानिक
38.	सुश्री अर्चना सयाल	कनिष्ठ वैज्ञानिक
39.	श्री राजीव कुमार	कनिष्ठ वैज्ञानिक
40.	मो. दारुद अली	कनिष्ठ वैज्ञानिक
41.	डॉ. स्वाति शालिनी	कनिष्ठ वैज्ञानिक
42.	सुश्री अपूर्वा आनंद	कनिष्ठ वैज्ञानिक
43.	श्री पारस जैन	कनिष्ठ वैज्ञानिक
44.	श्री बृज भूषण	कनिष्ठ वैज्ञानिक
45.	श्री सुभाष कुमार	कनिष्ठ वैज्ञानिक
46.	डॉ. सुप्रिया सैनी	कनिष्ठ वैज्ञानिक
47.	श्री अनूप कुमार	कनिष्ठ वैज्ञानिक
48.	सुश्री सांची गोयल	कनिष्ठ वैज्ञानिक
49.	श्री बृज बहादुर	कनिष्ठ वैज्ञानिक
50.	सुश्री गिरिजा एल. वी.	प्रयोगशाला तकनीशियन
51.	श्री सुखेन माझी	प्रयोगशाला तकनीशियन
52.	डॉ मोहम्मद इमरान	प्रयोगशाला तकनीशियन
53.	श्री रितेश कुमार	प्रयोगशाला तकनीशियन
54.	श्री मोहित लाल	प्रयोगशाला तकनीशियन
55.	सुश्री पूनम	प्रयोगशाला तकनीशियन
56.	श्री लखन	प्रयोगशाला तकनीशियन
57.	श्री प्रेम कुमार प्रसाद	प्रयोगशाला तकनीशियन
58.	श्री सिंटो एम.वी.	प्रयोगशाला तकनीशियन
59.	श्री मोहित शर्मा	प्रयोगशाला सहायक
60.	सुश्री प्रिया भट्ट	प्रयोगशाला सहायक
61.	श्री राजीव कुमार श्रीवास्तव	प्रयोगशाला सहायक
62.	श्री प्रदीप	प्रयोगशाला सहायक
63.	श्री नरेन्दर कुमार	प्रयोगशाला सहायक
64.	श्री परमिंदर कुमार	कनिष्ठ पशु देखभाल कर्ता

ख. प्रशासन, वित्त, उपार्जन और अभियांत्रिक

क्रं.स.	नाम	पदनाम
1.	श्री डब्ल्यू.जेड. काजी	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी(उपा.)
2.	श्री पी.के. महापात्र	प्रशासनिक अधिकारी (वित्त)
3.	श्री दीपक महाजन	कनिष्ठ प्रोग्राम अधिकारी
4.	श्री मनमीत सिंह भाटिया	अनुभाग अधिकारी
5.	श्री यून. एन. भार्मा	अनुभाग अधिकारी
6.	श्री संजीव कुमार	अनुभाग अधिकारी (प्रतिनियुक्ति पर)
7.	श्री प्रदीप कुमार	प्रशासनिक सहायक
8.	श्री धीरेंद्र सिंह	प्रशासनिक सहायक
9.	श्री प्रवीण कुमार पंत	प्रशासनिक सहायक
10.	श्री वरुण पांडेय	प्रशासनिक सहायक
11.	श्री पार्थो मंडल	प्रशासनिक सहायक
12.	श्री प्रदीप कुमार मेहता	प्रशासनिक सहायक
13.	श्री पवन कुमार शर्मा	प्रशासनिक सहायक
14.	श्री आर. के. अरोडा	आशुलिपिक, ग्रेड बी
15.	श्री प्रेम चंद गुप्ता	सहायक-I
16.	सुश्री सविता राय	सहायक-I
17.	सुश्री निशा दिल्ली	सहायक-I
18.	श्री अक्षत सभरवाल	सहायक-I
19.	श्री नितेश कुमार	सहायक-I
20.	सुश्री सरोज वर्मा	सहायक-I
21.	श्री प्रवीण कुमार	सहायक-I
22.	श्री आलोक वर्मा	सहायक-II
23.	श्री रोहित कुमार सिंह	सहायक-II
24.	सुश्री कोमल प्रकाश	सहायक-II
25.	श्री निखिल प्रताप सिंह	सहायक-II
26.	श्री गोविन्द सिंह रावत	वाहन चालक
27.	श्री हरिंदर सिंह	वाहन चालक
28.	श्री लीला किशन	वाहन चालक
29.	श्री बिजेन्द्र सिंह	एम.टी.एस
30.	श्री सुभाष चंद	एम.टी.एस
31.	श्री सूरज पाल	एम.टी.एस
32.	श्री राकेश	एम.टी.एस
33.	श्री प्रेमचन्द्र दीवान	एम.टी.एस
34.	श्रीमती शोभा	एम.टी.एस
35.	श्रीमती राजेंद्री देवी	एम.टी.एस
36.	श्री मुकेश कुमार	सहायक अभियंता (विद्युत)
37.	श्री आर. पी. जोशी	सहायक अभियंता (सिविल)
38.	श्री सुभाष चन्द्र	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)
39.	श्री चंदर पाल	कनिष्ठ अभियंता (मैकेनिकल)
40.	श्री अमरजीत सिंह	कनिष्ठ अभियंता (मैकेनिकल)
41.	श्री कृष्ण कुमार	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
42.	श्री एच. पी. वशिष्ठ	इलेक्ट्रीशियन

राजभाषा प्रकोष्ठ

राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसरण में एनआईबी में एक राजभाषा प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के उतरोत्तर प्रयोग को बढ़ाने के लिए तथा राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम 2022-23 में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में संस्थान द्वारा समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न कदम उठाए गए और पहल की गई। उठाए गए कदमों और की गई पहलों में मुख्य रूप से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद, हिंदी/द्विभाषी मानक मसौदे उपलब्ध कराना, नियमित रूप से राजभाषा कार्यशालाओं का आयोजन तथा ऐसी गतिविधियां जो राजभाषा नीति के तहत आवश्यक हो शामिल हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान संस्थान में 14-29 सितंबर, 2022 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया तथा उसके दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। साथ ही हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान एक कवि गोष्ठी भी आयोजित की गई।

एनआईबी को वर्ष 2021-22 की अवधि के दौरान राजभाषा के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नोएडा द्वारा प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नोएडा के तत्वावधान में वी.वी. गिरी श्रम संस्थान द्वारा नराकास सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आयोजित हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में संस्थान के दो वैज्ञानिकों – सुश्री सुधा वी.गोपीनाथ, वैज्ञानिक-II डॉ अश्विनी कुमार दुबे, वैज्ञानिक-III ने क्रमशः गैर-हिंदी भाषी और हिंदी भाषी वर्ग में प्रथम पुरस्कार जीतकर संस्थान के गौरव को बढ़ाया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकें

निदेशक, एनआईबी की अध्यक्षता में प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। इन बैठकों में सरकारी कार्य में हिन्दी के प्रयोग की प्रगति की समीक्षा की गयी और हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के लिये आवश्यक कार्रवाई करने के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए।

अन्य बैठकों / कार्यशालाओं / सेमिनारों में भागीदारी

संस्थान के संबंधित अधिकारियों ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्चुअल मोड में आयोजित समीक्षा बैठकों और कार्यशालाओं में भाग लिया। इसके अलावा संस्थान के निदेशक ने अन्य कार्मिकों के साथ नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नोएडा द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया। भारत सरकार के राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा सूरत, गुजरात में आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में संस्थान के दो अधिकारियों ने भाग लिया।

अन्य गतिविधियां

- संस्थान की वेबसाइट द्विभाषी है जिसे समय-समय पर हिंदी में भी अपडेट किया जाता है।
- सभी मानक प्रपत्र द्विभाषी हैं और उन्हें संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।
- कार्यालय में प्रयोग में लाए जा रहे सभी कंप्यूटरों में हिंदी में काम करने की सुविधा उपलब्ध है। इन सभी कंप्यूटरों में मंगल यूनिकोड अपलोड किया गया है।
- पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से संबंधित इकाइयों को नियमित पत्रों के हिंदी/द्विभाषी मानक प्रारूप उपलब्ध करा दिए गए हैं।
- संस्थान के कार्मिकों को हिंदी भाषा में प्रवीण एवं दक्ष बनाने के लिए हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से संस्थान के परिसर में “पारंगत” हिंदी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम – सत्र जनवरी-मई, 2023 आरंभ किया गया है।
- भारत सरकार के राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संस्थान सभी कदम उठा रहा है।

आयोजन

1. आजादी का अमृत महोत्सव – राष्ट्र की सेवा में तीन दशक

राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 30 जून 2022 को "राष्ट्र की सेवा में तीन दशक" थीम के तहत आजादी का अमृत महोत्सव समारोह का आयोजन किया। माननीय राज्य मंत्री (एमओएस) डॉ. भारती प्रविण पवार ने इस महत्वपूर्ण समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। श्री राजेश भूषण, सचिव-स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, डॉ. बलराम भार्गव, सचिव –डीएचआर एवं महानिदेशक, आईसीएमआर, प्रो. राजेन्द्र सिंह सांगवान – निदेशक, एसीएसआईआर, डॉ. रजनी कांत श्रीवास्तव – निदेशक, आरएमआरसी-गोरखपुर, डॉ. शालिनी सिंह-निदेशक, एनआईसीपीआर, डॉ. किरण कुमार कार्लापू- उप सचिव – एमओएचएफडब्ल्यू, डॉ. रुबीना बोस- उप औषधि नियंत्रक-सीडीएससीओ और डॉ. मल्लिका गोप-निदेशक-एनएबीएल भी इस समारोह में उपस्थित थे।

इस अवसर पर माननीय राज्य मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने "एनआईबी के 30 साल" विषय पर एक पुस्तिका और एक वीडियो, राष्ट्रीय रक्त दाता सतर्कता कार्यक्रम (एनबीडीवीपी) के तहत "रक्त दाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग के लिए मार्गदर्शन दस्तावेज" जारी किया। इसके अलावा 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले और संस्थान की प्रगति में योगदान देने वाले कार्मिकों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया। माननीय राज्य मंत्री ने अपने मुख्य भाषण में एनआईबी द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और उसकी सुरक्षा करने में संस्थान की भूमिका का उल्लेख किया और देश की औषधि विनियामक प्रणाली में संस्थान के महत्वपूर्ण योगदान की भी सराहना की।

2. 21 जून, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन

एनआईबी ने 21 जून, 2022 को योग आचार्य विजय कुमार, अध्यक्ष एवं सीईओ, यूनिवर्सल योग ग्रुप, गुरुग्राम के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का धूमधाम से आयोजन किया। उन्होंने योग के उद्देश्य और मानव पर योग के पड़ने वाले प्रभाव के बारे में उल्लेख किया और उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सभी ने योग को अपनाकर अपनी जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा बना लेना चाहिए।

3. हिंदी पखवाड़ा 2022 का आयोजन

एनआईबी में हिंदी दिवस के अवसर पर 14-29 सितंबर, 2022 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। संस्थान के कार्मिकों को अपने दैनिक कार्य में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने हेतु प्रेरित करने के लिए पखवाड़ा अवधि के दौरान कई हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

4. संविधान दिवस का आयोजन

एनआईबी ने संविधान दिवस के अवसर पर दिनांक 28.11.2022 को एक व्याख्यान का आयोजन किया था जिसमें डॉ. पी.के. अतुल, वैज्ञानिक-एफ, राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान, आईसीएमआर, दिल्ली को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने अपने प्रस्तुतीकरण में भारतीय संविधान की विशेषताओं के बारे में विस्तार से उल्लेख किया।

5. एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

संस्थान के अधिकारियों को कार्यालय के दैनिक कार्यों में हिंदी भाषा के प्रयोग के महत्व के बारे में जानकारी देने और उन्हें हिंदी भाषा के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए एनआईबी में दिनांक 30.11.2022 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में डॉ. वंदना शर्मा, सहायक निदेशक-राजभाषा, एनआईएमआर, आईसीएमआर, दिल्ली को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया।

6. लिंग संवेदीकरण और पॉश अधिनियम पर प्रशिक्षण

महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे एक विशेष अभियान के हिस्से के रूप में एनआईबी ने दिनांक 21.12.2022 को लिंग संवेदीकरण और पॉश (यौन उत्पीड़न महिला संरक्षण अधिनियम, 2013) अधिनियम पर प्रशिक्षण का आयोजन किया। डॉ. मानसी मिश्रा, प्रमुख, अनुसंधान और ज्ञान प्रबंधक, सीएसआर, भारत को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। डॉ. मानसी मिश्रा ने अपने व्याख्यान में अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

7. महिला दिवस का आयोजन

एनआईबी में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ से 13 मार्च, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई प्रतियोगिताएं और गतिविधियां आयोजित की गईं।

8. एनआईबी की स्थापना के 30 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में खेलकूद गतिविधियों का आयोजन

क्र.सं.	खेल का नाम	विजेता	उप विजेता	तीसरा स्थान
1.	बैडमिंटन – पुरुष	श्री अजय	श्री ज्योतिराज	डॉ संजय मेदिरेत्ता
2.	बैडमिंटन – महिला	डॉ रिचा	सुश्री शीतल	सुश्री पल्लवी
3.	टेबल टेनिस – पुरुष	श्री अनिर्बन मुखर्जी	श्री कुणाल	डॉ सुभाष चंद
4.	टेबल टेनिस – महिला	सुश्री शरीन	डॉ मंजूला	सुश्री गूंजन
5.	शतरंज – पुरुष	डॉ संजय मेदिरेत्ता	श्री अनिर्बन मुखर्जी	श्री हरित कसाना
6.	शतरंज – महिला	सुश्री रश्मि श्रीवास्तव	सुश्री अर्चना सयाल	सुश्री दिव्याणी शर्मा
7.	कैरम – पुरुष	श्री पवन कुमार शर्मा	श्री जयपाल मीणा	डॉ सुभाष चंद
8.	कैरम – महिला	सुश्री प्रियंका गुप्ता	सुश्री पूनम	सुश्री सिद्रा
9.	वालीबॉल – महिला	एनआईबी लैब (06 खिलाड़ी)	एनआईबी प्रशासन (06 खिलाड़ी)	
10.	वालीबॉल – पुरुष	एनआईबी –नाइट राइडर्स	एनआईबी –चैलेंजर्स	एसआरआरडी
11.	क्रिकेट	एडमिन–XI	एनआईबी –वारियर्स	एनआईबी लैब
12.	स्पोर्टस्मैन ऑफ दि टूर्नामेंट	श्री अनिर्बन मुखर्जी		
13.	स्पोर्टस्वूमन ऑफ दि टूर्नामेंट	सुश्री शरीन		

आयोजन से संबंधित फोटोग्राफ

1. आजादी का अमृत महोत्सव – राष्ट्र की सेवा में तीन दशक



2. 21 जून, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन



3. हिंदी पखवाड़ा समारोह 2022



4. संविधान दिवस का आयोजन



5. एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन



6. लिंग संवेदीकरण और पॉश अधिनियम पर प्रशिक्षण



7. महिला दिवस का आयोजन



8. खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन





नागरिको को सशक्त बनाना : सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4(1) (बी) और 4 (2) के अनुसार संस्थान में आरटीआई अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत निम्नलिखित अधिकारियों को पीआईओ एवं अपीलीय प्राधिकारी नामित किया गया है : श्री डब्ल्यू.जेड. काजी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी – अपीलीय अधिकारी.

श्री पी.के. महापात्र, प्रशासनिक अधिकारी – जन सूचना

अधिकारी (पीआईओ) तथा श्री हरित कसाना, वैज्ञानिक ग्रेड-II जन सूचना अधिकारी (वैज्ञानिक कार्यकलाप)

वर्ष (2022-23) के दौरान, संस्थान को आरटीआई अधिनियम के अन्तर्गत अनेक प्रकार की सूचनाओं को प्राप्त करने हेतु निम्नलिखित आवेदन प्राप्त हुए हैं:-

**वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान प्राप्त आरटीआई आवेदनों की स्थिति
(31 मार्च, 2023 तक)**

विवरण	अथशेष	धारा 6(3) के तहत, अन्य पीए से यथा अंतरण के तौर पर प्राप्त आवेदन	प्राप्त (जिनमें अन्य पीए को अंतरित मामले शामिल हैं)	धारा 6(3) के तहत अन्य पीए को अंतरित मामले	निर्णय जिनमें अनुरोध/अपील रद्द की गई	निर्णय जिनमें अनुरोध/अपील स्वीकार की गई	धारा 7(1) के तहत वसूल किया गया पंजीकरण शुल्क (रु)
निवेदन	5	2	53	0	0	0	160
प्रथम अपील	0	0	15	0	0	15	0

एनआईबी की
लेखा परीक्षा रिपोर्ट



स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,
सदस्य,
मेसर्स राष्ट्रीय जैविक संस्थान
(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)
ए-32, सेक्टर-62 (इंस्टीट्यूशनल एरिया)
नोएडा, (उत्तर प्रदेश)-201309

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

अभिमत

हमने राष्ट्रीय जैविक संस्थान ("दि एनआईबी") के संलग्न वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है, जिसमें यथा 31 मार्च 2023 का तुलन-पत्र, उसी अवधि को समाप्त वर्ष का आय एवं व्यय खाता तथा प्राप्त एवं भुगतान खाता और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य स्पष्टीकरण सूचना के सारांश सहित वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां शामिल हैं।

हमारी राय में, तथा हमारी जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण उपर्युक्त वित्तीय विवरण, 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष की एनआईबी की वित्तीय स्थिति और उसी अवधि में समाप्त वर्ष के लिए इसके वित्तीय कार्य-निष्पादन का भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानकों के अनुसार, सही एवं उचित दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

अभिमत का आधार

हमने आईसीएआई के द्वारा जारी लेखा परीक्षा के मानकों (एसए) के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा सम्पन्न की है। उन मानकों के अंतर्गत हमारे दायित्व को हमारी इस रिपोर्ट के, वित्तीय विवरणों के लेखा-परीक्षा के लिए लेखा-परीक्षकों के दायित्वों खंड में वर्णित किया है। हम आईसीएआई द्वारा जारी नैतिक अपेक्षाओं के अनुसार, एनआईबी से स्वतंत्र हैं और हमने नैतिक संहिता के अनुसार अन्य नैतिक दायित्वों को पूरा किया है।

हमें विश्वास है कि हमें, प्राप्त हुए लेखा-परीक्षा साक्ष्य वित्तीय विवरणों के बारे में हमारे अभिमत को आधार देने के लिए पर्याप्त एवं समुचित हैं।

महत्वपूर्ण विषय

हम वित्तीय विवरणों की निम्नलिखित टिप्पणियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं :

क. वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं 2 जो इंगित करती है कि एनआईबी अपने खरीद सलाहकार मैसर्स एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के माध्यम से कुछ अचल परिसंपत्तियों का क्रय करती है। इस संबंध में एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के साथ सुलह/समझौता, तुलन-पत्र की तारीख को प्रक्रियाधीन है, अतः अचल परिसंपत्तियों की ओवरस्टेटमेंट/अंडरस्टेटमेंट को परिभाषित नहीं किया जा सकता है।

ख. **टिप्पणी संख्या 7:** सीजीएसटी अधिनियम, 2017 के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए जीएसटी आडिट/रिकंसिलिएसन और वार्षिक रिटर्न फाइल करने के दौरान जनरल क्रेडिट के कारण कैश/क्रेडिट खाता बही के माध्यम से 2,29,11,941/- रु की जीएसटी की राशि तथा 21,89,863/- रु की ब्याज राशि का रिवर्सल।

इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2021-22 के बाद से इनपुट क्रेडिट क्लेम नहीं किया गया है। इसके परिणामस्वरूप व्यय में वृद्धि हुई है जिससे अधिक अनुदान का उपयोग हुआ है।

ग. **टिप्पणी संख्या 8 :** परीक्षण और संदर्भ मानकों की बिक्री सेवाओं की आपूर्ति के एवज में प्राप्त होने वाले अग्रिम के संबंध में उसी महीने में जीएसटी जमा नहीं किया जाता है जो सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 13 की उपधारा (2) का उल्लंघन है और इससे जीएसटी का देरी से भुगतान करने पर ब्याज देयता उत्पन्न हो जाती है।

इन मामलों में हमारा मत यथावत है।

अन्य विषय

निम्नलिखित की ओर भी ध्यानाकर्षित किया जाता है:-

- **टिप्पणी सं. 1-** संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का लेखा-मिलान एवं उनका भौतिक सत्यापन।
- **टिप्पणी सं. 10-** अन्य एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित विभिन्न परियोजनाओं के लिए संबंधित निधियों के अलग-अलग प्राप्ति एवं भुगतान खातों के रखरखाव के संबंध में।
- **टिप्पणी सं. 11-** आंतरिक लेखापरीक्षा को सशक्त बनाने की आवश्यकता है।
- **टिप्पणी सं. 13-** अनुदान राशि के उपयोग के बारे में।

प्रबंधन के उत्तरदायित्व और वित्तीय विवरणों के संचालन संबंधी कार्मिकों के दायित्व

प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने हेतु उत्तरदायी है, जो कि भारत में आम तौर पर मान्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार एनआईबी के कार्यकलापों की स्थिति, परिचालनों के परिणामों और रोकड़ प्रवाह का यथार्थ एवं सही दृष्टिकोण प्रदान करता हो।

इस उत्तरदायित्व में एनआईबी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा करने तथा धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए पर्याप्त लेखा रिकार्ड का रखरखाव करना शामिल है; उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; उचित एवं विवेकपूर्ण निर्णय लेना और अनुमान लगाना; और पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण डिजाइन करना, उनका कार्यान्वयन और रखरखाव जो लेखांकन रिकार्ड की सटीकता और पूर्णतया सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी तरीके से काम करे, जो एक यथार्थ और उचित दृष्टिकोण देता हो और धोखाधड़ी या फिर त्रुटि के कारण भौतिक मिथ्या कथन से मुक्त हो।

इन वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय, प्रबंधन, एनआईबी की सत्त प्रतिष्ठान बने रहने की क्षमता, यथा प्रयोज्य सत्त प्रतिष्ठान के मामलों के प्रकटीकरण करने एवं लेखांकन के सत्त प्रतिष्ठान आधार का प्रयोग करने के लिए उत्तरदायी है,

जब तक प्रबंधन या तो एनआईबी की परिसंपत्ति शोधन के इच्छुक ना हों अथवा परिचालन समाप्ति अथवा इसके अतिरिक्त कोई यथार्थ विकल्प उपलब्ध नहीं हो।

वे जो शासन के प्रभारी हैं एनआईबी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देख-रेख के लिए उत्तरदायी हैं।

वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के दायित्व

- क. एसाए के अनुसार एक ऑडिट के हिस्से के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे ऑडिट में पेशेवर शंका कायम रखते हैं। हम यह भी करते हैं :
- i. वित्तीय विवरणों में महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिमों का पता लगाना और उनका आकलन करना, चाहे वे धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के प्रति कारगर ऑडिट प्रक्रियाएं डिजाइन और निष्पादित करना, और ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करना जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं। धोखाधड़ी के कारण उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण गलत कथन का पता न लगाने का जोखिम त्रुटिवश किए जाने वाले गलत कथन की तुलना में अधिक जोखिम होता है, चूंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर की गई चूक, गलत प्रतिनिधित्व, या आंतरिक नियंत्रण का ओवरराइड शामिल हो सकता है।
 - ii. ऑडिट प्रक्रियाओं को तैयार करने के लिए ऑडिट हेतु प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करें जो परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त हो परंतु कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की प्रभावशीलता पर राय व्यक्त करने के प्रयोजन के लिए न हो।
 - iii. उपयोग की जाने वाली लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन अनुमानों की तर्कसंगतता और प्रबंधन द्वारा किए गए संबंधित प्रकटीकरण का मूल्यांकन करना।
 - iv. लेखांकन के ऑन गोइंग कंसर्न के आधार पर प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालें और, प्राप्त ऑडिट साक्ष्य के आधार पर, क्या घटनाओं या स्थितियों से संबंधित एक भौतिक अनिश्चितता मौजूद है जो एनआईबी की गोइंग कंसर्न के रूप में जारी रखने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह डाल सकती है। यदि हमारा निष्कर्ष है कि एक भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपनी लेखा परीक्षक रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरण पर ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता होती है अथवा, यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त हैं, तो हमारी राय को संशोधित करने की आवश्यकता होती है। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखा परीक्षक रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त ऑडिट साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य की घटनाओं या स्थितियों के कारण एनआईबी का एक गोइंग कंसर्न के रूप में जारी रहना समाप्त हो सकता है।
 - v. प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करना, और यह देखना कि क्या वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व इस तरह से किया गया है जो निष्पक्ष प्रस्तुति सुनिश्चित करता हो।
- ख. वित्तीय विवरणों में गलत कथन भौतिक तौर पर एक महत्वपूर्ण कारक उस स्थिति में होता है, यदि वह वैयक्तिक अथवा समग्रता में, इन वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णयों को

प्रभावित करने की यथोचित प्रत्याशा रखता हो। हम (i) हमारे लेखा परीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाने और हमारे काम के परिणामों का मूल्यांकन करने में मात्रात्मक सामग्री कारकों पर विचार करते हैं; और (ii) वित्तीय विवरणों में पता लगाए गए किसी भी गलत कथन के प्रभाव का मूल्यांकन करना।

- ग. हम गवर्नेंस के प्रति उत्तरदायी कार्मिकों को भी अपना बयान देते हैं कि हमने स्वतंत्रता से संबंधित नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, और उनके साथ उन सभी रिश्तों और अन्य मामलों के बारे में संवाद करते हैं जो यथोचित रूप से हमारी स्वतंत्रता के लिए आवश्यक है, और जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय करते हैं।

कृते ए जी एम एस एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकर
फर्म रजि. नं. : 021141एन

ह./—
सीए सुनील कुमार गुप्ता
पार्टनर
एम. नं. 096342

यूडीआईएन : 23096342बीजीवाईपीओएक्स1121

स्थान : नोएडा
दिनांक : 03 अक्टूबर 2023

राष्ट्रीय जैविक संस्थान
(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए अनुदान के उपयोग का विवरण

PARTICULARS	Amount in ₹				TOTAL
	GIA - SALARY	GIA - GENERAL	GIA - ASSETS	GIA - SAP	
RECEIPTS					
Grant unutilized b/f from the Previous Year	-52,31,360.00	2,29,850.22	66,85,671.56	5,033.00	16,89,194.78
Grant in Aid Received From Ministry	17,50,00,000.00	38,57,70,000.00	7,98,14,000.00	4,95,000.00	64,10,79,000.00
TOTAL RECEIPTS (A)	16,97,68,640.00	38,59,99,850.22	8,64,99,671.56	5,00,033.00	64,27,68,194.78
LESS:- EXPENDITURE INCURRED & PROVISION					
Establishment Expenses	17,20,96,887.00	-	-	-	17,20,96,887.00
Administrative Expenses	-	15,71,49,932.38	-	3,84,090.00	15,75,34,022.38
Lab Services-Operation & Maintainance Exp	-	22,25,32,668.18	-	-	22,25,32,668.18
Increase in Stock of Fuel for Boilers & D G Set	-	6,80,984.00	-	-	6,80,984.00
Grant Utilised for Security Deposits - Electricity	-	-	-	-	-
Payment made for Fixed Assets during the year:					
Additions in Fixed Assets	-	-	3,81,30,421.68	-	3,81,30,421.68
Less: Advance of Previous year Utilized against Fixed Assets	-	-	-	-	-
Less: Adjustment for amount of fixed asset excess charged in P.Y	-	-	-	-	-
Advance against Fixed Assets, Goods & Services (Net)	-	31,34,986.00	2,59,42,000.00	-	2,90,76,986.00
Less: Advance of Prev. Year Utilized/Refunded against Goods & Services	-	-	-	-	-
Add: Grant Utilised for Prepaid Expenses Increase/Decrease	-	-72,415.00	-	-	-72,415.00
TOTAL CURRENT YEAR EXPENDITURE / UTILISATION (B)	17,20,96,887.00	38,34,26,155.56	6,40,72,421.68	3,84,090.00	61,99,79,554.24
GRANT RECEIVABLE / PAYABLE TO GOI (A) - (B)	-23,28,247.00	25,73,694.66	2,24,27,249.88	1,15,943.00	2,27,88,640.54



(Handwritten signatures)



राष्ट्रीय जैविक संस्थान

(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)

प्लॉट नं. ए-32, सेक्टर-62, नोएडा-201 309 (उत्तर प्रदेश) भारत

फोन: +91 0120 2400022, 2400072; फैक्स: +91 0120 2403014

ई-मेल: info@nib.gov.in; वेबसाइट: www.nib.gov.in